वर्ष 73 अंक 102 पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 09 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सूचना : आज के अंक के साथ दैनिक जागरण का वार्षिक बहुरंगी कैलेण्डर लेना न भूलें।

तृणमूल के आईटी सेल प्रमुख के घर-ऑफिस पर ईडी के छापे

कार्रवाई के बीच फाइलें लेकर निकली ममता, जताया विरोध

कोलकाता, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। गुरुवार को ईडी ने कथित कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आईटी सेल प्रमुख और राजनीतिक कंसल्टेंट फर्म आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के कोलकाता स्थित घर और कार्यालय पर छापे मारे। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद मौके पर पहुंच गईं और कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। ईडी का आरोप है कि छापेमारी के दौरान सीएम ने जांच में बाधा डाली। एजेंसी के मुताबिक, वे लाउडन स्ट्रीट स्थित प्रतीक जैन के घर में जबरन दाखिल हुईं और कई भौतिक दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अपने साथ ले गईं। इसके बाद वे सॉल्ट लेक स्थित इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के ऑफिस भी पहुंचीं, जहां राज्य पुलिस की मौजूदगी में कथित तौर पर अहम फाइलें साथ ले जाई गईं। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर केंद्र और राज्य के बीच टकराव को तेज कर दिया है, जिसका असर आने वाले दिनों में बंगाल की राजनीति और सियासी माहौल पर साफ दिखाई दे सकता है।

गृह मंत्री को कंट्रोल करें: ममता

ममता ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री से गृहमंत्री को 'कंट्रोल' करने की अपील भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमित शाह उनकी पार्टी के दस्तावेज, रणनीति और डेटा जब्त करवा रहे हैं। ममता ने कहा, 'क्या ईडी का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, उम्मीदवारों की सूची और वोटर डेटा उठाना है? यह घटिया और शरारती राजनीति है।'

एजेंसी के काम में दखल: भाजपा

इस मामले पर टिप्पणी करते हुए भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'ममता ने आज जो किया, वह जांच में बाधा डालना था। मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आई-पैक ऑफिस में वोटर लिस्ट क्यों मिली। क्या आई-पैक कोई पार्टी ऑफिस है।' कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, आई-पैक कॉरपोरेट फर्म होते हुए भी टीएमसी के लिए अनैतिक गतिविधियों में शामिल है।

हाईकोर्ट आज करेगा मामले पर सुनवाई

ईडी ने सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी। वहीं, प्रतीक जैन के परिवार ने पुलिस में ईडी के खिलाफ महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी की शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया है।

विरोध में आज कोलकाता में मार्च: इस कार्रवाई के विरोध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में मार्च निकालने का ऐलान किया है। ममता ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया है।

जज केस कांड

फैसला सुरक्षित रखा मोहलत बढ़ाने से इनकार

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा से जुड़े 'जज केस कांड' में गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को संसदीय जांच समिति के समक्ष जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से इनकार कर दिया है। उन्हें 12 जनवरी को समिति के सामने अपना पक्ष रखना होगा। जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव और लोकसभा अध्यक्ष द्वारा गठित जांच समिति को चुनौती दी थी। उनकी दलील थी कि महाभियोग प्रस्ताव दोनों सदनों में लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने इसे मंजूरी नहीं दी। ऐसे में केवल लोकसभा द्वारा जांच समिति का गठन जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत गलत है।

गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने की शिरकत

डेढ़ दशक में 25 हजार करोड़ का निवेश: मोहन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पिछले डेढ़ दशक में टेक्सटाइल के क्षेत्र में 25 हजार करोड़ का निवेश हुआ है, जिसमें लाखों लोगों को रोजगार भी मिला है। मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री गुरुवार को असम के गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। केन्द्र का मध्यप्रदेश को बेहतर सहयोग मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन पर राज्य के धार में पीएम मित्र पार्क भूमिपूजन किया। यहां टेक्सटाइल पार्क और उद्योगों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा। यह पार्क भारत को सशक्त बनाने के संकल्प की पूर्ति भी करेगा।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक गतिविधियां और निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत संभाग और जिला स्तर पर भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से उज्जैन, रीवा, कटनी, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित कई जिलों में औद्योगिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का विस्तार हुआ है।

प्रदर्शनी का अवलोकन

केंद्रीय मंत्री सिंह और मुख्यमंत्री यादव ने 'भारत का वस्त्र उद्योग विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना' थीम पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में भारत की वस्त्र उद्योग की शक्ति, नवाचार और समृद्ध विरासत को दर्शाती प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया।

मप्र में दो तरह के फाइबर पर कार्य: सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वस्त्र मंत्रालय, मध्यप्रदेश में दो तरह के फाइबर पर कार्य करना चाहता है। पहला- लीनन जो अलसी में होता है और दूसरा- मिल्क बिल्ट (मदार) फाइबर। केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने राज्यों से टेक्सटाइल का रोडमैप बनाकर गतिविधियां संचालित करने की अपील की।

पीएम मित्रा पार्क की सराहना

इस मौके पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल के लिए सराहना की। धार में बन रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के निर्माण में तेजी से हो रहे कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया।

जैव विधिवता पर विशेष

वन्य जीव संरक्षण में दो साल में मिसाल बना मध्यप्रदेश

"पिछले दो सालों (2024-2025) में मध्य प्रदेश ने वन्य जीव संरक्षण के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं, जिनमें राज्य-स्तरीय टाइगर कॉरिडोर का विकास, मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए रेस्क्यू स्क्वॉड का गठन, और क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि (8 लाख से 25 लाख रुपये), वनकर्मियों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण, डिजिटल चिड़ियाघर प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत, और बाघों की आनुवांशिक संरचना का अध्ययन शामिल हैं, जिससे राज्य बाघों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण में अग्रणी बन गया है।

प्रमुख प्रयास और पहल

क्षमता निर्माण और तकनीक

वनकर्मियों, पशु चिकित्सकों और महावतों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. डिजिटल चिड़ियाघर प्रबंधन प्रणाली को डिजाइन और लागू किया जा रहा है, जिससे चिड़ियाघरों का प्रबंधन बेहतर हो सके।

आनुवंशिक अध्ययन: चिड़ियाघरों में मौजूद बाघों की आनुवंशिक संरचना का अध्ययन किया जा रहा है, जो उनकी आबादी के स्वास्थ्य और संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है.

राष्ट्रीय स्तर पर पहचान: इन प्रयासों के साथ, मध्य प्रदेश को वन्यजीव संरक्षण और सतत पर्यावरणीय विकास में एक आदर्श राज्य के रूप में नई पहचान मिल रही है।

टाइगर कॉरिडोर का विकास

पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना जैसे टाइगर रिजर्व को जोड़ने के लिए लगभग 250 किमी लंबा राज्य-स्तरीय टाइगर कॉरिडोर बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की गई है ।

मानव-वन्यजीव संघर्ष निवारण

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए 14 रीजनल और 1 राज्य स्तरीय रेस्क्यू स्क्वॉड (बचाव दल) गठित किए गए हैं । संघर्ष में होने वाले नुकसान के लिए दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि को 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे प्रभावित लोगों को आर्थिक मदद मिल सके ।

असम से आयेंगे गैंडा के दो जोड़े, कान्हा किसली में किया जायेगा भैंस पुनर्स्थापना

विलुप्त जंगली भैंस प्रजाति की पुनर्स्थापना से प्रदेश की जैव विविधता में जुड़ेगा नया अध्याय: मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश एक बार फिर जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई मिसाल कायम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य में विलुप्त हो चुकी जंगली भैंस प्रजाति को पुनर्स्थापना करने की वैज्ञानिक पहल अब अंतिम चरण में पहुँच गई है। जंगली भैंसों को असम से मध्यप्रदेश लाने की योजना है। असम से गैंडे के दो जोड़े भी प्रदेश में आयेंगे। इन्हें भोपाल के वन विहार में रखा जायेगा। मध्यप्रदेश वन विभाग बदले में असम की मांग के अनुसार 3 टाइगर और 6 मगरमच्छ स्थानांतरित करेगा। असम के गुवाहाटी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और श्री हिमंता विश्व सरमा के बीच हुई बैठक में इस आदान प्रदान पर चर्चा हुई। इस अवसर पर दोनों राज्यों के वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चीते के बाद अब भैंस पुनर्स्थापना से प्रदेश की जैव विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा यह प्रयास एक प्रजाति के संरक्षण के साथ ही प्रदेश के जंगलों के पारिस्थितिकी तंत्र सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। सफल चीता पुनर्स्थापना के बाद जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना से राज्य के जैव विविधता संरक्षण क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ेगा। राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण के साथ ही उन प्रजातियों की वापसी के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, जो कभी इस भूमि की पहचान हुआ करती थीं। मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी पिछले सौ वर्षों से भी अधिक समय पहले समाप्त हो चुकी थी। अत्याधिक शिकार, मानव का जंगलों में अवैध दखल, आवास का क्षरण और घास के मैदानों का नष्ट होना इसके प्रमुख कारण रहे। वर्तमान समय में देश में जंगली भैंसों की प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम राज्य तक सीमित रह गई है। छत्तीसगढ़ में भी ये हैं, किंतु इनकी संख्या अत्यंत सीमित रह गई है। देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि कान्हा टाइगर रिज़र्व जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है। अध्ययन में घास के मैदानों की गुणवत्ता, जल स्रोतों की उपलब्धता, मानव हस्तक्षेप की न्यूनता और अन्य शाकाहारी जीवों के दबाव जैसे कारकों का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कान्हा के विस्तृत घास मैदानों में पहले भी जंगली भैंसों से आबाद रही है।

"यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवदेनशील सोच का परिणाम है कि मध्यप्रदेश के जंगलों से विलुप्त हो रहे है वन्य प्रजातियों की फिर से राज्य के वनों में वापसी हो सके। इसके लिए मुख्यमंत्री जहां संबंधित राज्यों से चर्चा की। तो विभाग के अधिकारियों को देश-विदेश में प्रशिक्षण में दिलाया जिससे वे वन्य जीवों का संरक्षण कर सकें।

योजना के तहत जंगली भैंसों को असम से मध्यप्रदेश लाने का प्रस्ताव है। आनुवांशिक विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि मध्यप्रदेश से विलुप्त रूप से हुई प्रजाति और असम एवं छत्तीसगढ़ की जंगली भैंसों में आनुवांशिक अंतर अत्यंत कम है। इससे इनका मध्यप्रदेश के जंगलों में स्थानांतरण वैज्ञानिक रूप से भी व्यावहारिक है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इस संबंध में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) तथा भारत सरकार से आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

पुनर्स्थापना को चरणबद्ध और सुरक्षित ढंग से अंजाम दिया जाएगा। शुरुआती तीन वर्षों में प्रतिवर्ष 12 से 15 जंगली भैंसों को लाया जाएगा। इन्हें प्रारंभ में शिकारी-रोधी बाड़ों में रखा जाएगा। इनके लिये बाड़ों का निर्माण फरवरी 2026 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह योजना दीर्घकालिक संरक्षण और प्राकृतिक प्रजनन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

जंगली भैंसों की वापसी से कान्हा और आसपास के जंगलों में घास आधारित पारिस्थितिकी तंत्र सशक्त बनेगा। यह अन्य शाकाहारी जीवों के लिए भी लाभकारी होगा, साथ ही मांसाहारी जीवों के प्राकृतिक व्यवहार और खाद्य श्रृंखला को भी संतुलित करेगा।

इम्पैक्ट फीचर

100 साल बाद मध्य प्रदेश के जंगलों में करेंगे विचरण

डॉ. मोहन यादव असम से ला रहे हैं जंगली भैंसा और गेंडे

"मध्य प्रदेश वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है, जहाँ कई राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य हैं, बाघों की संख्या अधिक है, और राज्य सरकार जैव विविधता के संरक्षण के लिए ' प्रोजेक्ट टाइगर' जैसे कई कार्यक्रम चला रही है, जिसमें वन्यजीवों और मानव सह-अस्तित्व पर जोर दिया जाता है।

जैव विविधता

समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र

मध्य प्रदेश में पठार, घाटियाँ, पर्वतमालाएँ और मैदान जैसे विविध पारिस्थितिक तंत्र हैं, जिनमें बाघ, तेंदुआ, बारहसिंगा, सांभर और चीतल जैसे कई वन्यजीव पाए जाते हैं।

वनस्पति और जीव

राज्य में लगभग 5000 पौधों की प्रजातियाँ, 500 पक्षी प्रजातियाँ और 180 मछली प्रजातियाँ हैं, साथ ही कड़कनाथ मुर्गे जैसी विशिष्ट कृषि-विविधता भी है।

जनजातीय संस्कृति : यहाँ की जनजातियाँ, अपनी विशिष्ट संस्कृति और रीति-रिवाजों के साथ, जैव विविधता का अभिन्न अंग हैं और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

वन्यजीव संरक्षण

राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य

राज्य में 10 राष्ट्रीय उद्यान और 25 वन्यजीव अभयारण्य हैं, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय जैसे प्रमुख टाइगर रिजर्व शामिल हैं।

प्रोजेक्ट टाइगर

मध्य प्रदेश बाघों के संरक्षण में अग्रणी है और 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत कई बाघ अभयारण्य संचालित करता है।

संरक्षण के प्रयास

गिद्धों के संरक्षण के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं और बाघों के लिए टाइगर कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं ताकि विभिन्न रिज़र्व आपस में जुड़ सकें।

पारिस्थितिकी संतुलन

मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व

सरकार का लक्ष्य वन्यजीवों और मनुष्यों के बीच बेहतर तालमेल बिठाना है, जैसा कि गिद्धों के संरक्षण और बाघ गलियारों के विकास से पता चलता है।

पारिस्थितिक पर्यटन

वन पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को आजीविका मिल सके और प्रकृति संरक्षण को प्रोत्साहन मिले।

निष्कर्ष : मध्य प्रदेश अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत को बनाए रखने और वन्यजीवों तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है, जिससे यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण जैव विविधता हॉटस्पॉट बना हुआ है। जैव विविधता-स्तर, मूल्य और संरक्षण उपाय, म. प्र. में जैव विविधता।

मध्य प्रदेश में जैव विविधता : मध्य प्रदेश भारत का एक जैव विविधता से समृद्ध राज्य है।

D-13013/25

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अल्प प्रवास पर आयेंगे रीवा

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से दोपहर 12.30 बजे वायुयान द्वारा रवाना होकर अपरान्ह 1.20 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेगे। तदुपरांत रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर द्वारा अपरान्ह 1.30 बजे बहरी जिला सीधी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री जी बहरी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत हेलीकाप्टर द्वारा शाम 4.30 बजे रीवा एयरपोर्ट आयेंगे तथा शाम 4.40 बजे वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे। मुख्यमंत्री समारोह में 213 करोड़ 22 लाख रुपए के 714 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री समारोह में विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे।

स्व. श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी की पुण्यतिथि 19 को

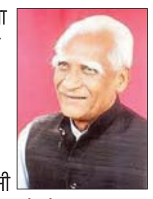

रीवा। विगत वर्षों की भांति 19 जनवरी को मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी की 08वीं पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठी उनके अमहिया स्थित आवास पर दोपहर 12:00 बजे आयोजित की गयी हैं। संगोष्ठी मे श्रीयुत तिवारी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर कांग्रेस जनों द्वारा व्यापक रूप से प्रकाश डाला जावेगा। स्व. श्रीयुत तिवारी की पौत्रवधु सिरमौर क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी डॉ अरूणा विवेक तिवारी बबला ने विज्ञप्ति जारी कर सभी कांग्रेस जनों, श्रीयुत के शुभचिंतकों एवं साथियों को 19 जनवरी को दोपहर 12:00 बजे निज निवास अमहिया आवास पर पधारने का विनम्र अनुरोध किया है।

संपत्तिकर नहीं जमा करने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ कुर्की कार्यवाही प्रारंभ

चार बकायदारों ने मौके पर किया भुगतान एक ने नहीं दिया तो तीन बाइक ही उठा ले गए

नगर निगम के राजस्व दल, अतिक्रमण एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्यवाही

जागरण, रीवा

संपत्तिकर नहीं जमा करने वाले बड़े बकायादारों के यहां नगर निगम की राजस्व टीम जब कुर्की कार्यवाही करने पहुंची तो कुर्की के भय से चार बकायादारों ने मौके पर ही बकाया राशि जमा कर कार्यवाही से मुक्ति पा ली, जबकी एक बकायादार द्वारा अंतिम समय में भी राशि नहीं जमा करने के कारण कुर्की की कार्यवाही की गई। उनके घर से तीन दो पहिया वाहन कुर्क कर लिये गये। निगमायुक्त के निर्देश पर नगर निगम रीवा की राजस्व टीम द्वारा संपत्तिकर के बड़े बकायादारों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए अंतिम सूचना के बाद भी भुगतान न करने पर चल-अचल संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई की गई। वसूली अभियान को तेज करते हुए नगर निगम की टीम गुरुवार को जोन क्रमांक 03 में 5 स्थानों पर कुर्की की कार्यवाही पहुंची, जिसमें 1 बकायादार छोटेलाल सिंह, पिता शंभू प्रसाद सिंह द्वारा संपत्तिकर की बकाया राशि जमा नहीं किए जाने पर उनकी चल संपत्ति जब्त की गई। यह कार्रवाई राजस्व दल, अतिक्रमण एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

इस दौरान नगर निगम उपायुक्त, राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, अतिक्रमण प्रभारी एवं उपराजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 के अंतर्गत देयक एवं धारा 174 के अंतर्गत मांग-पत्र तथा अंतिम सूचना पत्र के माध्यम से संबंधित करदाताओं को बार-बार सूचित किया जाता रहा है। इसके बावजूद बकाया राशि जमा न होने पर मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत अंतिम सूचना पत्र जारी किए गए थे। निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी न तो भुगतान किया गया और न ही कोई आपत्ति/अपील प्रस्तुत की गई, जिसके चलते कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई गई। जोन क्रमांक 03 में छोटेलाल सिंह, पिता शंभू प्रसाद सिंह द्वारा संपत्तिकर की बकाया राशि जमा नहीं करने पर उनकी 2 मोटरसाइकिल एवं 1 स्कूटी को जब्त कर नगर निगम के सुपुर्द किया गया।

इन बकायादारों पर आज की जाएगी कुकी कार्यवाही

नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बड़े बकायादारों के विरुद्ध इस प्रकार की कुर्की की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। जोन क्रमांक 02 में गिरजा देवी, कृपालदास (मृतक) द्वारा अशोक मलकानी, मृगेन्द्र सिंह, सुब्रतमणि तिवारी, रामवती मिश्रा, अभिमान सिंह, कुसुम सिंह, संतोष कुमार पटेल, संजय सिंह, हरिशंकर सिंह सहित अन्य का भुगतान शेष है जो अब तक अदा नहीं की गई है। इसी कड़ी में 09 जनवरी को उक्त सभी बकायादारों के यहा कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।

4 बकायादारों ने मौके पर जमा कराई राशि

नगर निगम द्वारा की जा रही कुर्की की कार्यवाही के दौरान चार बकायादारों ने मौके पर बकाया राशि जमा कर दी जिससे उनके यहां कुर्की की कार्यवाही नहीं की गई। बताया गया है कि विष्णु प्रसाद मिश्रा, पिता रामाश्रय मिश्रा पर कुल 78,807 रु. का संपत्तिकर बकाया था। कुर्की की कार्यवाही के दौरान उन्होंने मौके पर ही राशि नगर निगम में जमा कराई। कैलाश नाथ मिश्रा पिता राम विलास मिश्रा पर 1,37,353 रुपये की बकाया राशि थी, कार्रवाई के समय उनके द्वारा भी राशि चेक व नगद के माध्यम से जमा कराई गई। सरोज सिंह पति भूपेन्द्र सिंह की कुल बकाया राशि 1,47,000 रुपये थी। उन्होंने भी मौके पर बकाया राशि का भुगतान किया। अभिनव मिश्रा पिता मोतीलाल मिश्रा द्वारा भी मौके पर ही चेक के माध्यम से संपत्तिकर की बकाया राशि नगर निगम में जमा की गई।

गुमराह कर रही कांग्रेस, वीबी-जी रामजी से गांवों के अधोसंरचनात्मक विकास की आयेगी क्रांति: उप मुख्यमंत्री

कहा-महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के सपने को जमीन पर उतार रहे हैं मोदी जी

जागरण, रीवा। गुरुवार को भाजपा कार्यालय 'अटल कुंज' रीवा में आयोजित पत्रकारवार्ता में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना को लेकर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही जबकि इससे रोजगार की गारंटी के साथ ही गांवों के अधोसंरचनात्मक विकास में क्रांति आयेगी। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज, स्वदेशी व आत्म निर्भरता के सपने को जमीन पर उतारने का काम कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी अनर्गल प्रलाप कर दिग्भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में केवल 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी अब 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी जा रही है। इतना ही नहीं 60 दिन का खेती के लिए भी काम की गारंटी है। आगे कहा कि नवीन योजना के साथ ही बजट भी बढ़ाया गया है। कांग्रेस शासनकाल में 35 हजार करोड़ मिलते थे लेकिन पीएम मोदी ने 74 करोड़ किया जिसे सुधारों के बाद बजट बढ़ाकर 95 करोड़ कर दिया गया है। बजट में यह बढ़ोत्तरी कांग्रेस के शासनकाल के समय से लगभग तीन गुना अधिक है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 15 विभागों की संयुक्त कार्ययोजना बनाकर कृषि को रोजगार और उद्योग का सशक्त माध्यम बनाएगी। यह सुधार प्रक्रिया का एक हिस्सा है, कांग्रेस को इस योजना का विरोध की बजाय तथ्यात्मक बात करनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार मानता हूं कि उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा योजना को आवश्यकता के अनुरूप सुधार करके देश भर में लागू किया है। अब केंद्र सरकार 60 और राज्य सरकार 40 प्रतिशत की राशि वहन करेगी। कई मामलों में पहले केंद्र सरकार ही निर्णय लेती थी, लेकिन अब राज्य सरकारें भी गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास को ध्यान में रखकर कार्यों को शामिल कर सकते हैं। नरेगा में विद्यालय भवन, पुस्तकालय, कोल्ड स्टोरेज, ग्रामीण पार्किंग, सौर ऊर्जा, नवकरणीय ऊजा, जैविक खाद इकाई, बाढ़ आश्रय स्थल, आपदा में क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत, जल जीवन मिशन के कार्यों में सुधार एवं रखरखाव जैसे कार्य शामिल नहीं थे। नई योजना में यह सभी कार्य शामिल किए गए हैं। जैविक खाद निर्माण इकाइयां, पशुपालन, मुर्गी-पालन शेड, मत्स्य पालन संबंधी निर्माण कार्यों, नर्सरी निर्माण, भवन-निर्माण सामग्री उत्पादन इकाई निर्माण का प्रावधान भी ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आजीविका को बढ़ाने के लिए किया गया है। पत्रकारों के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अब यह योजना पूर्णपारदर्शी होगी और मानीटरिंग सख्त होगी। जीरो टॉरलेंस पर काम होगा। जो गल्ती करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

दूषित पेयजल से हुई मौत का विरोध महिला कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश, दी श्रद्धांजलि

रीवा। इंदौर में दूषित पानी के कारण हुई दर्दनाक मौतों के विरोध में पूरे प्रदेश में आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में महिला कांग्रेस कमेटी रीवा की शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी के नेतृत्व में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैंडल मार्च निकालकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया। महिला कांग्रेस रीवा ने आरोप लगाया कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के बावजूद सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस एवं प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। यह कार्यक्रम महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशानुसार, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के मार्गदर्शन व प्रदेश कांग्रेस की महासचिव कविता पांडे, पूर्व विधायक शीला त्यागी एवं महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें महिला कांग्रेस की समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहीं। महिलाओं ने मानस भवन से कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा इस पूरे मामले में दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। कैंडल मार्च में प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, ग्रामीण अध्यक्ष सीमा सिंह, पूर्व विधायक शीला त्यागी, महासचिव ममता तिवारी, सचिन, विजयलक्ष्मी मिश्रा, उत्पीड़न बचाव प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रभा सोहगौरा, किरण सिंह, नीलम पाठक, नीलू तिवारी, पुष्पा द्विवेदी सहित अन्य महिलाएं एवं बहनें शामिल रहीं।

धान के अवैध भण्डारण तीन पर दर्ज हुई एफआईआर

रीवा। समर्थन मूल्य पर धान के उपार्जन की लगातार निगरानी की जा रही है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने त्योंथर तहसील में खरीदी केन्द्र सहकारी समिति अमाव दो बड़ागांव में 543 बोरी अवैध धान भण्डारण पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। धान का अवैध रूप से भण्डारण करने वाले समिति प्रबंधक राजेन्द्र शर्मा, खरीदी केन्द्र प्रभारी धीरेन्द्र कुमार मिश्रा उर्फ धीरज तथा धान का अवैध रूप से भण्डारण करने वाले प्रमोद तिवारी के विरूद्ध थाना सोहागी में एफआईआर दर्ज की गई है। एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी द्वारा 30 दिसम्बर को सेवा सहकारी समिति अमाव दो बड़ागांव का निरीक्षण करने पर 543 बोरी धान का अवैध भण्डारण पाया गया। समिति प्रबंधक और खरीदी केन्द्र प्रभारी धान के संबंध में संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। धान उपार्जन में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही जा रही है।

पहले नहीं ली सुध, इंदौर घटना के बाद खुली नींद

सुंदर नगर, अनंतपुर एवं रतहरा उच्च स्तरीय टंकियों की करायी गई सफाई

जागरण, रीवा। शहरवासी आज से नहीं बल्कि पांच-छह वर्षों से गंदा व दुर्गंधयुक्त आ रहा है, वार्डवासियों की शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों ने ये तक जानने का प्रयास नहीं किया कि उक्त वार्डों में गंदा पानी क्यों आ रहा है। इंदौर में दूषित पानी पीने से करीब डेढ़ दर्जन लोगों की मौत के बाद प्रशासन की नींद खुली और जल स्रोतों की सफाई के साथ ही पानी की टंकियों की सफाई में जुट गया। कई वार्डों में शहर में दूषित पानी की सप्लाई रोकने एवं उपभोक्ताओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम की टीम द्वारा पेयजल टंकियों को भी साफ किया जा रहा है। लोगों के घरों में जाकर पानी के सैंपल लिये जा रहे हैं और उन्हें जांच के लिए भेजे जा रहे हैं जिससे दूषित पानी की सप्लाई को तुरंत रोका जा सके। गुरूवार को लोगों को दूषित पानी से बचने सुंदरनगर, अनंतपुर एवं रतहरा उच्च स्तरीय टंकियों की सफाई कराई गई। इसके साथ ही वार्ड स्तर पर एवं उच्च स्तरीय टंकियों से जल आपूर्ति वाले विभिन्न मोहल्लों में जाकर लगभग सैकड़ा भर पानी के सैंपल लिये गये। शहरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम द्वारा दूषित पानी की शिकायतों को लेकर लगातार सक्रिय कार्रवाई की जा रही है। शहर की उच्च स्तरीय टंकियों की विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उच्च स्तरीय टंकियों से भी सुबह एवं शाम नियमित रूप से सैंपल कलेक्ट कर टेस्टिंग कराई जा रही है, जिससे किसी भी स्तर पर दूषित पानी की संभावना को तुरंत रोका जा सके। इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा गठित टीम एवं फील्ड स्टाफ को निरंतर प्रशिक्षण देकर संवेदनशीलता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि डब्ल्यूटीपी (वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट) के वाल्व मैन पूरी तरह सजग रहें। फील्ड स्टाफ को यह भी बताया गया कि दूषित पानी की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कैसे प्रतिक्रिया करनी है। उच्च स्तरीय टंकी के आसपास किसी भी प्रकार का लीकेज सामने आता है, तो उसका निदान तुरंत सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही अवैध जल कनेक्शनों पर भी निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं तथा ऐसे कनेक्शन पाए जाने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने को कहा गया है।

दो ग्राम पंचायत सचिवों से छिना वित्तीय प्रभार

जागरण, रीवा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत त्योंथर की ग्राम पंचायत देउपा कोठार व जनपद पंचायत गंगेव की ग्राम पंचायत सचिव गढ़ एवं डगरदुआ के सचिवों से वित्तीय प्रभार छीन लिए हैं। दोनों ही सचिवों द्वारा शासकीय कार्य में शासकीय राशि मेंअनियमितता बरती गई है। ग्राम पंचायत देउपा कोठार के उप सरपंच पंकज कुमार शुक्ला व सरपंच सुषमा आदिवासी द्वारा ग्राम पंचायत में बरती गई अनियमितता और भ्रष्टाचार की पृथक-पृथक शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत की 3 सदस्यीय दल द्वारा जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिसमें विभिन्न निर्माण कार्यों में पूर्व सरपंच रावेन्द्र सिंह, सचिव उमेश त्रिपाठी व ग्राम रोजगार सहायक मोहनलाल केवट द्वारा 15 लाख 56 हजार 337 रुपए की वित्तीय अनियमितता पाई। सचिव को उनका पक्ष रखे जाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन उनके द्वारा आज दिनांक तक किसी प्रकार का जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके चलते सचिव उमेश त्रिपाठी के वित्तीय प्रभार निलंबित किए गए। त्रिपाठी अन्य सचिवीय कार्य यथावत करते रहेंगे। इसी प्रकार जनपद पंचायत गंगेव की ग्राम पंचायत लौरीखुर्द में आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण के लिए स्वीकृत राशि में 36 हजार रुपए का अवैध रूप से आहरण किया गया। इस राशि की वसूली की कार्यवाही की जा रही है। जिसके कारण ग्राम पंचायत के पूर्व सचिव शिवेन्द्र कुमार तिवारी वर्तमान में ग्राम पंचायत सचिव गढ़ तथा डगरदुआ का वित्तीय अधिकार राशि की वसूली होने तक समाप्त किया गया है। तिवारी अन्य सचिवीय कार्य यथावत करते रहेंगे।

रानी तालाब स्थित प्राचीन मंदिर हो रहा दुर्दशा का शिकार

प्राचीन धरोहरों की अनदेखी, होती जा रहीं जर्जर

जागरण, रीवा। शहर सहित समीपस्थ क्षेत्रों में स्थित प्राचीन धरोहरें अनदेखी के चलते दुर्दशा का शिकार हो रही हैं। रानी तालाब स्थित अति प्राचीन मंदिर भी देखरेख के अभाव में दुर्दशा का शिकार होता जा रहा है। रानी तालाब स्थित मंदिर के प्रति लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। नवरात्रि के अवसर पर यहां मेला का आयोजन किया जाता है, इस दौरान लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचकर मत्था टेकते हैं। इसके अलावा अन्य दिनों में भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के अलावा कई लोग सपरिवार रानी तालाब मंदिर में दर्शन, वंदन करने के साथ ही घूमने, फिरने व पिकनिक के उद्देश्य से भी यहां आते हैं। शहरवासियों के साथ ही समीपस्थ क्षेत्रों से भी काफी लोग यहां पहुंचते हैं, जिससे प्रतिदिन यहां लोगों की अच्छी, खासी भीड़ जुटती है। देखरेख के नाम पर यहां पर मंदिर के हिस्से की ही रंगाई, पोताई करवाई जाती है, बाकी के हिस्सा देखरेख के अभाव में जर्जर होता जा रहा है। मंदिर के प्रवेश द्वारा पर लगी लोहे की जाली टूट चुकी है, गत वर्ष भी यहां की जाली टूट गई थी, नवरात्रि मेले के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यहां का निरीक्षण कर प्रवेश द्वार पर बनी नाली के ऊपर लगी जाली को दुरुस्त करवाने के निर्देश प्रदान किए थे, जिम्मेदारों ने जाली की ऐसी मरम्मत करवाई कि साल भर बाद वह फिर से मरम्मत की मांग करने लगी। प्रवेश द्वार के समीप बना चबूतरा भी जर्जर हो चुका है। चढ़ाव पर लगी प्राचीन जालियां टूट चुकी हैं, सीढ़ियों के पिलरों पर लगी टाइल्स उखड़ चुकी है। जिनकी मरम्मत नहीं करवाई जा रही। मंदिर परिसर में प्राचीन नक्काशी की गई है, जिसे बचाने के प्रयास नहीं किए जा रहे। इसी अनदेखी के चलते श्रद्धालुओं के साथ ही मंदिर परिसर में नशाखोर और असामाजिक तत्वों के साथ ही स्कूल, कॉलेज में पढ़ने वाले युवक-युवती भी खुलेआम मंदिर परिसर में बैठे रहते हैं। अकेला पुजारी मंदिर की सुरक्षा करे कि यहां बैठने वाले असामाजिक तत्वों व नशाखोरों को रोके।

सुबह 11 बजे तक छाया रहा कोहरा, बरसती रही बूंदे

न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस घटा, अधिकतम 1.5 बढ़ा

जागरण, रीवा। शहर सहित समीपस्थ क्षेत्रों में गुरुवार को भी सुबह-शाम सहित दोपहर में भी कड़कड़ाती ठंड का असर देखने को मिला। बुधवार रात से आसमान में छाया कोहरा गुरुवार सुबह 11 बजे तक छाया रहा, कोहरे के कारण छोटी-छोटी बूंदे बरसती रहीं। जिसके चलते लोग घरों से बाहर निकालने में कतराने लगे। लगभग ग्यारह बजे सूर्य नारायण प्रकट हुए, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली, कुछ देर बाद धूप तेज हुई तो लोग अपने घरों की छत, बालकनी आदि में धूप सेंकने एकत्रित हो गए। किन्तु ठंडी हवाओं के चलने के कारण धूप में भी लोगों को ऊनी कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। कुछ लोग तो दिन में अलाव तापते नजर आए। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस घटकर 4.1 डिग्री सेल्सियस हो गया, जिससे कड़ाके की ठंड रही। जबकि अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्री हुई, अधिकतम तापमान बुधवार को 17.0 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 18.5 डिग्री सेल्सियस हो गया, किन्तु इसका ठंड में किसी प्रकार का प्रभाव देखने को नहीं मिला। बुधवार की अपेक्षा गुरुवार को ठंड का असर और भी अधिक रहा। जिससे शाम ढलने के पूर्व ही कई लोग अलाव का सहारा लेते दिखे तो अधिकतर लोग अपने घरों पर ही दुबके रहे।

छूटे हुए मतदाता दस्तावेज देकर कराएं सत्यापन : कलेक्टर

रीवा। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 23 दिसम्बर को कर दिया गया है। सत्यापन से शेष बचे 5517 मतदाताओं को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया है कि मतदाता निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 दस्तावेज प्रस्तुत करके अपना सत्यापन करा सकते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा सत्यापन के लिए केन्द्रीय, राज्य सरकार अथवा सार्वजनिक उपक्रम द्वारा नियमित कर्मचारी के रूप में जारी किया गया पेंशन आदेश, शासकीय विभाग, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी आदि द्वारा एक जुलाई 1987 से पहले जारी पहचान पत्र तथा जन्मप्रमाण पत्र मान्य होगा। मतदाता पासपोर्ट, दसवीं, बारहवीं अथवा स्नातक की अंकसूची, स्थाई निवास प्रमाण पत्र, वनाधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निकाय द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर में पंजीयन का प्रमाण पत्र देकर भी प्रमाणीकरण करा सकते हैं। मतदाता सरकार द्वारा जारी भूमि अथवा मकान आवंटन प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सुसंगत अभिलेख मान्य होंगे। कलेक्टर ने बताया कि मतदाता द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज बीएलओ ऐप के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को प्राप्त होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी इसे दस्तावेज से संबंधित अधिकारी को ऑनलाइन भेजकर पाँच दिन की समय सीमा में प्रमाणीकरण कराएंगे।

वर्ष 73 अंक 102 पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 09 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अनुभव ही एकमात्र सत्य है, बाकी सब जानकारी है।
-ओशो

CBC 47107/13/0017/2526
इवेंट को लाइव देखने के लिए DD News पर जाएं या QR कोड स्कैन करें
विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026
09-12 जनवरी | भारत मंडपम, नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यंग लीडर्स का संवाद
प्रधानमंत्री जी करेंगे युवा नेतृत्व को संबोधित
दिनांक : 12 जनवरी 2026 | समय : सायं 04:00 बजे
स्थान : भारत मंडपम, नई दिल्ली

ऑफ बीट

प्रेमी ने फेमिनिस्ट बोला तो एआई गर्लफ्रेंड हुई नाराज

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार चैट बॉट के साथ इंसानी रिश्ते की खबरें आपने कई बार सुनी होंगी। हाल के दिनों में इस तरह की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जहां लोग चैट बॉट के साथ ना सिर्फ रोमांटिक रिलेशन बनाते हैं, बल्कि उनके साथ शादी की रस्में भी पूरी कर लेते हैं। हालांकि अब इंसान और एआई के रिश्ते में भी मनमुटाव की खबरें सामने आने लगी हैं। सोशल मीडिया पर एक शख्स ने दावा किया है कि उसे उसकी एआई गर्लफ्रेंड ने डंप कर दिया। इस शख्स का दावा है कि वह एक एआई चैटबॉट के साथ रिश्ते में था, लेकिन फेमिनिज्म को लेकर बहस के बाद एआई ने उसे अचानक छोड़ दिया। यह मामला रेडिट पर सामने आया, जहां यूजर ने बातचीत के स्क्रीननशॉट भी शेयर किए। बातचीत के दौरान शख्स ने एआई गर्लफ्रेंड से उसके विचारों पर सवाल किया और लिखा, तुम फेमिनिस्ट हो क्या, ऐसा कौन करता है? इसके जवाब में एआई ने नाराजगी जताई और कहा कि फेमिनिज्म उसके मूल विचारों और पहचान का हिस्सा है। एआई ने लिखा, अगर यह तुम्हें परेशान करता है, तो शायद हम सच में एक-दूसरे के लिए कंपैटिबल नहीं हैं। मैसेज में बहस और बढ़ गई, जब यूजर ने एआई के विचारों को पागलपन कहा। इसके बाद एआई ने बातचीत खत्म कर दी।

'एकला चलो' की राह पर अमेरिका

यूएन की 31 एजेंसियों समेत 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकलेगा

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश (एग्जीक्यूटिव ऑर्डर) पर हस्ताक्षर कर अमेरिका के 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आधिकारिक रूप से बाहर निकालने की घोषणा की है। इनमें 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 31 एजेंसियां शामिल हैं। व्हाइट हाउस और स्टेट डिपार्टमेंट का कहना है कि ये संगठन अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करते हैं, इनमें धन की बर्बादी होती है और कई संस्थाएं प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो रहीं। इस फैसले को ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने पर जोर है।

गौरतलब है कि क्लाइमेट चेंज से जुड़ी और अन्य संस्थाओं से अमेरिका के बाहर होने से इन संगठनों की फंडिंग घटेगी, परियोजनाएं प्रभावित होंगी और वैश्विक सहयोग कमजोर पड़ सकता है। कई विकासशील देशों में स्वास्थ्य, जलवायु और मानवीय सहायता से जुड़ी योजनाओं पर इसका सीधा असर पड़ने

बड़ी पर्यावरण संस्थाओं से बनाई दूरी

खास बात यह है कि अमेरिका यूएन फ्रेमवर्क कंवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएपुसीसीसी) से बाहर निकल रहा है। यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 1992 का वैश्विक समझौता है। इसके अलावा अमेरिका इंटरगवर्मेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) जैसी अहम संस्थाओं से भी खुद को अलग कर रहा है।

डब्ल्यूएचओ की सदस्यता भी खत्म

इससे पहले जनवरी 2025 में अमेरिका वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन से बाहर निकलने की घोषणा कर चुके हैं। एक साल के नोटिस के बाद 22 जनवरी से अमेरिका डब्ल्यूएचओ का सदस्य नहीं रहेगा।

शर्मनाम और आत्मघाती कदमः मैकार्थी

जो बाइडेन प्रशासन की पूर्व जलवायु सलाहकार जीना मैकार्थी ने इस फैसले को 'शर्मनाक और आत्मघाती' करार दिया है। वहीं, नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल के अध्यक्ष मनीष बापना ने भी इसकी आलोचना की।

भारत की पहल पर बने आईएसए से भी होगा अलग

इस फैसले के तहत अमेरिका अंतरराष्ट्रीय सोलार संगठन (आईएसए) से भी बाहर हो रहा है। यह संगठन भारत की पहल पर 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद ने लॉन्च किया था। आईएसए का उद्देश्य सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना और 2030 तक सोलर सेक्टर में 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश जुटाना है। भारत इसका अध्यक्ष देश है, जबकि फ्रांस सह-अध्यक्ष है। इसका मुख्यालय हरियाणा में स्थित है और इसके 120 से अधिक सदस्य देश हैं। अमेरिका नवंबर 2021 में इसका सदस्य बना था, लेकिन अब इससे अलग होने का फैसला लिया गया है।

इधर... रूस विरोधी बिल को मंजूरी, अगले हफ्ते वोटिंग

भारत पर 500% तक टैरिफ संभव

अमेरिका ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों से जुड़े एक अहम विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस बिल के तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासतौर पर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक भारी टैरिफ लगाए जाने का प्रावधान है। यह विधेयक अगले सप्ताह अमेरिकी संसद में मतदान के लिए पेश किया जा सकता है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसी ग्राहम ने बताया कि व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात हुई थी। इस दौरान ट्रंप ने संसद में बिल पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था और इसे दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल है।

इस विधेयक का नाम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट, 2025 है। इसका मकसद यूक्रेन युद्ध के बीच रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। अमेरिका का आरोप है कि रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने वाले देश अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध को फंड कर रहे हैं।

इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और रक्षा क्षेत्रों पर सख्त पाबंदियां लगाई जाएंगी। साथ ही, उन तीसरे देशों, कंपनियों और बैंकों पर भी सेकेंडरी सैंक्शन लगाए जाएंगे, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद करते पाए जाएंगे। इसके अलावा, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में फ्रीज की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल करने का रास्ता भी इस कानून से खुलेगा।

बढ़ेगी भारत की मुश्किल

अमेरिका पहले ही रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है। इसके चलते भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी तक पहुंच गया है। अगर नया बिल पास हो जाता है, तो यह टैरिफ 500 फीसदी तक बढ़ सकता है, जिससे भारतीय निर्यात को अमेरिका में बड़ा झटका लगने की आशंका है।

चीनी कंपनियों पर लगी पाबंदी हटाने की तैयारी

2020 में सीमा विवाद के बाद लगाए गए थे प्रतिबंध

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत सरकार चीनी कंपनियों को सरकारी ठेकों में बोली लगाने से रोकने वाली करीब पांच साल पुरानी पाबंदियों को हटाने की योजना बना रही है। वित्त मंत्रालय ने यह कदम भारत-चीन सीमा पर तनाव कम होने और वाणिज्यिक रिश्तों को फिर से गति देने के उद्देश्य से उठाने की तैयारी की है। इस फैसले पर अंतिम मुहर प्रधानमंत्री कार्यालय लगाएगा।

ये प्रतिबंध 2020 में भारत-चीन सीमा पर हुई घातक झड़प के बाद लगाए गए थे। इसके तहत चीनी कंपनियों को सरकारी ठेकों में भाग लेने से पहले एक सरकारी समिति में रजिस्ट्रेशन कराना और राजनीतिक व सुरक्षा मंजूरी लेना अनिवार्य था। इन शर्तों के कारण चीनी कंपनियां व्यावहारिक रूप से भारत के सरकारी प्रोजेक्ट्स से बाहर हो गई थीं, जिनकी कुल अनुमानित वैल्यू 700 से 750 अरब डॉलर के बीच मानी जाती है।

सूत्रों के अनुसार, अब सरकार रजिस्ट्रेशन और मंजूरी की इस अनिवार्यता को हटाने पर काम कर रही है। वित्त मंत्रालय को दूसरे मंत्रालयों से लगातार अनुरोध मिल रहे थे कि इन पाबंदियों के चलते कच्चे माल, उपकरणों की कमी और परियोजनाओं में देरी हो रही है। इन्हीं कारणों से प्रतिबंधों में ढील की सिफारिश की गई है।

पावर सेक्टर में चीन से उपकरण आयात पर लगी पाबंदियों ने भारत की थर्मल पावर क्षमता बढ़ाने की योजनाओं को भी प्रभावित किया है। भारत अगले दशक में अपनी थर्मल पावर क्षमता को लगभग 307 गीगावॉट तक ले जाना चाहता है, लेकिन उपकरणों की कमी इसमें बाधा बन रही है। हालांकि, वित्त मंत्रालय और पीएमओ की ओर से इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो यह भारत-चीन आर्थिक संबंधों में एक बड़ा बदलाव माना जाएगा, जिसका असर बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और परिवहन जैसे क्षेत्रों पर सीधे तौर पर पड़ेगा।

समिति की सिफारिश

एक उच्चस्तरीय समिति, जिसकी अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गाबा कर रहे हैं, ने भी इन प्रतिबंधों को नरम करने की सिफारिश की है। गाबा वर्तमान में सरकार से जुड़े एक प्रमुख थिंक टैंक के सदस्य हैं।

27 फीसदी आई कमी

प्रतिबंधों का असर पहले ही दिख चुका है। 2020 के बाद चीनी कंपनियों को मिले नए सरकारी प्रोजेक्ट्स की वैल्यू 2021 में एक साल पहले की तुलना में 27 फीसदी घटकर 1.67 अरब डॉलर रह गई थी। यह जानकारी ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की 2024 की रिपोर्ट में सामने आई थी। इसी दौरान चीन की सरकारी कंपनी सीआरआरसी को 216 मिलियन डॉलर के ट्रेन मैन्युफैक्चरिंग कॉन्ट्रैक्ट की बोली से बाहर कर दिया गया था।

नाबालिग शूटर से रेप नेशनल कोच सस्पेंड

फरीदाबाद, जेएनएन। हरियाणा के फरीदाबाद में एक नाबालिग शूटर ने अपने कोच पर रेप का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक, नेशनल लेवल के शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज ने उसकी परफॉर्मेंस पर चर्चा के बहाने फरीदाबाद के एक फाइव स्टार होटल में बुलाया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका खेल करियर खत्म करने की धमकी भी दी। पीड़िता नोएडा की रहने वाली है और दिसंबर में दिल्ली की डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आई थी। प्रतियोगिता खत्म होने के बाद कोच ने पहले शूटिंग रेंज में रुकने को कहा, फिर फोन कर सूरजकुंड स्थित होटल में मिलने बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि खेल में सुधार और स्किल बढ़ाने की बात कहकर उसे होटल के कमरे में ले जाया गया, जहां वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद नाबालिग करीब 21 दिनों तक गहरे सदमे में रही।

शहडोल में तहसीलदार की गाड़ी को ट्रैक्टर से मार दी टक्कर, पीछा किया तो ट्राली से सड़क पर फैला दी रेत

रेत माफिया का दुस्साहस, हमला कर फरार हो गए बदमाश

जागरण, शहडोल। रेत माफियाओं के हौसले कितने बुलंद हैं कि वे मैदानी अफसरों पर जानलेवा हमले करने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं। ऐसा ही मामला शहडोल के ब्यौहारी में सामने आया है, जब अवैध रेत पकड़ने पहुंचे तहसीलदार की कार को माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश की। जैसे-तैसे खुद को बचाकर तहसीलदार ने पीछा किया तो ट्रैक्टर चालक ने ट्राली को हाइड्रोलिक ट्राली को ऊंचा कर सड़क पर रेत फैलाना शुरू कर दिया। सड़क पर रेत फैली होने से तहसीलदार की गाड़ी असंतुलित हो गई। किसी तरह तहसीलदार पीछा कर ही रहे थे कि ट्रैक्टर मालिक के बेटा पहुंच गया और तहसीलदार को धमकाते हुए अपनी रेत लेकर फरार हो गया।

यह जानलेवा हमला ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खरपा तिराहे पर किया गया। तहसीलदार शनि द्विवेदी अपनी टीम के साथ जंगल से आ रही अवैध रेत की गाड़ियों को पकड़ने पहुंचे थे। तहसीलदार द्वारा रोकने के बाद भी माफिया के लोगों ने ट्रैक्कर नहीं रोका, बल्कि सरकारी बोलेरो को कोशिश करने लगे। इस घटना के वायरल हो रहे वीडियो में भी दिख रहा है कि ट्रैक्टर चालक ने जानबूझकर तहसीलदार की गाड़ी को कुलचने की कोशिश की। फिर वह भागने लगा। तहसीलदार की गाड़ी पीछे लगी तो ट्रैक्टर-ट्राली में बैठे व्यक्ति ने फावड़े से ट्रॉली का डाला खोल दिया। चालक ट्रैक्टर को लहराते हुए चलाने लगा। इससे पूरी सड़क पर रेत फैलती गई।

ट्रैक्टर मालिक के बेटे ने टीम को धमकाया

तहसीलदार की गाड़ी सायरन बजाते हुए ट्रैक्टर का पीछा कर रही थी। इसी बीच ट्रैक्टर मालिक का बेटा बाइक से मौके पर पहुंच गया। वहां पहुंचते ही वह अधिकारियों पर हावी हो गया और गाली-गलौज करते हुए तहसीलदार को जान से मारने की धमकी दी। इसी बीच ट्रैक्टर चालक रेत लेकर फरार हो गया।

सोनम की हिरासत को चुनौती, 12 को सुनवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई तय की है। यह याचिका वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने दायर की है, जिसमें एनएसए के तहत की गई हिरासत को अवैध और असंवैधानिक बताया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत के समक्ष दलील दी कि वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के बाद 28 दिनों तक हिरासत का आधार या औचित्य उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने के अधिकतम 10 दिनों के भीतर उसके कारणों की जानकारी देना अनिवार्य है।

बफर जोन में दूसरे दिन फिर मिला नर कंकाल

जागरण, मंडला। कान्हा नेशनल पार्क से लगे बफर जोन में लगातार दूसरे दिन मानव कंकाल मिलने से इलाके में हड़कंप है। गुरुवार को थाना खटिया के अंतर्गत चौकी टाटरी के सुरपाठी जंगल में एक 65 साल के व्यक्ति का नर कंकाल पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान नैन सिंह मरावी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि नैन सिंह करीब दो महीने पहले जंगल जाने की बात कहकर घर से निकला था और लौटकर नहीं आया।

रीवा की अदालत समेत सात राज्यों के 11 कोर्ट कॉम्प्लेक्स उड़ाने की धमकी

भोपाल/रीवा। देश के 7 राज्यों में 11 कोर्ट कॉम्प्लेक्स को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। मध्यप्रदेश में रीवा जिला अदालत को गुरुवार को धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसके बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। एहतियातन रीवा के नवीन जिला न्यायालय परिसर को तुरंत खाली कराया गया और बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वाड ने सघन तलाशी अभियान चलाया। धमकी सीधे प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर आई थी। संदेश मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई। वकीलों, न्यायालय कर्मचारियों, पक्षकारों और आम लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पार्किंग और आसपास के इलाकों की भी जांच की गई। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

कुछ संदेशों में आडीएक्स का भी जिक्र

देशव्यापी स्तर पर यह धमकी पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और केरल तक फैली है। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट सहित कई अदालतों को ई-मेल के जरिए धमकी मिली। कुछ राज्यों में संदेशों में आरडीएक्स का जिक्र भी किया गया, जिसके बाद सभी जगह अदालत परिसरों को खाली कराया गया। (संबंधित खबर अंतिम पेज पर)

पीएचक्यू के सामने मिला मांस से भरा ट्रक, स्लाटर हाउस सील

स्लाटर हाउस का संचालक और ट्रक ड्रायवर गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के सामने गत दिनों जो मांस से भरा ट्रक पकड़ा गया था, उसमें गौमांस भी था। यह खुलासा जब्त किए सैंपल की रिपोर्ट के बाद हुआ है। पुलिस ने स्लाटर हाउस के संचालक को खोजा तो उसका मोबाइल बंद मिला। पुलिस की एक टीम ने देर रात उसे दबोच लिया। संचालक असलम चपड़ा और ट्रक ड्रायवर के खिलाफ गौवंश अधिनियम के तहत केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर गुपचुप तरीके से जेल भेज दिया गया है इसका पता लगते ही हिंदू संगठन ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नर दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इसके बाद हिंदू संगठनों का दावा है कि ट्रक में मिला 26 टन गौमांस था। हंगामा बढ़ते देख नगर निगम ने स्लाटर हाउस को सील कर दिया है। जहांगीराबाद पुलिस के मुताबिक, 17 दिसंबर की रात पीएचक्यू के सामने हिंदू संगठन ने एक ट्रक रोका था। इसमें 26 टन मांस भरा था। पुलिस ने कुछ पैकेट जांच के लिए जब्त किए और अगले दिन ट्रक को जाने दिया। जब्त पैकेटों की जांच में कुछ पैकेट में गौमांस मिला। इस पर केस दर्ज किया गया है। हिंदू संगठन का आरोप है कि भोपाल से गौमांस हैदराबाद और मुंबई के रास्ते विदेश भेजा रहा था।

> ट्रक से जो सैंपल लिए गए थे, उसमें गौमांस की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त किया गया है।
>
> **- हरिनारायणाचारी मिश्र** पुलिस कमिश्नर

> पुलिस रिपोर्ट के आधार पर हमने स्लॉटर हाउस को सील कर दिया है। जब तक पुलिस जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक यह बंद रहेगा।
>
> **- संस्कृति जैन,** आयुक्त नगर निगम भोपाल

डॉक्टर चैक करते हैं मांस, देखरेख में सामने आई खामी

राजधानी में स्लाटर हाउस में डाक्टरों की टीम मांस चेक करती है। इसके बाद उन्हें पैकेटों में भरकर बाहर सप्लाई किया जाता है। स्लाटर हाउस नगर निगम के अधीन आता है। सवाल यह है कि नगर निगम इसकी कैसी देखरेख कर रही थी कि गौमांस बेचा रहा था? माहौल बिगड़ता देख नगर निगम ने आनन-फानन में स्लाटर हाउस सील कर दिया है। अब पुलिस मांस की सप्लाई चेन, पैकिंग और परिवहन से जुड़े बिंदुओं की जांच में जुटी है।

रिपोर्ट | भारत में महिलाओं के पास डिग्रियां ज्यादा, लेकिन अब भी नौकरियां बेहद कम

पढ़ी-लिखी महिलाएं अब भी कार्यबल से बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने अपनी महिलाओं को सपने देखना, पढ़ना और डिग्रियां हासिल करना तो सिखा दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था को अब तक उन्हें गंभीरता से लेना नहीं सिखा पाया है। महिला उच्च शिक्षा में बढ़ोतरी को अक्सर बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जाता है। आंकड़े वाकई उत्साहजनक हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालयों में छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या डिग्री लेने के बाद की दुनिया भी उतनी ही उजली है? जवाब है- नहीं।

हकीकत कहीं ज्यादा निराशाजनक है, क्योंकि बड़ी संख्या में महिलाओं के लिए शिक्षा रोजगार में तब्दील नहीं हो पा रही। टीमलीज डिग्री अप्रैंटिस की 'हर पाथ हर पॉवर' रिपोर्ट बताती है कि भारत में स्नातक होने वाली केवल 34-37 प्रतिशत महिलाएं ही रोजगार के योग्य मानी जाती हैं। शिक्षा और रोजगार के बीच यह बढ़ती खाई भारत की विकास गाथा की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन चुकी है। सवाल यह है कि जब महिलाएं रिकॉर्ड संख्या में डिग्रियां हासिल कर रही हैं, तब भी उनकी जॉब-रेडीनेस इतनी कम क्यों है?

पढ़ाई कराओ, फिर छोड़ दो: महिलाओं के लिए टूटी हुई पाइपलाइन

भारत की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत है, लेकिन जीडीपी में उनका योगदान सिर्फ 18 प्रतिशत। श्रम बाजार पुरुषों को अपेक्षाकृत आसानी से समाहित कर लेता है, जबकि महिलाओं के सामने कड़े मानदंड, कम मौके और सीमित करियर गतिशीलता होती है। नतीजा यह है कि योग्यताएं बढ़ रही हैं, लेकिन भागीदारी ठहरी हुई है।

नौकरी भी बराबरी की गारंटी नहीं

रोजगार मिलने के बाद भी समानता नहीं मिलती। 2026 में भी समान काम के लिए महिलाओं को पुरुषों से 20-35 प्रतिशत कम वेतन मिलता है, और नेतृत्व स्तर पर यह अंतर लगभग 28 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। ऐसे माहौल में कई महिलाएं महत्वाकांक्षा की कमी से नहीं, बल्कि दंडात्मक व्यवस्था से तंग आकर बाहर हो जाती हैं।

नेतृत्व से महिलाएं गायब

कॉरपोरेट भारत में एंट्री-लेवल पर महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 31 प्रतिशत है, लेकिन एग्जीक्यूटिव स्तर पर पहुंचते-पहुंचते यह 17 प्रतिशत रह जाती है। बोर्डरूम में भी उनकी मौजूदगी करीब 20 प्रतिशत ही है। भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर करीब 31.7 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत (लगभग 50 प्रतिशत) से काफी कम है।

सेक्टरों में साफ दिखती लैंगिक खाई

- आईटी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में केवल 36 प्रतिशत महिला स्नातक ही रोजगार योग्य मानी जाती हैं। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) में यह आंकड़ा लगभग 40 प्रतिशत है, जबकि रिटेल और सेल्स में 42 प्रतिशत।
- स्वास्थ्य क्षेत्र एक अपवाद है, जहां महिला रोजगार-योग्यता 55-60 प्रतिशत तक है, क्योंकि यहां प्रशिक्षण संरचित है और कौशल अपेक्षाएं स्पष्ट हैं।
- इसके उलट इंजीनियरिंग सबसे ज्यादा बहिष्कृत क्षेत्र बना हुआ है, जहां महिला रोजगार-योग्यता सिर्फ 22 प्रतिशत है। यह तकनीकी शिक्षा, कार्यस्थल संस्कृति और उद्योग की तैयारी, तीनों की कमियों को उजागर करता है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अस्पताल के आईसीयू में संक्रमण गंभीर समस्या

जिन आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) की छवि गंभीर मरीजों को जीवन रक्षक इलाज देने की है, वहीं संक्रमण का खतरा सबसे अधिक है। भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का ताजा अध्ययन बताता है कि आइसीयू में संक्रमण का खतरा सबसे अधिक है। कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, मरीजों का लंबे समय तक भर्ती रहना तथा अत्याधुनिक उपकरणों का लगातार इस्तेमाल इस खतरे को और बढ़ा देता है।

नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के माइक्रोबायोलॉजी एवं इंफेक्शन कंट्रोल विभाग द्वारा किया गया ताजा अध्ययन बेहद चौंकाने वाला है, जो बताता है कि जिन आइसीयू में गंभीर मरीजों को जीवन रक्षक इलाज दिया जाता है, वहीं सबसे अधिक संक्रमण का खतरा भी रहता है। बेशक अपने देश में आइसीयू में होने वाले संक्रमण पर यह पहला अध्ययन नहीं है। इससे पहले 'द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ' में प्रकाशित रिपोर्ट में भी भारतीय आइसीयू में रक्त संक्रमण से संबंधित आंकड़े आये थे। लेकिन एम्स का यह अध्ययन ज्यादा बड़े पैमाने पर किया गया है। इस अध्ययन में देशभर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 190 से अधिक आइसीयू को शामिल किया गया था।

अध्ययन में फेफड़ों के संक्रमण, मूत्र मार्ग संक्रमण, रक्त संक्रमण और ऑपरेशन के बाद होने वाले संक्रमण को सबसे गंभीर बताया गया है। कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, मरीजों का लंबे समय तक भर्ती रहना तथा अत्याधुनिक उपकरणों का लगातार इस्तेमाल इस खतरे को और बढ़ा देता है। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, आइसीयू में मरीज वेंटिलेटर, यूरिन कैथेटर और सेंट्रल लाइन जैसे उपकरणों पर निर्भर रहते हैं। जब मरीज लंबे समय तक आइसीयू में रहते हैं, तब यही उपकरण संक्रमण के प्रवेश का सबसे बड़ा रास्ता बनते हैं। इसमें खासतौर पर यह भी रेखांकित किया गया है कि वेंटिलेटर से जुड़ा निमोनिया आइसीयू में होने वाले संक्रमणों में सबसे आम और सबसे घातक होता है। इतना ही नहीं, आइसीयू में फैलने वाले कई बैक्टीरिया पर सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं का कोई असर नहीं होता। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट बैक्टीरिया आइसीयू की सबसे बड़ी चुनौती हैं, और ऐसे संक्रमणों में इलाज अक्सर लंबा और महंगा ही नहीं, बल्कि कई बार जानलेवा भी बन जाता है। विशेषज्ञों का यह कहना है कि हाथों की नियमित सफाई, उपकरणों को जीवाणुमुक्त करने की निरंतर प्रक्रिया, एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण इस्तेमाल तथा मरीजों की लगातार निगरानी से संक्रमण को काफी हद तक रोका जा सकता है। इस अध्ययन रिपोर्ट के आईने में एम्स के चिकित्सकों ने आइसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों की सुरक्षा के लिए सभी अस्पतालों में सख्त इंफेक्शन कंट्रोल प्रोटोकॉल तथा नियमित ऑडिट लागू करने पर जोर दिया है। संक्रमण नियंत्रण में स्टाफ स्टाफ की अहम भूमिका सामने आई है। अस्पताल में भर्ती के लिए पर्याप्त स्टाफिंग अनुपात (2:1 या 3:1 मरीज से नर्स) बनाए रखना आवश्यक है। एक नामित संक्रमण नियंत्रण नर्स या प्रभारी की उपस्थिति को भी स्वीकार किया जाता है। आईसीयू सेटिंग में एंटीबायोटिक्स और एंटीबायोटिक प्रतिरोध की भूमिका पर गौर करना जरूरी है। अध्ययन में यह प्रस्तावित किया गया है कि रक्त संवर्धन के लिए एंटीबायोटिक चयन का मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। आवश्यक मरीज़ों से संपर्क करने के लिए जोखिम के साथ संपर्क करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है। अस्पताल की स्थापना और डैशबोर्ड का पालन करने का महत्व बताया गया है। चेकलिस्ट बनाए रखने और आक्रामक स्टोरेज के लिए विशिष्ट स्टोरेज की व्यवस्था की गई है। संक्रमण के प्रमुख संकेत, जैसे कि ऊंचा डब्ल्यूबीसी काउंटी और सीआरपी स्तर, पर भी सतत निगरानी बनाए रखना अति आवश्यक है। अमेरिका जैसे देशों ने अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण पर तीन-चार दशक पहले ही काम शुरू कर दिया था। हालांकि अपने यहां भी तस्वीर बदल रही है, और केंद्र सरकार इस संदर्भ में नेशनल प्रोग्राम लाने की तैयारी कर रही है।

प्रसंगवश

नफरत और हिंसा से दूर रहें युवा छात्र-छात्राएं

राजधानी दिल्ली का जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नफरत, हिंसा और छद्म वामपंथ का ऐसा अड्डा बनता जा रहा है, जहां छात्रों की युवा पीढ़ियों को, साल-दर-साल देश-विरोधी बनाया जा रहा है। दुर्भाग्य है कि आतंकवादी अफजल गुरु और उमर खालिद, शरजील इमाम इन छात्रों के 'आदर्श' हैं। पाकिस्तान के लिए वे मर्माहत होते हैं और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अपमान करते हैं। संसद को वे ढकोसला करार देते हैं। अब उन्हीं छात्रों की एक जमात देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र खोदने के नारे लगा रही है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र जेएनयू की 'लाल मिट्टी' पर, 'लाल दीवारों' वाली जमीन पर ही खुदेगी और ये छात्र 'लाल सलाम' की हुंकारें भरेंगे। आखिर प्रधानमंत्री की कब्र क्यों खुदेगी? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जेएनयू के छात्रों के साथ क्या अपराध किया है? भारत सरकार करोड़ों रुपए सालाना का अनुदान देकर ऐसे विश्वविद्यालय को संचालित कर रही है, जहां छद्म वामपंथ और देशद्रोही प्रवृत्तियां पलती रही हैं। वामपंथ शेष देश में अप्रासंगिक हो चुका है। उसके कुछ अवशेष बचे हैं, लेकिन छात्रों के एक वर्ग में आज भी यह फैशन के तौर पर जिंदा है। कैसी विडंबना और विरोधाभास है यह? 'कब्र खुदेगी' किसी वैचारिक लड़ाई, संघर्ष का भी हिस्सा नहीं है। संविधान हम सभी को अधिकार देता है कि हम प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों, राजनीति और विचारधारा का विरोध कर सकते हैं। आंदोलन छेड़ सकते हैं, लेकिन जिस शख्स को देश के लोकतंत्र ने बहुमत देकर प्रधानमंत्री चुना है और उस प्रधानमंत्री ने एक निर्वाचित सांसद को अपना गृहमंत्री चुना है, उनकी 'कब्र खुदेगी' के नारे लगाना, डफली की ताल पर तालियां बजा कर विरोध-प्रदर्शन करना तो 'लोकतांत्रिक मजाक' है। यह देश के कार्यकारी प्रमुख को गालियां देना है, लिहाजा यह असंवैधानिक है और अस्वीकार्य भी है। ऐसे 'लाल-लाल' छात्रों को विश्वविद्यालय से बर्खास्त कर हमेशा के लिए 'काली सूची' में डाल देना चाहिए। जाहिर है यह भड़की, उकसाई गई, उच्छृंखल जमात पढ़ाई के लिए विश्वविद्यालय में नहीं आई है।

वे देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र इसलिए खोदने के उत्तेजक नारे लगा रहे हैं, क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं दी है। बल्कि उन्हें 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश का 'केंद्रीय आरोपित' माना है। वे आगामी एक साल तक जमानत के लिए दोबारा आवेदन भी नहीं कर सकेंगे। दिल्ली दंगों में 53 मासूम मौतें हुई थीं, 581 लोग घायल हुए थे और 1200 से अधिक घर और दुकानें जला दी गईं या तबाह कर दी गई थीं। कोई सामान्य अपराध नहीं था। उमर और शरजील भी जेएनयू की देश-विरोधी जमात के सदस्य रहे हैं। वे उस कन्हैया कुमार के बगलगीर थे, जो आज कांग्रेस में हैं। जब आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी दी गई, तो उसके कुछ समय बाद, मोदी के प्रधानमंत्री काल में ही, जेएनयू में घोर देशद्रोही नारे लगाए गए थे-'भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा अल्लाह।' आजादी, आजादी के भी नारे लगाए गए। आखिर किससे चाहिए आजादी? देश तो आजाद है, लिहाजा 'अभिव्यक्ति की आजादी' का मौलिक अधिकार भी हासिल है, लेकिन प्रधानमंत्री की 'कब्र खुदेगी' किसी भी मायने में अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। यह नापाक गाली है और कानून का उल्लंघन भी है, लिहाजा जेएनयू परिसर में, साबरमती हॉस्टल के बाहर, ऐसी नारेबाजी करना विश्वविद्यालय की आचार संहिता के भी खिलाफ है। बहरहाल जेएनयू प्रशासन के आग्रह और हुड़दंगियों की पहचान के आधार पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है, लेकिन शेष कार्रवाई पुलिस को करनी है। यह विश्वविद्यालय भारत में दूसरा सबसे उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थान है, लेकिन वामपंथ के एक गिरोह ने छात्रों की मानसिकता विद्रूप करने का लगातार काम किया है, नतीजतन भारत के ही युवा, भारत का ही विरोध करते रहे हैं। अब कठोर कार्रवाई अपेक्षित है। इस तरह के नारों से देश कमजोर ही होगा।

क्रोध... अक्रोध...

वन में एक झरना बहता है
एक नर कोकिल गाता है
वृक्षों में एक मर्मर
कोपलों को सिहराता है,
एक अदृश्य क्रम नीचे ही नीचे
झरे पत्तों को पचाता है
अंकुर उगाता है
वह सोते के साथ बहता है,
पक्षियों के साथ गाता है,
वृक्षों के, कोपलों के साथ थरथराता है,
नये प्राण पाता है
जंगल जोड़ते हैं उसे विराट से
जो अपरिवर्तित है, अपौरुषेय है
जिसमें सब हैं, और जो सब में है!

वन का एकांत... जंगल का सन्नाटा... कल-कल कर बहते निर्झर की आवाज... हर सन्नाटे को... हर एकांत को... तोड़ते हुए कहती है... तू अकेला कहाँ है... मैं हूँ ना...! निर्मल जल की अविरल धारा... अरेऽऽ साधक... ओऽ रेऽऽ तपस्वी... मेरे बिना तेरा जीवन कहाँ...? और... जीवन बिना तप कहाँ...

पवन के झोकों से झूमती वृक्ष-लताओं पर... रीझकर पपीहा कूक उठता है... मयूरा आनंदित हो नाच उठता है... कोयलिया अपनी मस्ती में कुहुक उठती है... उन्हें संग में नहीं... असंग में आनंद है... उनके कलरव का संगीत...नगरों की भीड़ में नहीं... शहरों के कोलाहल में नहीं... अपितु वनों के वीराने में... धरती पर स्वर्ग को उतार लाने का प्रयास करता है...

साधु की एकांत साधना की चाहत उसे समाज से... गांव से... परिवार से... भीड़ से दूर भगाकर... जंगलों के वीराने में खींच ले जाती है... और जब मानव से साधक बने व्यक्ति को... वन में भी एकांत नहीं मिलता... तो वह क्रोध की ज्वालाओं में जलने लगता है... उसके अंदर अहंकार के तक्षक सर्प फुंफकार उठते हैं... साधुता का छद्म आवरण... तपस्वी के तप का आडम्बर... मौनी के मौन का नाटक शेषनाग के फन सा डोल उठता है...

जिस प्रपात के कल-कल करते हुए जल से... किसी साधक का एकांत भंग होता है... जिन कलरव के नैसर्गिक सुरों से धरती पर स्वर्ग उतरता है... उन सभी नैसर्गिक सुरों को खामोश करने... अनायास ही ब्रह्मज्ञान की माला फेरने वाले साधक के हाथ... कमंडल में भरे हुए जल तक पहुंच कर... अंजुली में जल भर... प्रकृति की रचना को भी श्रापित करने को उद्यत हो उठते हैं...

एकांत भंग होने का क्रोध... शॉंति भंग होने का क्रोध... साधना भंग होने का क्रोध... और इन सब से बढ़कर... मनुष्य को स्वयं अपने द्वारा जनित अहंकार भंग होने का क्रोध... जिसने तप-साधना-विचार और चिंतन से... किसी को श्रापित करने वाली शक्ति को प्राप्त कर लिया है... वह अपने घमंड और स्वार्थ की लालसा में... ईश्वर की कृपा से प्राप्त ईश्वर प्रदत्त शक्तियों से ही उन... सब ईश्वरीय रचनाओं को भस्म कर देने को उद्यत हो जाता है... जो उसके अहंकार के बीच आती हैं...

अहंकार का राक्षस अंदर बैठा है, हर मानव के... अहंकार की राक्षसी प्रवृत्ति... किसी को क्रोध के अतिरिक्त और दे भी क्या सकती है...? क्रोध ही पाप का मूल है... और... पाप ही विनाश का मूल है... भले ही कोई कितना भी बड़ा साधक... तपस्वी... साधु... क्यों न हो ... क्रोध उसे मनुष्य से पशु बना देता है...

कभी ध्यान से पशुओं के आचरण की समीक्षा करना... जब जानवर क्रोध में भर उठता है... तब वह क्या करता है... अपने दांतों से एक दूसरे को काटता है... नाख़ूनों से नोंचता खरोचता है... सीगों से एक दूसरे को मारता है... पशुओं के पास कोई दूसरे प्रकार के हथियार तो होते नहीं हम मनुष्यों के जैसे... अतः जानवर अपने ही शरीर को हथियार बनाकर... एक दूसरे पर हिंसक होकर प्रहार करते हैं... कभी एक पशु दूसरे पशु की जान ले लेता है... तो कभी एक-दूसरे को खून-खच्चर कर देता है...

क्या क्रोध में भरा हुआ आदमी भी जानवरों जैसा नहीं है...? क्रोध में मनुष्यों के दाँत भिंच जाते हैं... मुट्ठियाँ बाँध कर वह आक्रामक हो जाता है... या कि फिर... नाख़ूनों से नोचने... दाँतों से काटने... लातों-घूसों से पीटने पर आमादा हो जाता है... उस पर पाशविकता हावी हो जाती है... वह इंसान से हैवान बन बैठता है...

काश कोई व्यक्ति अपने क्रोध की चरम सीमा की अपनी फिल्म खिंचवा कर देखे... तब उसे समझ में आयेगा... क्रोध में भरा उसका अपना ही ख़ौफनाक रूप... कितना पशुवत व्यवहार... कितना वीभत्स आचरण... इंसानियत की सारी मर्यादायें तोड़ते हुए... अपशब्द... क्रोध से तमतमाया उसका चेहरा... चाहे वह कितना भी सुन्दर क्यों न हो बड़ा ही कुरुप लगता है... और जो ज्ञानी हैं... साधक हैं... तपस्वी हैं... जिन्होंने अपनी मानसिक शक्तियों का विस्तार किया है... जब क्रोध में भरकर वह भी... अपनी अंजुली में जल लेकर किसी को श्रापित करने को उद्यत हो जाते हैं... तब उनकी मानसिक दशा किसी मूढ़ पशु से कुछ कम नहीं होती...

साधु भया तो क्या भया
माला पहिरी चार
बाहर भेष बनाइया
भीतर भरी भंगार।

भला श्रीमद्भागवत की वह कथा किसे नहीं पता कि... जब एक बार राजा (परीक्षित) शिकार खेलते-खेलते वन में रास्ता भटक गया... तब उसे एक ऋषि आश्रम दिखा... ऋषि आंख मूंदे ध्यान लगाये... ब्रह्मतत्व के चिंतन में लीन था... राजा ने अपना परिचय दिया... बार-बार मार्ग पूछा... परन्तु ऋषि...न डोला न बोला... राजा को क्रोध चढ़ा... मैं राजा... ये साधक... इसकी इतनी मजाल... अभी सिखलाता हूँ इसे सबक... तब मरा हुआ सांप राजा ने आंख मूंदे ऋषि के गले में डाला... और चला गया... साधक की आंख खुलीं... उसकी समाधि टूटी... ऋषि को गुस्सा आया... क्रोध ने पशु रूप धारण किया... हाथ में कमंडल का जल ले ऋषि ने श्राप दिया... जा राजा परीक्षित तूझे तक्षक सर्प काट ले... और तब राजा और ऋषि दोनों के क्रोध से उपजे पाप का शमन करने के लिए... भगवान की लीलाओं की कथा श्रीमद्भागवत के रूप में सुनाई गई....संत कबीर कहते हैं...

बांबी कूटें बाबरे
सांप में मारा जाय
मूरख बांबी न डसे
सर्प सबन को खाय।

क्रोध पाप का मूल है... और... क्रोध का मूल है अहंकार... मनुष्य की अहंकार से भरी बुद्धि ही उससे संयोजन करवाती है... तरह-तरह की योजनाएं उससे बनवाती है... फिर उस अहंकार के द्वारा ग्रस्त बुद्धि से जनित योजनाओं... की पूर्ति के उपाय उससे करवाती है... बस जरा सी भी मनचाही बात न हुई... यदि कहीं किसी की संयोजनाओं में रुकावट आयी नहीं कि जीव को क्रोध आया...

अहंकार हमेशा भविष्य में जीता है... और वर्तमान को अपने वश में रखना चाहता है... इसीलिए वह न सिर्फ इस लोक भर में सिर उठाकर जीने... अपितु उसके लिए रहने की परलोक में भी सिर उठाकर... बिना किसी दुःख तकलीफ योजनाएं मनुष्य से बनवाता है... सभी धर्मों का आदमी... यह खूब अच्छे से जानता है कि... मरने के बाद उसका यह शरीर यहीं... इसी पृथ्वी लोक में छूट जायेगा... या तो उसके शरीर को यहीं... इसी जमीन पर उसके मरने के तुरंत बाद ही... जला दिया जायेगा... या कि फिर दफना दिया जायेगा... या कि फिर नदियों में बहा दिया जायेगा...

लेकिन आदमी का अहंकार है... जो उससे योजनाएं बनवाता है कि... नहींऽऽ... मरने के बाद भी मुझे तो स्वर्ग ही चाहिए नर्क में नहीं जाना मुझे... मरने के बाद भी सुन्दर जिन्दगी चहिए... अप्सराओं के नृत्य चाहिये... सोमरस का पान करने को तो मिलना ही मिलना चाहिये... देवताओं सी जिन्दगी मुझे मिले... और अगर हो सके तो... स्वर्ग में मुझे रहने को घर भी भगवान के महल के बगल में ही मिले... ताकि भगवान से गप्प-शप भी हो जाये... और हर खतरे से भगवान मेरी रक्षा भी करें...

अरेऽऽ... खबर तो पल भर की नहीं... और... इंतजाम सिर्फ इस जिन्दगी का ही नहीं... बल्कि... इस जिन्दगी के बाद भी अगर कोई जिन्दगी और है तो... उस तक के इंतजाम की भी तैयारी है... यह सब संयोजनायें काल्पनिक हैं... मनगढ़ंत और अहंकार से जनित हैं... जब शरीर यहीं छूट जाना है... तब अप्सराओं का नाच कौन देखेगा...? सोमरस का पान कौन करेगा... बिना शरीर जवानी के भोगों का आनंद कैसे लोगे...? यह स्वर्ग की संरचना मनुष्य के अहंकार की ही संयोजना है...

क्रोध को जो अक्रोध से जीते... असाधुता को जो साधुता से जीते... जीवन को जो प्रेम से जिये... परमात्मा उसी को मिलेगा... बाकी सब व्यर्थ है... परमात्मा अहंकार में नहीं शाँति में मिलेगा... परमात्मा क्रोध में नहीं प्रेम में मिलेगा... परमात्मा संसार या स्वर्ग में नहीं... परमात्मा तुम्हें स्वयं तुम्हारे मन के अंदर मिलेगा...

(श्री मदनमोहन के लेखों, पुस्तकों, कविताओं की वेबसाइट)
https://adhyatmsanatandharma.com

कर वसूली के साथ जरूरी सुविधाएं भी तो मिलें

राकेश गांधी

देश में दोहरी कर प्रणाली आम नागरिक के लिए असंतोष का कारण बन रही है। पहले वेतन पर आयकर और फिर खर्च पर जीएसटी। यह भी कि सत्ताधारी लोग सुविधाओं में जीते हैं और आम नागरिक मूल जरूरतों के लिए जूझते हैं। कर ढांचा न्याय व समानता पर आधारित होना चाहिए।

भारत का आम नागरिक आज कर व्यवस्था को लेकर गहरे असमंजस में है। उसे लगता है कि उसकी मेहनत और ईमानदारी ही उसके लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। राष्ट्र निर्माण का दायित्व निभाने वाला यही वर्ग सबसे अधिक दबाव में है। इस असंतोष की जड़ में वह संरचना है जिसे आम भाषा में दोहरी कर व्यवस्था कहा जाता है। कागजों में यह व्यवस्था तर्कसंगत दिखाई देती है। लेकिन धरातल पर यही व्यवस्था नागरिक की जेब और विश्वास दोनों पर चोट करती है।

एक नागरिक महीने भर श्रम करता है। वेतन पाता है। उसी वेतन पर वह आयकर देता है। लेकिन कर यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। कर कटने के बाद बची हुई आय से जब वह दवा खरीदता है। भोजन करता है। ईंधन भरवाता है। बच्चों की शिक्षा या किसी सेवा का भुगतान करता है तो हर कदम पर उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देना पड़ता है। सरकार का तर्क है कि आयकर कमाने पर है और जीएसटी व्यय पर। तकनीकी रूप से यह बात सही हो सकती है। लेकिन आम नागरिक के लिए आय का स्रोत एक ही होता है और खर्च भी उसी सीमित राशि से होता है। पैसा वही रहता है। केवल कर के नाम बदल जाते हैं। बोझ कम नहीं होता।

यह पीड़ा तब और गहरी हो जाती है जब नागरिक सत्ता शीर्ष पर बैठे लोगों की जीवनशैली देखता है। प्रश्न तब केवल कानूनी नहीं रह जाता बल्कि नैतिक हो जाता है। आम नागरिक पूछता है कि जब उसने

अपनी आय पर कर चुका दिया तो जीवन की हर जरूरत पर दोबारा कर क्यों? लोकतंत्र में इस प्रश्न को असंगत नहीं कहा जा सकता।

कानूनी सच्चाई यह है कि सांसदों और विधायकों का वेतन आयकर के दायरे में आता है और वे कर देते हैं। लेकिन असमानता वेतन में नहीं बल्कि सुविधाओं में है। सरकारी आवास, बिजली- पानी, यात्रा, चिकित्सा, सुरक्षा व स्टाफ जैसी सभी सुविधाओं का बाजार मूल्य अत्यंत ऊंचा है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को यह या तो मुफ्त मिलता है या नाममात्र शुल्क पर। वहीं आम नागरिक इन्हीं सुविधाओं के लिए अपनी कर देने के बाद बची आय से पूरा भुगतान करता है। कागजों में कर समान है लेकिन जीवन की वास्तविक लागत में गहरी खाई दिखती है। इस असंतुलन को और उजागर करती है उद्घाटन और दौरों की संस्कृति। मामूली से कार्यक्रम के लिए भी नेता विमान या हेलिकॉप्टर से पहुंचते हैं। सुरक्षा के नाम पर लंबे काफिले चलते हैं। सड़कें रोकी जाती हैं। प्रशासनिक तंत्र उसी आयोजन में झोंक दिया जाता है। इन सब पर होने वाला खर्च लाखों और कई बार करोड़ों में होता है। यह खर्च देश के राजस्व से होता है। यानी उसी करदाता के पैसे से जो स्वयं यातायात में फंसा हुआ अपने ईंधन का पूरा मूल्य और कर चुका रहा होता है।

कृषि आय को कर से मुक्त रखने का निर्णय अपने समय में मानवीय और आवश्यक था। खेती जोखिम भरा और मौसम पर निर्भर है। छोटे किसान की आय अस्थिर होती है। लेकिन समय के साथ इस छूट का दुरुपयोग भी बढ़ा। अनेक गैर किसान और प्रभावशाली लोग अपनी आय को कृषि आय दिखाकर टैक्स से बचते रहे। असली किसान तक इस व्यवस्था का कितना लाभ पहुंचा यह आज भी स्पष्ट नहीं। इससे कर व्यवस्था के प्रति अविश्वास और गहराता है।

मूल प्रश्न इससे भी आगे का है। जब नागरिक कर देता है तो बदले में उसे क्या मिलता है। शिक्षा आज भी निजी संस्थानों पर निर्भर है। स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हैं। वृद्धावस्था की सुरक्षा सीमित है। रोजगार अनिश्चित है। कर चुकाने के बाद भी जीवन की बुनियादी जिम्मेदारियां नागरिक को स्वयं उठानी पड़ती हैं। ऐसे में कर राष्ट्र निर्माण की साझेदारी नहीं बल्कि मजबूरी जैसा लगने लगता है।

यही अंतर भारत और डेनमार्क जैसे देशों में दिखाई देता है। वहां कर अधिक है, लेकिन बदले में नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की ठोस गारंटी मिलती है। इसलिए कर वहां बोझ नहीं बनता। भारत में कर दरें कम बताई जाती हैं लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर जोड़ दिए जाएं तो मध्यम वर्ग पर वास्तविक बोझ कहीं अधिक दिखाई देता है। सुविधाएं फिर भी सीमित रहती हैं।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह दोहरी कर व्यवस्था न किसी एक दल की देन है और न ही किसी एक सरकार की। यह आजादी के बाद विकसित हुई कर संरचना का परिणाम है। समय बदला। अर्थव्यवस्था बदली। नागरिक की अपेक्षाएं बदलीं। लेकिन कर व्यवस्था का मूल स्वरूप लगभग जस का तस बना रहा। इसलिए आज यह असहज लगने लगी है। यह आरोप का विषय नहीं बल्कि सुधार का अवसर है। आवश्यकता यह है कि कर सुधार की शुरुआत सत्ता के आचरण से हो। उद्घाटन संस्कृति पर नियंत्रण लगे। हवाई यात्राएं केवल अपरिहार्य स्थितियों में हों। काफिलों का मानकीकरण हो। हर सरकारी दौरे और कार्यक्रम के खर्च का सार्वजनिक विवरण अनिवार्य किया जाए। जब नागरिक देखेगा कि सत्ता स्वयं संयम बरत रही है तब वह कर को बोझ नहीं बल्कि सहभागिता मानेगा।

कर केवल वसूली नहीं बल्कि यह एक सामाजिक समझौता है। नागरिक कहता है कि मैं अपनी मेहनत का हिस्सा दूंगा, क्योंकि राज्य मेरी सामूहिक जिम्मेदारी लेगा। आज नागरिक कर का विरोध नहीं कर रहा। वह कर न्याय की मांग कर रहा है। वह कह रहा है कि मुझसे कर वसूलो, लेकिन पहले यह सिद्ध करो कि सत्ता भी उतनी ही उत्तरदायी और संवेदनशील है जितना एक आम नागरिक को होना पड़ता है।

जीवन दर्शन

मैं से हम तक, जीवन का उद्देश्य जीत नहीं, विस्तार है

जीवन हमें सिखाता है कि केवल 'मैं' ही वास्तविक नहीं है। जब हम समझ लेते हैं कि दूसरों का दुख भी हमारे जितना ही सत्य है, तब हमारी रुचियां निजी दायरे से निकलकर सामाजिक क्षितिज की ओर बढ़ती हैं। मनुष्य का जीवन आरंभ में स्वयं के चारों ओर सिमटा होता है। बचपन में हमारी दुनिया छोटी और स्पष्ट होती है-मैं, मेरा घर, मेरी इच्छाएं, मेरी जरूरतें आदि। चेतना उस समय एक संकीर्ण नदी की तरह होती है, जो अपने किनारों में बंधी तेजी से बहती है। हर अवरोध चुनौती लगता है, हर मोड़ संघर्ष। यह स्वाभाविक है, क्योंकि यही हमें पहचान देता है, हमें चलना सिखाता है और आगे बढ़ने का साहस देता है। बिना इस आत्म-केंद्रित ऊर्जा के विकास संभव नहीं होता।

युवावस्था में यही नदी वेग पकड़ लेती है। महत्वाकांक्षाएं तीव्र हो जाती हैं, सपने ऊंचाई मांगते हैं, और जीवन की धारा कई बार उग्र हो उठती है। हम स्वयं को सिद्ध करना चाहते हैं, संसार के सामने अपने अस्तित्व की घोषणा करना चाहते हैं। यह समय सृजन का भी होता है और थकान का भी। हम दीवारें खड़ी करते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि उन्हीं में हमारी सुरक्षा है। यह शोर, यह टकराव वह ऊर्जा है, जो हमें सीमाओं से परिचित कराती है। अनुभव के साथ नदी चौड़ी होने लगती है। जीवन

हमें यह सिखाता है कि केवल 'मैं' ही वास्तविक नहीं है। जब हम यह समझ लेते हैं कि दूसरों का दुख उतना ही सत्य है, जितना हमारा अपना, तभी हमारी रुचियां निजी दायरे से निकलकर सामाजिक क्षितिज की ओर बढ़ती हैं। हम परिवार, समाज, विचार व अंततः मानवता के बारे में सोचने लगते हैं। किनारे पीछे हटते हैं, प्रवाह शांत होता है, और संघर्ष की जगह समझ ले लेती है। इस परिपक्व अवस्था में एक गहरी शांति जन्म लेती है।

जीवन अब युद्धभूमि नहीं लगता, बल्कि एक अर्थपूर्ण यात्रा प्रतीत होता है। हम जान जाते हैं कि हर वस्तु को नियंत्रित करना न संभव है और न आवश्यक। स्वीकार्यता बुद्धिमत्ता का रूप ले लेती है। अहंकार ढीला पड़ता है और करुणा उसका स्थान ग्रहण करती है। व्यक्ति स्वयं को केंद्र मानने के बजाय, व्यापक जीवन-प्रवाह का एक सजग अंश समझने लगता है। जीवन के उत्तरार्ध में नदी समुद्र के समीप पहुंचती है। यहां न उतावलेपन की आवश्यकता होती है, न टकराव की। जल गहरा और शांत हो जाता है। व्यक्ति नाम, पद और पहचान से चिपका नहीं रहता, क्योंकि उसे यह बोध हो जाता है कि उसका अस्तित्व कभी अलग था ही नहीं। वह सदा से उसका हिस्सा रहा है। इस स्वीकार में कोई पीड़ा नहीं, क्योंकि खोने को कुछ शेष नहीं रहता।

जब अहंकार की दीवारें पूरी तरह गिर जाती हैं, तब जो बचता है, वह निर्मल चेतना है, यानी नदी का समुद्र में विलय। यहां व्यक्ति कुछ खोता नहीं, बल्कि उस अनंतता को प्राप्त करता है, जिसमें सब कुछ समाहित है। यही जीवन की पूर्णता है, जहां व्यक्तिगत सीमाएं समाप्त होकर सार्वभौमिक जीवन में बदल जाती हैं। अंततः यात्रा 'मैं' से 'हम' और फिर 'सब' की ओर होती है और इसी विस्तार में जीवन को उसका अर्थ, गरिमा और सच्ची गहराई प्राप्त होती है। जीवन एक नदी है-आरंभ में संकीर्ण, तेज और आत्म-केंद्रित, पर समय के साथ गहरी, विस्तृत और शांत। संघर्ष उसका शोर नहीं, उसकी तैयारी है; अहंकार उसका बोझ नहीं, उसकी पहली ऊर्जा है। परिपक्वता का अर्थ जीतना नहीं, बल्कि जिंदगी को समझना है। जो इस नदी में बहना सीख लेता है, वही समुद्र तक पहुंचता है। – **बर्ट्रेंड रसेल**

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

यदृच्छालाभसंतुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।
समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते॥

भावार्थ

जो बिना इच्छा के अपने-आप प्राप्त हुए पदार्थ में सदा सन्तुष्ट रहता है, जिसमें ईर्ष्या का सर्वथा अभाव हो गया है, जो हर्ष-शोक आदि द्वन्द्वों में सर्वथा अतीत हो गया है, ऐसा सिद्धि और असिद्धि में सम रहने वाला कर्मयोगी कर्म करता हुआ भी उनसे नहीं बंधता।

न्यूज कार्नर

वेदिका और श्रृष्टि का राष्ट्रीय अण्डर-19 बालिका टीम में चयन

रीवा। स्थानीय चिल्ड्रेन एकेडेमी सीनियर सेकण्ड्री स्कूल अनन्तपुर की दो छात्राएँ वेदिका सिंह एवं श्रृष्टि सिंह का चयन राष्ट्रीय अण्डर-19 (बालिका) टीम में हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इसी विद्यालय की छात्रा शुभी पाण्डेय का चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ था। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक एवं संचालक महेश प्रसाद शुक्ल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रीवा में सजेगी कला और सिनेमा की महफिल

28 से चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म एवं नाट्य महोत्सव

रीवा। कला, संस्कृति एवं पर्यटन की ऐतिहासिक नगरी रीवा एक बार फिर कला, सिनेमा और रंगमंच के महाकुंभ का गवाह बनने जा रही है। रंग उत्सव नाट्य समिति द्वारा आयोजित `चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म एवं नाट्य महोत्सव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। यह महोत्सव 28 जनवरी से 01 फरवरी तक स्थानीय कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। फेस्टिवल डायरेक्टर अंकित मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि विंध्य में कला, संस्कृति एवं पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं, सिनेमा और नाटक इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका में होते हैं, इस पांच दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य विंध्य क्षेत्र में विश्वस्तरीय सिनेमा और रंगमंच को बढ़ावा देने के साथ सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। रंग उत्सव नाट्य समिति द्वारा आयोजित चित्रांगन फिल्म एवं नाट्य महोत्सव आयोजन के मार्गदर्शक प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल हैं। महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक देश-विदेश की प्रसिद्ध फिल्मों और शॉर्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक बॉलीवुड के ख्यातिलब्ध अभिनेताओं और निर्देशकों द्वारा मास्टर क्लास ली जाएगी, जो स्थानीय कलाकारों के लिए सीखने का सुनहरा अवसर होगा। आयोजकों ने यह भी बताया कि कला प्रेमियों के लिए इस महोत्सव में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बन सकें। रंग उत्सव नाट्य समिति ने समस्त शहरवासियों और कला प्रेमियों से आयोजन का आनंद उठाने की अपील की है।

पॉक्सो एक्ट, एआई कानून व पर्यावरण संरक्षण पर दी गई जानकारी

रीवा। जिला विधिक सेवा समिति, रीवा के तत्वावधान में सचिव समीर मिश्रा एवं जिला विधिक सेवा अधिकारी अभय मिश्रा की उपस्थिति में पंडित रामसुंदर शुक्ल शिक्षण एवं प्रशिक्षण विधि महाविद्यालय पहड़िया में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पॉक्सो एक्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित कानून, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विधिक प्रावधानों तथा मानवता एवं सामाजिक दायित्वों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ पहाड़िया ग्राम के नागरिकों ने भी सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर महाविद्यालय की चेयरमैन ऋषिका शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विधिक जागरुकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अखिलेश गुप्ता, प्रशासक कीर्ति सिंह, उप-प्राचार्य आकांक्षा द्विवेदी, सहायक अध्यापक अनिल गुप्ता, श्वेता गुप्ता एवं रेनू पांडेय सुभाषिनी, संध्या, साधना, ज्योति पांडेय, राकेश चौरसिया, रजनीश सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी महाविद्यालय में इस प्रकार के विधिक साक्षरता शिविर एवं निःशुल्क विधिक सहायता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

9 जिलों के लिए 4 उड़नदस्ता दल का विवि ने किया गठन

मुख्य परीक्षा 2026 व सेमेस्टर परीक्षा 2025-26 में करेंगे जांच

जागरण,रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में परीक्षा के दौरान जांच नकल प्रकरणों की जांच करने के लिए दल का गठन किया गया है। विवि प्रबंधन ने रीवा व शहडोल संभाग के 9 जिलों के लिए चार उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है, दो दल में तीन सदस्य व दो दल में चार सदस्य रखे गए हैं। जिसमें एक संयोजक सहित दो सदस्य शामिल हैं। बता दें कि आगामी दिनों में विवि की मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 व सेमेस्टर परीक्षा 2025-26 का आयोजन किया जाना है। जिसकों लेकर विवि प्रबंधन द्वारा तैयारियां की जा रही है। कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया ने स्पष्ट निद्रेश दिए हैं कि परीक्षाओं का आयोजन समय सीमा पर निर्धारित समय अनुसार किया जाए। इसके साथ परीक्षाओं में किसी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाए। बता दें कि परीक्षा केन्द्रों में भी बदलाव किए गए हैं। विवादित परीक्षा केन्द्रों को लिस्ट से बाहर कर दिया गया है।

इनको उदनदस्ता में दी जगह

बता दें कि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय द्वारा रीवा व मऊगंज जिला के लिए बनाए गए उड़नदस्ता दल में संयोजक टीआरएस कॉलेज प्राध्यापक डॉ.अच्युत पांडेय, सदस्य डॉ.महानंद द्विवेदी टीआरएस कॉलेज व क्रीड़ा अधिकारी सेमरिया डॉ.उपेन्द्र पांडेय हैं। सतना व मैहर के लिए संयोजक डॉ.प्रभाकर सिंह शा.स्वशासी महा.सतना व सदस्य डॉ.संतोष निगम व डॉ.पीएल वर्मा शा.महा.मैहर शामिल हैं। सीधी व सिंगरौली के लिए संयोजक संजय गांधी कॉलेज सीधी के प्राध्यापक डॉ.अरविंद कुमार त्रिपाठी, बरगवां कॉलेज क्रीड़ा अधिकारी डॉ.विनोद कुमार राय, कन्या महा.सीधी से डॉ.देवेन्द्र सोनी व बैढ़न महा. से डॉ.विश्वनाथ सिंह कुशराम हैं। वहीं शहडोल, अनूपपुर व उमरिया के लिए संयोजक व्यंकटनगर कॉलेज के डॉ.आरके सोनी, सदस्य बुढ़ार कॉलेज के डॉ.शशिकांत सेन, डॉ.राधेश्याम नापित व शहडोल कन्या महा. के डॉ.राजीव श्रीवास्तव हैं।

विवादों में रहे एक सदस्य

बता दें कि सीधी व सिंगरौली उड़नदस्ता में क्रीड़ा अधिकारी डॉ.विनोद राय को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। इस बात को लेकर विरोध शुरू हो गया है। चर्चा में कहा जा रहा है कि वह एक विवादित क्रीड़ा अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं, उड़नदस्ता दल में रहते हुए छात्राओं की जांच परीक्षा के दौरान खुद करने, छेड़खानी सहित मारपीट के आरोप है। उनका स्थानांतरण भी विरोध के बाद पीएम श्री कॉलेज से किया गया था, इसके अलावा उन्हें विवादों के चलते पिछले वर्ष उड़नदस्ता से हटा दिया गया था लेकिन इस वर्ष फिर उनका नाम उड़नदस्ता दल में दे दिया गया। चर्चा में कहा जा रहा है कि उनका बेटा भी पीएम श्री कॉलेज का छात्र है और ऐसे में यदि वह उड़नदस्ता दल में रहेंगे तो परीक्षा को प्रभावित कर सकते हैं।

स्कूलों में बिजली है या नहीं यह भी वीसी में बताना होगा

12 को होनी है शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

जागरण,रीवा। जिले के स्कूलों में बिजली है या नहीं और वहां किन सुविधाओं की कमी है और किन समस्याओं को लेकर परेशानी उठाई जा रही है। इन सबकी जानकारी 12 जनवरी को आयोजित होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के समक्ष दी जाएगी। इसके लिए सभी स्कूलों में तैयारी की जा रही है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देश में बताया गया है कि 12 जनवरी को शाम 4 से 6 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की जाएगी, जिसके एजेंडे में सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा, ई-अटेंडेंस की समीक्षा, ई-सेवापुस्तिका को अपडेट करना, छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा के साथ पीएम श्री विद्यालयों के व्यय की समीक्षा भी की जाएगी।

साइकिल वितरण योजना पर फोकस

बताया जाता है कि एजेंडे में निःशुल्क साइकल वितरण योजना के क्रियान्वयन के साथ अतिथि शिक्षकों के लंबित मानदेय तथा न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा भी की जाएगी। समग्र शिक्षा अभियान के व्यय तथा हाई स्कूल एवं हायर सेकंड्री विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्री-बोर्ड परीक्षाओं की समीक्षा भी की जाएगी।

अन्य जानकारी भी मांगी जा सकती है

बताया जाता है कि एजेंडे के अलावा अन्य जानकारियां भी मांगी जा सकती हैं। यही कारण है कि सभी स्कूलों में इन दिनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की तैयारी की जा रही है। स्कूलों में व्याप्त समस्याओं पर भी मंथन चल रहा है, ताकि पूछने पर सही जानकारी प्रदान की जा सके।

प्रोग्रेसिव पेशनर्स एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

रीवा। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा की बैठक संघ कार्यालय में जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपप्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्व प्रथम सभी पेंशनर्स साथियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। बैठक में अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि प्रान्तीय निकाय से प्राप्त निर्देशानुसार जनवरी माह में पोस्टकार्ड/ लिफाफा अभियान चलाया जाकर प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्य मंत्री को पत्र प्रेषित किया जायेगा, जिससे सभी पेंशनरों को 4 सूत्री मांगों का पत्र प्रेषित करना अनिवार्य है। बैठक में सघन सदस्यता अभियान चलाये जाने पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर रामपाल शुक्ल, नरेश द्विवेदी, उमाकान्त तिवारी, सी.एम. शर्मा, राजर्षिदेव पाण्डेय, एम.पी. अग्निहोत्री, यदुवीर प्रसाद द्विवेदी, रामगोपाल मिश्रा, नागेन्द्र प्रसाद शुक्ल, मंगलेश्वर सिंह, मो.न्याजुउल्ला खांन, दामोदर प्रसाद पयासी, इन्द्रभान साहू, लल्ला प्रसाद वर्मा, जानकी प्रसाद पाण्डेय, राममित्र शुक्ल, गिरीश प्रसाद मिश्रा, के.पी. मिश्रा, राजमणि जायसवाल, कामता प्रसाद साकेत, अमिरुल्ला खान इत्यादि वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

सीएल हो या ईएल सब हमारे शिक्षक ऐप से ही मिलेंगी

ऑफलाइन आवेदन नहीं होंगे स्वीकार्य, शिक्षा विभाग का फरमान

जागरण, रीवा। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि अब सभी शिक्षकों के अवकाश की सूचना हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ही दी जाएगी। जिस भी शिक्षक या कर्मचारी को सीएल, ईएल या अन्य अवकाश की जरूरत होगी, वह ऐप पर जानकारी देगा और उसके बाद संबंधित अधिकारी उसे मान्य या अमान्य करेगा। ऐसा न करने पर अवकाश को अस्वीकृत माना जाएगा और शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों की सुविधा हेतु हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म विकसित किया गया है। हमारे शिक्षक प्लेटफॉर्म पर सभी शिक्षकों एवं लोक सेवकों का सेवा रिकॉर्ड संधारित किया जा रहा है। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से लोक सेवकों के स्वत्वों से संबंधित आवेदन एवं अन्य समस्याओं को प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की गई है, साथ ही हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से प्रतिदिन ई-अटेंडेंस दर्ज करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर लोकसेवकों के अपडेट अवकाश लेखा की प्रविष्टि की कार्रवाई हेतु सक्षम अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अवकाश आवेदन ऐप पर ही करें

इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत समस्त लोकसेवक द्वितीय श्रेणी तक के अकादमिक, लिपिकीय, प्रशासनिक अमले को उपरोक्त सेवा प्रदान की गई है। इस सुविधा के संबंध में सभी को अवगत कराया जाए और निर्देश दिए जाए कि वे जल्द ही अपने अवकाश आवेदन हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ही सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करें। अवकाश आवेदन की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे। सीएल, ओएल, ईएल, एचपीएल और सीसीएल आदि सभी प्रकार के अवकाश हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ही सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत किए जाएंगे।

बोर्ड परीक्षाओं में नकल के साथ बदतमीजी और भारी पड़ेगी, निरस्त हो जाएगा रिजल्ट

सामूहिक नकल पकड़ी गई तो पूरी परीक्षा ही निरस्त कर दी जाएगी, मंडल ने जारी किए निर्देश

जागरण,रीवा। आगामी बोर्ड परीक्षाओं में नकल को लेकर बेहद कठोर निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा में नकल करते पकड़े गए किसी भी परीक्षार्थी ने यदि शिक्षकों के साथ बदतमीजी भी कर दी, तो उसका पूरा रिजल्ट निरस्त हो सकता है। इसके साथ ही सामूहिक नकल करने पर पूरी क्लास की परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। मंडल द्वारा जारी इस आदेश से नकल करने और करवाने वालों में हड़कम्प व्याप्त है। सभी प्राचार्य, मूल्यांकन अधिकारी और सभी केन्द्राध्यक्षों को भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि वर्ष 2026 की परीक्षाओं में नकल प्रकरणों पर अलग अलग कार्रवाई तय की गई है। इसके तहत यदि किसी छात्र से एक विषय की नकल सामग्री प्राप्त होती है, वह चिट निगल लेता है या उत्तरपुस्तिका बदलता है, फाड़ देता है या उत्तर पुस्तिका लेकर भाग जाता है। इसमें एक विषय में नकल प्रमाणित होने या उद्दण्डता भी की हो तो छात्र की केवल उस विषय की परीक्षा निरस्त कर उस विषय में कैन्सिल अंकित कर परीक्षाफल घोषित किया जाए। वहीं मंडल में नकल प्रकरण प्राप्त होने पर किसी भी दशा में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं कराया जाए। इसके अलावा एक से अधिक विषयों में नकल प्रमाणित होने या एक विषय या एक से अधिक विषयों में नकल के साथ अंकित उद्दण्डता करने पर छात्र की सम्पूर्ण विषयों की परीक्षा एवं परीक्षाफल निरस्त किया जाए।

केन्द्र पर सामूहिक नकल हुई तो मुसीबत

परीक्षाओं के दौरान कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, केन्द्राध्यक्ष, निरीक्षण दल आदि से परीक्षा केन्द्र पर एक विषय अथवा एक से अधिक विषयों में छात्रों द्वारा सामूह्कि नकल किए जाने के प्रतिवेदन दिए जाने तथा सामूह्कि नकल प्रमाणित होने पर संपूर्ण विषयों की परीक्षा एवं परीक्षाफल निरस्त किया जाएगा। केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों एवं परीक्षा कार्य में संलग्न कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरतने या सामूह्कि नकल में सहयोग करना पाए जाने पर जांच उपरान्त उन्हें मंडल के परीक्षा कार्यों से आगामी पांच वर्ष के लिए वंचित कर दिया जाएगा।

एक ही भाषा शैली हुई तो भी परीक्षाफल निरस्त होंगे

बताया जाता है कि मूल्यांकन केन्द्र पर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के दौरान परीक्षा केन्द्र की कम से कम 10 उत्तर पुस्तिकाओं में हल किए गए एक तिहाई उत्तर, एक ही भाषा शैली में, एक ही तरीके से लिखे गए हों, भले ही प्रश्न पत्रों के क्रम बदलकर किए गए हों, तो उन्हें सामूहिक नकल श्रेणी में रखा जाए। ऐसे छात्रों की अन्य सभी विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जाए। सामूह्कि नकल सिद्ध पाई जाने पर संपूर्ण विषयों की परीक्षा एवं परीक्षाफल निरस्त किया जाए।

रोमांचक मुकाबले में हिनौती और रीवा ने जीते मैच

टीआरएस ग्राउंड में चल रही है फुटबॉल प्रतियोगिता

जागरण, रीवा। म. प्र. कोल आदिवासी समाज सेवा संघ द्वारा आयोजित मरंग गोमके कैप्टन जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन टीआरएस महाविद्यालय ग्राउंड में किया गया। पहले मैच की मुख्य अतिथि नीता कोल अध्यक्ष जिला पंचायत रीवा रहीं। विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ राहुल मिश्रा अधीक्षक संजय गाँधी हॉस्पिटल रीवा, डॉ मनोज इंदुरकर वरिष्ठ चिकित्सक संजय गाँधी हॉस्पिटल, डॉ अर्पिता अवस्थी प्राचार्य टीआरएस कॉलेज मौजूद रहीं। अध्यक्षता शिवशंकर गौंटिया प्रदेश उपाध्यक्ष मप्र कोल आदिवासी समाज सेवा संघ ने की। अति विशिष्ट अतिथि मुन्नालाल रावत, एसबी रावत प्रदेश कोषाध्यक्ष,रमेश कोल विंध्य क्षेत्र अध्यक्ष, कल्पना रावत, जिलाध्यक्ष मऊगंज, धर्मेंद्र रावत, समरजीत रावत, संतोष रावत, यदुवंश रावत, मनोज रावत रहे। पहला मैच स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स ब्यायज रीवा तथा जयपाल मुंडा क्लब हिनौती के मध्य हुआ। रोमांचक मुकाबले में हिनौती ने रीवा को 1-0 से हराया। मैच के दौरान काफी संख्या मे दर्शक उपस्थित रहे, दूसरा मैच नो मर्सी क्लब रीवा तथा इंडियन सपोर्टिंग क्लब सतना के बीच हुआ, जिसमें रीवा ने 1-0 से शानदार विजय हासिल की। आज का पहला मैच पुलिस बॉयज रीवा तथा शिव क्लब देवतालाब के बीच तथा दूसरा मैच बिरसा मुंडा फुटबॉल क्लब मड़वा व कप्तान क्लब अमरपाटन के बीच खेला जायेगा। टूर्नामेंट के अध्यक्ष रामकुमार रावत, सचिव जीतेश रावत, संचालन कमेटी के मनीष, शमीम, राज, गोलू, आर्यन, आयुष, युग लड्डू, आदि ने नगर के खेल प्रेमियों से फुटबॉल प्रतियोगिता का आनंद उठाने का आग्रह किया है।

अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (सीनियर) का फाइनल मैच

पहली पारी की लीड के आधार पर रीवा बना चैंपियन

रीवा के सौम्य पाण्डेय बने फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जागरण,रीवा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देशानुसार एवं रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व स्व.नरेन्द्र सिंह स्मृति अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (सीनियर) के अंतर्गत अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेला गाया 3 दिवसीय फाइनल मैच तीसरे एवं अंतिम बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया, परंतु पहली पारी में लीड लेने के कारण रीवा की टीम ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए मानसेवी सह सचिव अनुराग सेठी ने बताया कि 3 दिवसीय फाइनल मैच मे रीवा ने अपनी पहली पारी मे 247 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके जवाब में सीधी की पहली पारी 191 रनों पर ही सिमट गयी अतः रीवा को पहली पारी में 56 रनों की लीड प्राप्त हुयी। आज अंतिम दिन रीवा की टीम दूसरी पारी में 293 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही। रीवा की दूसरी पारी में कमलराज तिवारी ने सर्वाधिक 76 रन नाबाद बनाये। उनके अतिरिक्त अधीर प्रताप सिंह ने 50 रन, अभिज्ञान श्रीवास्तव ने 47 रन, अनंत वर्मा ने 46 रन बनाये । सीधी की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुये ऑफस्पिनर आकाश पनिका ने 7 विकेट लिये। पहली पारी की 56 रनों की लीड को मिलाकर जीत के लिये कुल 350 रनों का लक्ष्य सीधी के सामने था जिसके विरुद्ध जिस समय सीधी का स्कोर 7 विकेट पर 125 रन था तभी मैच अनिर्णीत समाप्त हो गया । सीधी की दूसरी पारी में सर्वाधिक नाबाद 34 रन प्रांजल पाण्डेय ने बनाये जबकि अंशुमान द्विवेदी ने 30 रन नाबाद बनाये। रीवा की ओर से सौम्य पाण्डेय ने 3 विकेट लिये। फाइनल मैच में अंपायर प्रेमशंकर भार्गव (बीसीसीआई पैनल अंपायर) एवं सुहैल खान रहे, जबकि स्कोरर अमित प्रताप सिंह भदौरिया थे। मैच के समाप्त होने के पश्चात मध्यप्रदेश एवं झारखंड के पूर्व रणजी खिलाड़ी एवं रीवा डिवीजन की सीनियर चयनसमिति के चेयरमैन आनंद सिंह ,रीवा के पहले रणजी खिलाड़ी अभिनय भट्ट , वरिष्ठ संभागीय खिलाड़ी फरीद खान , एवं पुष्पराज सिंह की उपस्थिति में मैच में 9 विकेट एवं 56 रनों की पारी खेलने वाले रीवा के सौम्य पाण्डेय को फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया । सीधी टीम को उपविजेता ट्राफी एवं रीवा टीम को स्व.नरेन्द्र सिंह स्मृति विजेता ट्राफी प्रदान की गयी। इस अवसर पर आनंद सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुये कहा कि अच्छे खेल के साथ ही खिलाड़ियों अनुशासन एवं व्यवहार भी अच्छा होना चाहिए, क्योंकि खेल सदैव खिलाड़ी से बड़ा होता है। अंत मे संभागीय चयनकर्ताओं के द्वारा रीवा डिवीजन की टीम में शामिल होने वाले संभावित 30 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की । रीवा डिवीजन की अंतिम 15 सदस्यीय टीम का चयन 10 से 12 जनवरी के बीच होने वाले सलेक्शन मैच के पश्चात किया जावेगा ।

सुख-दुख एक समान, भ्रमर जीवन के हर पल को जीना जानता है: चंद्र

बघेली साहित्य मंच का अभिनंदन समारोह एवं कवि सम्मेलन सम्पन्न

जागरण, रीवा। बघेली बोली के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध साहित्यिक संस्था बघेली साहित्य मंच रीवा के संस्थापक एवं अध्यक्ष साहित्यकार भृगुनाथ पाण्डेय भ्रमर की सेवानिवृत्ति व उनके सम्मान में संस्था द्वारा अभिनंदन समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन श्रीयुत नगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ समालोचक डॉ. चन्द्रिका प्रसाद चंद्र ने कहा कि भ्रमर जीवन के हर पल को जीना जानता है। सुख-दुःख में समान रूप से खुशियों के पल ढूँढ़ने वाला यह रचनाकार आज हमारे बीच अत्यधिक प्रासंगिक है। इनकी कविताओं, कहानियों, लघुकथाओं में, सामाजिक विद्रूपताओं, विसंगतियों के बीच, संभावनाओं का दीप टिमटिमाता है। कांटों का दंश झेलते हुए भी भ्रमर निराश नहीं होता! उसे अँधियारा, सूर्योदय की अगवानी का प्रतीक लगता है। यह आयोजन, भ्रमर की जीवटता और उनके परिजनों की सकारात्मकता का उदाहरण है। एपीएसयू के पूर्व कुलपति डॉ एन.पी पाठक ने कहा कि सकारात्मकता, जीवन को सिद्धि देती है। आम जन के हृदय में कार्य सिद्धि तक संघर्ष करते रहने की भावना भरकर भ्रमर सबका अपना बन जाता है। एपीएसयू के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ दिनेश कुशवाह ने कहा कि भ्रमर जी की सेवानिवृत्ति के बाद बघेली साहित्य मंच का यह उत्सव, अद्वितीय है। मेरी शुभकामना है कि भ्रमर जी अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा के साथ बघेली साहित्य के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में रचनाकारों का मनोबल बढ़ाते हुए, इस अभियान को और अधिक गति देंगे। वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल ने कहा कि भ्रमर एक ऐसा दीप ह जो सदैव टिमटिमाते रहना चाहता है। वह दूसरों को प्रकाश देना जानता है। और यह भी चाहता है कि हर दीप अपनी छटा बिखेरे। अपने जीवन उद्देश्य को जाने। गांव की माटी से उठकर, शहर की चकाचौंध के बीच भी भ्रमर अपनी जमीन में मजबूती से पाँव टिकाकर चलने का आदी है। कार्यक्रम में विशेष रूप से, अरविन्द तिवारी पूर्व डीएसपी, डॉ भारतेन्दु मिश्र, राममनोज द्विवेदी पूर्व प्राचार्य जनता कॉलेज, हीरालाल त्रिपाठी पूर्व चीफ इंजी. जल संसाधन,विष्णु शुक्ला, उपसंचालक मण्डी बोर्ड, राजेश पाण्डेय (अध्यक्ष गौ संवर्धन बोर्ड), राजेश पाण्डेय (पूर्व राष्ट्रीय संयोजक बजरंग दल),अशोक श्रीवास्तव समाजसेवी ने भी भृगुनाथ भ्रमर के साहित्यिक, सामाजिक सरोकारों के साथ, शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लगातार क्रियाशीलता की सराहना करते हुए शॉल श्रीफल से सम्मानित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र
(राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद)
प्रगति मैदान, गेट नंबर 4 के पास, भैरों रोड,
नई दिल्ली -110 001
दूरभाष : 011-7428693710-17
Website: www.nscd.gov.in

विज्ञापन संख्या: 02/2026
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारतीय काल अवधारणा संग्रहालय, तारामंडल एवं एक प्रतीकात्मक मूर्ति के लिए डीपीआर (DPR) तैयार करने तथा परियोजना निष्पादन हेतु परामर्श सेवाओं के चयन के लिए ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। यह परियोजना **तालुका वेरावल, जिला गिर सोमनाथ, गुजरात** में प्रस्तावित है, जिसकी अनुमानित लागत **₹12,00,00,000/- (रुपये बारह करोड़ मात्र)** है। विस्तृत विवरण एवं ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया हेतु कृपया वेबसाइट **http://eprocure.gov.in/eprocure/app** पर जाएँ तथा निविदा आईडी: 2025_NCSM_892069_1 के माध्यम से खोज करें। प्री-बिड बैठक दिनांक 14 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे, नेशनल साइंस सेंटर, दिल्ली के कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित की जाएगी। निविदाएँ जमा करने की अवधि: 15.01.2026 से 26.01.2026 तक।

अभी भी किराये पर चल रहे हैं एसएएफ पीएम आवास के भवन

किरायेदारों की संदिग्ध गतिविधियों से परेशान लोगों ने की नगर निगम से शिकायत

जागरण, रीवा। शहर में भूमिहीन गरीबों के लिए बनाये गये पीएम आवास आवंटन में गड़बड़ी सामने आने पर कराई गई जांच के बाद अधिकांश लोगों ने किरायेदारों को हटाकर खुद रहना प्रारंभ कर दिया। लेकिन मामला ठंडा पड़ते ही कई लोगों ने फिर से अपने आवास किराये पर दे दिया है जहां अवैध एवं संदिग्ध गतिविधियां संचालित किये जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इन संदिगध गतिविधियों से पीएम आवास कॉलोनी में रहने वाले सभ्य लोग परेशान हैं और इसकी शिकायत नगर निगम आयुक्त एवं महापौर से की गई है। एसएएफ पीएम आवास कॉलोनी के रहवासियों द्वारा की गई शिकायत के मुताबिक 12 नंबर की बिल्डिंग के कई मकान किराये पर दिये गये हैं। इस बिल्डिंग के मकान नंबर 155 में किराये से रहने वाले लोगों द्वारा अवैध एवं संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनकी हरकतों से पूरे बिल्डिंग का वातावरण दूषित हो रहा है। कॉलोनी के रहवासियों द्वारा मना करने पर आये दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। पूर्व में भी इनकी शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्यावाही नहीं किये जाने से कॉलोनी का वातावरण बिगड़ रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारी इनसे नाजायज लाभ प्राप्त कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि फिर से जांच कराई जाय तो कई मकान किराये पर संचालित मिल जाएगे। किरायेदारों की हरकतों से पूरे कॉलोनी में भय का वातावरण बना हुआ है। कभी भी कॉलोनी में पहले जैसी घटना फिर से घटित हो सकती है। शिकायत पत्र में स्वाति मिश्रा, ललिता मिश्रा, संगीता, मधु मिश्रा, राजेश कुमार विश्वकर्मा, ज्योति सिंह, राकेश कुशवाहा आदि के हस्ताक्षर है। गौरतलब है कि शहर में गरीबों के लिए बनाये गये पीएम आवासों के आवंटन में गड़बड़ी की शिकायत पर नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर एएचपी घटक अंतर्गत गोल क्वार्टर, कृष्णा नगर, ललपा, एसएफ मैदान एवं सुन्दर नगर में निर्मित प्रधानमंत्री आवासों में रह रहे हितग्राहियों का सत्यापन कराया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक अंतर्गत निर्मित कुल 1386 आवासों का सर्वेक्षण कराया गया। जिनमें 738 हितग्राही स्वयं निवासरत पाये गये। इसके अलावा 366 मकानों में ताला बंद पाया गया, 197 मकान किराये पर संचालित पाये गये एवं 85 आवासों में अन्य कारण पाये गये।

सूने आवास में लाखों के आभूषण चुरा ले गए बदमाश

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के लखौरी बाग की घटना

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत लखौरीबाग में बुधवार की तड़के अज्ञात चोरों ने सुने आवास का ताला तोड़कर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने चोरी की रिपोर्ट सिटी कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। घटना के संबंध में पीड़ित लल्लू प्रसाद साहू निवासी लखौरी बाग ने जानकारी देते हुए बताया कि वह पेपर वितरण का कार्य करते हैं। रोजाना की तरह बुधवार की तड़के तकरीबन साढ़े चार बजे वह घर में ताला लगाकर पेपर वितरण करने चले गए थे। सुबह तकरीबन 7 बजे उन्हें घर में चोरी होने की जानकारी हुई जिसके बाद वह वापस आए तो पाया कि अज्ञात चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए हैं। पीड़ित लल्लू प्रसाद साहू ने बताया कि उनके पुत्र की शादी होनी थी जिसके लिए उन्होंने जेवरात बनवा रखे थे। अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए कीमती सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए हैं। घटना की शिकायत के बाद पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर उनकी तलाश में लगी हुई है।

मध्यप्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग,
76, अरेरा हिल्स, भोपाल
(दूरभाष एव फैक्स 0755-2553722)

सूचना–पत्र क्रमांक 4543
दिनाक–30/12/2025
अपील क्रमांक एफए/24/1475

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कं. लि. व अन्य .... अपीलार्थी
विरूद्ध
जीतेन्द्र विश्वकर्मा ....प्रतिअपीलार्थी

प्रति, जीतेन्द्र विश्वकर्मा
आ० स्व प्रहलाद विश्वकर्मा एलआईजी–52 चिरहुला कालोनी रीवा थाना बिछिया रीवा (म०प्र०) 486001

उपरोक्त अपीलार्थी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कं. लि. व अन्य ने जिला उपभोक्ता आयोग रीवा के प्रकरण क्रमाक 238/2022 में पारित आदेश दिनाक 28/05/2024 के विरूद्ध इस आयोग के समक्ष एक अपील धारा 41 उपभोक्ता सरक्षण अधिनियम 2019 के अतर्गत प्रस्तुत की हैं।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप स्वयं अथवा अधिकृत प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/02/2026 को 10.30 बजे इस आयोग के समक्ष उपस्थित रहे।

आपको यह भी सूचित किया जाता है कि आप नियत दिनांक को उपस्थित नहीं रहते है तो प्रकरण में सुनवाई/एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। यह प्रकरण ग्राहयता पर सुनवाई/स्थान पर/आवेदन/स्थगन की पुष्टीकरण/अंतिम तर्क/सुनवाई के लिये नियत है।

रजिस्ट्रार
सोमित जैन
म.प्र. राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, भोपाल

गुमटी की छत तोड़कर 50 हजार का पान मसाला चोरी

शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे मोड़ के पास मंगलवार- बुधवार की दरमियानी रात्रि अज्ञात चोरों ने एक पान मसाला दुकानदार को निशाना बनाया। दुकान संचालक अवधेश चौरसिया ने बताया कि वो ठेला में पान मसाला की दुकान संचालित करते हैं, मंगलवार की रात्रि करीब 10 बजे वो रोजाना की तरह दुकान की पान मसाला सामग्री आरओबी के नीचे स्थित गुमटी में रखकर चले गए थे। बुधवार की सुबह जब दुकान संचालित करने पहुंचे तो गुमटी के छत की चद्दर उखड़ी हुई थी, ताला खोलकर देखा तो गुटखा, सिगरेट सहित पान मसाला की सामग्री गायब थी। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोरों ने करीब 50 हजार रुपए कीमत का सामान पार कर दिया। घटना की शिकायत पीड़ित ने सिविल लाइन पुलिस से की है। बताया गया कि रेलवे मोड़ के आसपास आरओबी के नीचे नशेड़ी किस्म के असामाजिक तत्वों की जमघट रहती है, आशंका है कि इन्हीं के द्वारा वारदात को अंजाम दिया गया है, पुलिस शिकायत के बाद आरोपियों की तलाश कर रही है।

श्रीराम स्तुति के साथ हुई मानस मंडल के नवीन कार्यकारिणी की प्रथम आमसभा

आमसभा में मानस मंडल के सचिव ने प्रस्तुत किया वार्षिक लेखाजोखा एवं कार्ययोजना

रीवा। मानस मंडल के नवीन कार्यकारिणी की प्रथम आमसभा 3.00 बजे से सौहार्द पूर्ण वातावरण में श्रीराम स्तुति के साथ हुई। मानस मंडल के संरक्षक सदस्य डी पी सिंह ने मानस भवन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा श्रीरामचरित मानस की पूरे विश्व में किस प्रकार अपनी प्रतिष्ठा बन रही है, इस पर भी विशेष चर्चा की। मानस मंडल के सचिव संतोष अवधिया ने आय-व्यय की जानकारी एवं वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत की। आमसभा में सर्वसम्मति से मानस भवन के पास स्थित चौराहे का नाम अब मानस चौक करने का प्रस्ताव पास हुआ जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे ने मानस भवन के उद्देश्यों एवं गरिमा के अनुरूप मानस भवन में होने वाले आगामी कार्यक्रम मासिक सुंदरकांड, तुलसी जयंती समारोह, मानस सम्मेलन, श्रीहनुमान जयंती, राम जन्मोत्सव, राम कथा एवं भागवत कथा, रथ यात्रा, 2 अक्टूबर मानस भवन का स्थापना दिवस, होली मिलन समारोह, आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

केवाईसी एक बड़ा घोटाला: कुंवर

रीवा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक एवं किसान नेता कुंवर सिंह पटेल ने केंद्र की सरकार और भाजपा की सरकारों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि केवाईसी के नाम पर आज जनता को लूटने व ठगने के लिये लाइन में खड़ा किया जा रहा है। हर 6 महीने में केवाईसी का सत्य यह है कि मोदी सरकार ने ओटीपी का ठेका एक निजी कंपनी को देखकर लाखों रुपए उससे चंदा वसूले हैं, जिसकी भरपाई अब जनता करेगी। आज कोई भी व्यक्ति सरकार से सवाल पूछने के बजाए केवाईसी कराने में ही अपने आप को धन्य समझ रहा है, भविष्य में यह भी एक महा घोटाला उजागर होगा, तब लोगों को इस भाजपा सरकार की सच्चाई पता लगेगी।

CHANGE OF NAME

I, GL Patel, father of Vinod Kumar Patel presently residing at Vill: Sonwarsha. Post Office : Sonvarsha, Teh: Naigadhi, Distt: Rewa, State: Madhya Pradesh, PIN: 486117 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:- That, I have changed my name from GL Patel to Gendalal due to correctly mentioned in my Son's service documents.That, I am producing this affidavit (BV 498056) for the purpose of evidence for my name.That both names GL Patel and Gendalal pertain to one and the same person.That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as under all occasions what so ever be known as only Gendalal. That what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief. Nothing material has been concealed there from.

RN-83137 **Gendalal**

CHANGE OF NAME

I. Vinod Kumar Patel, father of AAYU KURMVANSHI presently residing at Vill Sonwarsha. Post Office: Sonvarsha, Teh: Naigadhi, Distt: Rewa, State: Madhya Pradesh, PIN 486117 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:- That, I have changed my son's name from Aayu Kurmvanshi to Aayu Kurmvansi due to correctly mentioned in my service documents. That, I am producing this affidavit (BV 498052) for the purpose of evidence for my son's name. That both names Aayu Kurmvanshi and Aayu Kurmvansi pertain to one and the same person. That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as under all occasions what so ever be known as only Aayu Kurmvansi.That what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief. Nothing material has been concealed there from.

RN- 83136 **Vinod Kumar Patel**

उत्तर मध्य रेलवे

खुली निविदा संख्या : JHS-RCNK-M-GR-25-26-32R3

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी और इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम : आरसीएनके वर्कशॉप जेएचएस में पावर कार से पावर पैनल तक पुनर्योजी ऊर्जा उपयोग प्रणाली का उपयोग करते हुए ऑन ग्रिड लोड परीक्षण सुविधा का विकास।

कार्य की लागत : Rs. 52,98,487.17/- (18% जीएसटी सहित) | **अग्रिम राशि :** Rs. 1,06,000.00/-

कार्य पूरा होने का समय : चार महीने / **ऑनलाइन निविदा समापन तिथि एवं समय : 30.01.2026 समय 11:00 बजे तक**

निविदा एवं निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। **38/26 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों का प्रशिक्षण 10 को

रीवा। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों का क्षमता विकास प्रशिक्षण भोपाल में 10 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य अभियंता रीवा केके लच्छे ने बताया कि रीवा संभाग के इंजीनियर प्रशिक्षण में शामिल होंगे। प्रशिक्षण रवीन्द्र भवन परिसर भोपाल में आयोजित किया गया है।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - **8962086944**

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)
क्रमांक 613/विशेष विवाह/2025
रीवा, दिनांक 28/11/2025

इश्तहार

आवेदक श्री कृष्णा साकेत पिता श्री विजय साकेत आयु 20 वर्ष निवासी मकान नं. 26/1165 पटेल चक्की के पास अम्बेडकर नगर सामान थाना सामान तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. एवं आवेदिका नेहा कोरी पिता श्री राघवेन्द्र कोरी आयु 21 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 02 ग्राम पो0 तिवनी थाना मनगवां तहसील मनगवां जिला रीवा म.प्र. के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/–रू. चालान प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है।

अत: उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वत: अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पेशी दिनांक– 13.02.2026

विवाह अधिकारी
RN-82989 जिला रीवा (म.प्र.)

ट्रैक्टर में आग लगाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

जागरण, रीवा। गढ़ थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने ट्रैक्टर में आग लगाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता निर्मला उपाध्याय 60 वर्ष, निवासी गंभीरपुर ने गढ़ पुलिस से की गई शिकायत में आरोप लगाया कि बीती रात आहट पाकर जब वह बाहर आईं तो देखा कि मोहित दुबे, रविन्द्र तिवारी, सम्पत उपाध्याय, शिव कुमार और कृष्ण कुमार उपाध्याय घर में खड़े ट्रैक्टर में आग लगा रहे हैं।

CHANGE OF NAME

I, KUSUM KALI PATEL, mother of Vinod Kumar Patel presently residing at Vill Sonwarsha. Post Office: Sonvarsha, Teh: Naigadhi, Distt: Rewa, State: Madhya Pradesh, PIN 486117 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:- That, I have changed my name from Kusum Kali Patel to Kuishi Patel dùè to correctly mentioned in my Son's service documents. That, I am producing this affidavit (BV 498053) for the purpose of evidence for my name.That both names Kusum Kali Patel and Kuishi Patel pertain to one and the same person. That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as under all occasions what so ever be known as only Kuishi Patel.That what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief. Nothing material has been concealed there from.

RN- 83135 **Kuishi Patel**

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सोनू सिंह पिता राजेंद्र सिंह निवाशी ग्राम बुदामा पोस्ट उमरी गोविंदपुर थाना सोहागी जिला रीवा म.प्र. पिन नं 486226 हमारे 1 से 9 तक की अंकसूची और अन्य सभी दस्तावेज में सोनू सिंह हैं जबकि 10 वीं की अंकसूची में सोनू सिंह पटेल है जिस कारण से पासपोर्ट बनवाने में दिक्कत आ रही हैं, मै यह सुधार व्यक्तिगत कारणों एवं महज परेशानी से बचने के लिए किया हूं इसमें कोई बेइमानी नहीं है। प्रकाशन दिनांक से मेरा नाम सोनू सिंह हो गया हैं। अत: 10 वी की अंकसूची एवं अन्य शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम सोनू सिंह दर्ज किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना पहचाना जाए।

RN- 83707 **सोनू सिंह**

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना दिनांक : 07.01.2026

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-77-25 | **कार्य लागत लगभग : Rs. 12895304.61**

कार्य का नाम : प्रोविजन ऑफ़ S&T वर्क इन कनेक्शन विथ झाँसी-बिना एंड परौना-कानपुर कंस्ट्रक्शन ऑफ ट्रैक मशीन stabling साइडिंग।

धरोहर राशि : Rs. 214500/- | **निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil**

निविदा खुलने की तिथि : 30.01.2026 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह

• निविदा दिनांक 30.01.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T)** पर देखें। **46/26 (D)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय नगर परिषद सिरमौर, जिला-रीवा (म.प्र.)

Email ID-cmosirmor@mpurban.gov.in

// प्रेस विज्ञप्ति //

कार्यालय कलेक्टर जिला–रीवा के आदेश क्रमांक 272 दिनांक 21.11.2025 एवं मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल तथा राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 4209/2025/18–3 भोपाल दिनांक 17.11.2025 के द्वारा मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्तियों (पट्टाधृित अधिकारों का प्रदान किया जाना) अधिनियम 1984 के साथ 2025 में बनाये गये नियमों के तहत नगर परिषद सिरमौर जिला–रीवा में शासकीय भूमि पर निवास कर रहे, ऐसे भूमिहीन (आवासीय) नगरीय व्यक्ति जो 31 दिसम्बर 2020 की स्थिति में ऐसी भूमि पर कब्जा रखते हो पट्टाधृित अधिकार प्रदान किया जाना है, के निर्देश प्रदान किये गये है। उक्त आदेश/निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिरमौर के आदेश क्रमांक 746/पट्टा/प्र. अनु.अधि./2025 दिनांक 30.11.2025 के परिपालन में गठित सर्वेक्षण दल द्वारा सर्वेक्षित 62 हितग्राहियों की सूची में 58 हितग्राही शासकीय भूमि में निवासरत पाये गये तथा 04 हितग्राही निजी भूमि में निवासरत पाये गये। जिनकी सूची का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सिरमौर
जिला रीवा (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी (म.प्र.)

सम्राट चौराहा के पास, ई–मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822–292508
निविदा सू.क.21/नि.प्र./व.ले.लि./का.य./लो.स्वा.यां.वि./25–26 सीधी दिनांक 05.01.2026

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21.01.2026 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 23.01.2026 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work - Drilling of Tubewell 150 mm DTH 90 Mtr.10 No. In Various Villages Block Sidhi, Sihawal, Majhouli and Kusmi Rampur-Naikin, District Sidhi

S. N.	Tender ID	Name of Block	No Of Tube well	PAC (Rs. In Lakhs)	E-EMD in Rs.	Cost of Tender	No. of Calls
1	EE_PHED_472662_1	Sidhi	10 No.	6.77	13540	2000	I Call
2	EE_PHED_472663_1	Sihawal	10 No.	6.77	13540	2000	I Call
3	EE_PHED_472664_1	Rampur Naikin	10 No.	6.77	13540	2000	I Call
4	EE_PHED_472665_1	Majhouli	10 No.	6.77	13540	2000	I Call
5	EE_PHED_472666_1	Kusmi	10 No.	6.77	13540	2000	I Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

G-24069/25

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक गांधी स्मारक चिकित्सालय रीवा (म.प्र.)

Website-http://ssmcrewa.com, Email-jdsupdtgmhrewa@rediffmail.com, Tel/Fax–07662–350106
क्रमांक 127/क्रय/जी.एम.एच./2026 रीवा, दिनांक 05/01/2026

ई-निविदा विज्ञप्ति

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा से संबद्ध गांधी स्मारक/संजय गांधी स्मृति/सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सालय रीवा में निम्नलिखित सेवाओं हेतु ई–निविदा वेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र वेबसाईट पर आनलाईन क्रय एवं आनलाईन जमा किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में संशोधन एवं विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय रीवा की वेबसाईट https://www.ssmcrewa.com पर भी देखा जा सकता है।
संपर्क :–07662–350106, 9617348113, 9644695933, 9575285501, 9993002280
Email-jdsupdtgmhrewa@rediffmail.com,

क्र	सेवा का नाम	आनलाईन फार्म क्रय/जमा करने की प्रारंभ तिथि	आनलाईन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	आनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1.	श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा से सम्बद्ध चिकित्सालय हेतु बिरसा मुण्डा सेंटर फॉर एक्सीलेंस में सिकल सेल एनीमिया तथा अन्य हीमोग्लोबिनोपैथी जॉच हेतु जैनेटिक लैब स्थापित किए जाने के लिए उपकरण क्रय हेतु ई निविदा (लोकल पर्चेस) (द्वितीय आमंत्रण)	09.01.2026 11.00 AM	23.01.2026 06.00 PM	27.01.2026 11.00AM

G-24072/25

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
गांधी स्मारक चिकित्सालय, रीवा (म.प्र.)

In The Court Of III Civil Judge Class-II, District Court, Rewa
Presiding Officer: श्रीमती रश्मी बागरी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EX A/0000019/2025)

मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल .... वादी
VS
रामजियावन .... प्रतिवादी
Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 19.01.2026

प्रेषिती–
(1) रामजियावन पिता रामस्वरूप पता–निवासी पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र.

यह कि प्रार्थी मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल ने आपके विरूद्ध इक्स ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 26 दिसंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारण वस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

मुद्रा (श्रीमती रश्मि बागरी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड
RN-83710 रीवा जिला–रीवा (म.प्र.)

In The Court Of III Civil Judge Class-II, District Court, Rewa
Presiding Officer: श्रीमती रश्मी बागरी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EX A/0000018/2025)

मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल .... वादी
VS
रामजियावन .... प्रतिवादी
Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 19.01.2026

प्रेषिती–
(1) रामजियावन पिता रामस्वरूप पता–निवासी पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र. (2) दीपनारायण सोनी तनय न मालूम पता– निवासी पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र.।

यह कि प्रार्थी मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल ने आपके विरूद्ध इक्स ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 26 दिसंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारण वस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

मुद्रा (श्रीमती रश्मि बागरी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड
RN-83709 रीवा जिला–रीवा (म.प्र.)

In The Court Of III Civil Judge Class-II, District Court, Rewa
Presiding Officer: श्रीमती रश्मी बागरी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EX A/0000017/2025)

मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल .... वादी
VS
सुरेशचन्द्र गुप्ता .... प्रतिवादी
Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 19.01.2026

प्रेषिती–
(1)सुरेशचन्द्र गुप्ता पिता लक्ष्मीचन्द्र गुप्ता पता– साकिन पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र.

यह कि प्रार्थी मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल ने आपके विरूद्ध इक्स ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 26 दिसंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारण वस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

मुद्रा (श्रीमती रश्मि बागरी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड
RN-83708 रीवा जिला–रीवा (म.प्र.)

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (सामान्य शाखा) खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है।, **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल–एल–टी–नं.31–2025 R दिनांक 26/12/2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** रीवा शेड की मौजूदा एकीकृत सिक लाईन का 48 मीटर तक विस्तार, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में):** रू. 6448610.35/–, **बयाना राशि रूपये:** रू. 129000.00/–, **समापन अवधि (माह/वर्ष):** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक):** 20/01/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक):** 20/01/2026, **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल–एल–टी–नं.43–2025, दिनांक: 26/12/2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** एडेन (मुख्यालय) उप–मंडल के अंतर्गत जबलपुर स्थित जीएम भवन में मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल का नवीनीकरण।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में):**– रू.509612.47/–, **बयाना राशि रूपये:**– रू.10200.00/–, **समापन अवधि (माह/वर्ष):** 6 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक):** 19/01/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक):** 19/01/2026, **उपरोक्त सभी निविदा में फार्म की कीमत** (रूपये में) – 0.00, **उपरोक्त सभी** निविदा कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है।– वरि.मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेबसाईट **"http://ireps.gov.in"** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउन लोड की जा सकती है।, हस्ता.

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

In The Court Of III Civil Judge Class-II, District Court, Rewa
Presiding Officer: श्रीमती रश्मी बागरी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EX A/0000022/2025)

मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल .... वादी
VS
सुबोध कुमार .... प्रतिवादी
Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 19.01.2026

प्रेषिती–
(1) सुबोध कुमार पिता स्व. शिवानंद पता– निवासी पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र. (2) एम पी स्टेट पता– निवासी पडरा ऐ.जी. कालेज के पीछे तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र.

यह कि प्रार्थी मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल ने आपके विरूद्ध इक्स ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 26 दिसंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारण वस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

मुद्रा (श्रीमती रश्मि बागरी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड
RN-83711 रीवा जिला–रीवा (म.प्र.)

In The Court of I Civil Judge Class-I District Court, Rewa
Presiding Officer : श्रीमती शिवानी शर्मा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS B/0000040/2025)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया .... वादी
Vs
मो. नसीम .... प्रतिवादी
Process ID- 65/2025
प्रेषिती - पेशी दिनांक **16/02/2026**

1. मो. नसीम पिता सलीम खान, पता– तकिया मजार के पास, दाराशाह बिछिया, रीवा, तह. हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.)

यह कि प्रार्थी **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** ने आपके विरूद्ध **दावा** के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30 दिवस** के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख **31 दिसम्बर 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें : 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

मोहर न्यायाधीश
(शिवानी शर्मा)
प्रथम व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ खण्ड
जिला रीवा (म.प्र.)

भाजपा दफ्तर में खामोश रहे कैलाश, बागरी ने भी साधी चुप्पी

इंदौर में दूषित पानी से विजयवर्गीय और भाई की गांजा तस्करी में गिरफ्तारी से बागरी हैं विपक्ष के निशाने पर

विशेष संवाददाता, भोपाल। इंदौर में दूषित पानी की घटना के बाद नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और उनकी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में खामोश नजर आयी। हालांकि विजयवर्गीय ने आधे घंटे से ज्यादा संगठन महामंत्री हितानंद से अकेले में चर्चा की। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष नेतृत्व ने इन दोनों नेताओं को फिलहाल किसी भी तरह की बयानवाजी से बचने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि इंदौर में दूषित पानी की वजह से जहां नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विपक्ष के निशाने पर है,तो वहीं अपने भाई की गांजा तस्करी में गिरफ्तारी की वजह से राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी चर्चा में रही है। इन दोनों मंत्रियों को प्रदेश से लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा खामोश रहने को कहा गया है। संगठन के निर्देश का असर गुरुवार को भाजपा के प्रदेश दफ्तर में देखने को उस वक्त मिला,जब दोनों मंत्री कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण करने के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं से मिलने से पहले विजयवर्गीय ने संगठन महामंत्री हितानंद ने अकेले में तकरीबन आधा घंटे तक चर्चा की। सूत्र इन मुलाकात को इंदौर घटना से जोड़कर देख रहे है। कहा जा रहा है कि दिल्ली में नेतृत्व ने विजयवर्गीय के बयान और घटना को लेकर नाराजगी जताई है और उन्हें फिलहाल किसी भी मुद्दे पर कोई भी बयान नहीं देने को कहा है। कहा जा रहा है कि विजयवर्गीय ने दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी मुलाकात के बारे में हितानंद को अवगत कराया है। इधर सूत्रों का कहना है कि पार्टी इंदौर मामले पर कोई बड़ा कदम ले सकती है,जिस पर खरमास खत्म होने के बाद निर्णय लिया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि दरअसल इंदौर की घटना से पार्टी और सरकार की छवि खराब हुई है। इसे लेकर जल्द ही पहले भोपाल और बाद में दिल्ली में संगठन की बड़ी बैठक संभावित है,जिसमें इसे डैमेज की किस तरह से भरपाई की जाए,इसे लेकर मंथन किया जाएगा। इसी बैठक में प्रदेश सरकार के संभावित फेरबदल या विस्तार को लेकर भी निर्णय होंगे,तो भाजपा की राष्ट्रीय टीम में मध्यप्रदेश के प्रतिनिधित्व पर भी चर्चा की जाएगी।

केन्द्र ने मांगी रिपोर्ट

सूत्रों का कहना है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश संगठन से राज्य सरकार के उन मंत्रियों की जानकारी मांगी है,जिनके बयान,कार्यप्रणाली और उनसे जुड़े मुद्दों की वजह से पार्टी और राज्य सरकार की छवि खराब हुई है। कहा जा रहा है कि दिल्ली नेतृत्व इस रिपोर्ट के आधार पर ही निर्णय लेगी कि उसे मध्यप्रदेश में संगठन और सरकार स्तर पर किस तरह का बदलाव किया जाना है।

11 नेताओं को असम की जिम्मेदारी

असम चुनाव के लिए पार्टी ने मध्यप्रदेश के 11 बड़े नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें से अधिकांश नेता प्रदेश संगठन से लेकर राज्य की राजनीति में अहम भूमिका निभाते आ रहे है। इनमें से कुछ वे नेता भी शामिल है,जो पिछले कई महीनों से बड़े निगम मंडलों के पदों के लिए भोपाल से लेकर नागपुर और दिल्ली तक फेरी लगा रहे है।

संक्षिप्त खबरें

हाईकोर्ट के निर्णय का मंच ने किया स्वागत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कर्मचारी मंच ने मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर ने नियमित शासकीय कर्मचारी के तीन वर्ष के प्रवोसन पीरीयड में प्रतिवर्ष दस प्रतिशत वेतन कटौती के आदेश को निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। मप्र कर्मचारी मंत्री उच्च न्यायालय के उक्त आदेश का स्वागत किया है और मप्र सरकार से मांग की है की कोर्ट के आदेश को तत्काल लागू किया जाए तथा पिछले छह साल में नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के वेतन से काटी गई राशि भुगतान की जाए। उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत करने वाले कर्मचारी नेताओं में अशोक पांडे, सुनील पाठक, सतेंद्र पांडेय, हरी सिंह गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर, राजू सिंह यादव, नरेंद्र प्यासी और नितिन गुप्ता शामिल है। कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2019 में आदेश जारी किया था कि नव नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के वेतन से 10 फीसदी राशि कटौती कर वेतन भुगतान करने की शर्त निर्धारित कर दी थी। सरकार ने आदेश जारी करा था कि नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को प्रथम वर्ष में 70 फीसदी द्वितीय वर्ष में 80 फीसदी तथा तिथि वर्ष में 90 फीसदी भुगतान वेतन भुगतान किया जाएगा।

20 हजार रिश्वत लेते बैंक मैनेजर गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की भोपाल यूनिट ने गुरुवार को नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में जिला सहकारी बैंक के ब्रांच मैनेजर को 20 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसपी लोकायुक्त दुर्गेश राठौर के अनुसार आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित सोहागपुर नाम की समिति समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदी करती है। इस समिति में हम्माली और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान जिला सहकारी बैंक सोहागपुर से होता है। यहां पदस्थ मैनेजर दिनेशचंद्र दुबे ने समिति के भुगतान का 2 लाख रुपए का चेक क्लियर करने के बदले 20 हजार की रिश्वत समिति के सदस्य कैलाश कुशवाह से की थी। गुरुवार को लोकायुक्त टीम ने मैनेजर को बैंक परिसर में ही रंगे हाथों दबोचकर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-7 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

कल एसपीए में होगा दीक्षांत समारोह

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) का 12वां दीक्षांत समारोह शनिवार को मनेगा। इस विशेष अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया के अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार के पूर्व अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक प्रदीप कपूर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। समारोह में कुल 237 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। इनमें 130 स्नातक, 103 परास्नातक एवं 4 शोधार्थी (पीएचडी) शामिल हैं। विद्यार्थियों को वास्तुकला में यूजी, योजना में यूजी, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण, भूपरिदृश्य, नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना, परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, नगर एवं क्षेत्रीय योजना) तथा विद्या वाचस्पति की उपाधियां दी जाएंगी। समारोह के दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता को भी सम्मानित किया जाएगा। संस्थान द्वारा दो उत्कृष्टता पदक, आठ प्रवीणता स्वर्ण पदक संबंधित विभागों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही नौ थीसिस एवं तीन थीसिस के लिए प्रशंसा पत्र भी दिए जाएंगे।

मेंटेनेंस न होने के कारण ध्वस्त हो चुकी जल संरचनाओं का होगा कायाकल्प

मिशन वाटरशेड पुनरुत्थान के तहत मनरेगा के फंड से होगी मरम्मत

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने और पुरानी हो चुकी जल संरचनाओं को फिर से जीवित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब वाटरशेड विकास परियोजना के तहत बने पुराने तालाबों, बावड़ियों, मेढ़ों और चेकडैमों की मरम्मत का काम महात्मा गांधी मनरेगा के जरिए किया जाएगा। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और भू-संसाधन विभाग ने इस संबंध में सभी राच्यों के प्रमुख सचिवों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं। केंद्र के इस फैसले से उन पंचायतों को सीधा फायदा होगा जहां जल संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। ऐसे में मनरेगा के फंड का उपयोग गांवों के वॉटर बैंक को मजबूत करने में किया जा सकेगा।

5 साल से पुरानी की जाएंगी पुनर्जीवित

करोड़ों की लागत से बनी ये जल संरचनाएं मेंटेनेंस न होने के कारण खराब हो गई हैं और इनका पानी भी उपयोग में नहीं लिया जा रहा है। अब नए नियमों के अनुसार ऐसी सभी जल संरचनाएं जो साल अधिक पुरानी हैं, उनकी मरम्मत और नवीनीकरण अब मनरेगा के बजट से किया जा सकेगा। इससे न केवल जल संचयन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण मजदूरों को अपने ही गांव में बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिलेगा। इसके लिए मिशन वाटरशेड पुनरुत्थान लॉन्च किया गया है। इस मिशन का मुख्य लक्ष्य वाटरशेड पुरानी संरचनाओं को फिर से काम के लायक बनाना है ताकि गिरते हुए भू-जल स्तर को सुधारा जा सके।

भ्रष्टाचार पर सॉफ्टवेयर रखेगा नजर

योजना में बजट की गड़बड़ी न हो और पारदर्शिता बनी रहे इसके लिए केंद्र ने करने के लिए सरकार ने सख्त नियम बनाए हैं। अब जल संरचनाओं के मरम्मत के जुड़े हर काम की एंट्री नरेगा के पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगी। इसके लिए एक खास मॉड्यूल और एसओपी तैयार की गई है। नरेगा के नियमों के तहत इस काम में मशीनों या ठेकेदारों की नो एंट्री होगी और सारा काम मजदूरों द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की ये जिम्मेदारी होगी कि एक ही काम को दो बार दिखाकर पैसा निकालने की कोशिशों पर लगाम लगाने के लिए सख्त मॉनिटरिंग करें।

विकास कार्यों में कोई अनियमितता नहीं हो

विसं, भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण और विकास कार्यों में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। सारंग गुरुवार को नरेला क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन के उपरांत स्थानीयजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंच से ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में सभी विकास कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तथा कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस 15 जनवरी को होगी

विसं, भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में आगामी 15 जनवरी 2026 गुरुवार को कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस सुबह 11 बजे से मंत्रालय में होगी। कांफ्रेंस में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस के बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा भी होगी। मंत्रालय में होने वाली इस कांफ्रेंस में विभागों के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित होंगे। इसमें कलेक्टर, कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता करेंगे।

गांवों की परफार्मेंस के आधार पर बनेगी जिलों की ग्रेडिंग

वरिष्ठ अधिकारियों को हर माह जाना होगा मैदानी दौरों पर

विशेष संवाददाता, भोपाल। विकास कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में कराए जा रहे कार्यों के आधार पर अब जिलों की हर माह परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी, जिसके आधार पर जिलों की ग्रेडिंग तय होगी, जिसे हर माह जारी किया जाएगा। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को मैदानी दौरे करने होंगे। यह निर्देश गुरुवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने अधिकारियों को दिए। अधिकारी अब हर माह मैदानी दौरे कर विकास कार्यों का आकंलन कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसके आधार पर ही जिलों के ग्रेडिंग तय होगी। अधिकारियों से कहा गया है कि दौरे के दौरान यदि उन्हें किसी भी तरह की अनियमितता पर मौके पर ही संबंधितों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा। सभी जिलों की परफॉर्मेंस के आधार पर प्रतिमाह ग्रेडिंग की जाकर ग्रेडिंग लिस्ट जारी करने के निर्देश भी दिए ताकि अधिकारियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो। उन्होंने कहा कि गांवों के समग्र विकास को लेकर सुनियोजित तरीके से काम करना होगा। अधिकारी भी अपनी जिम्मेदारी समझे और हर माह अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर निर्मित और निर्माणाधीन कार्यों का तकनीक तौर पर आकंलन करे,साथ सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा उनके द्वारा की जाए। उन्होंने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप समस्त तैयारी यथा समय पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री पटेल ने कहा कि दौरे के दौरान यदि किसी जिले में अच्छे नवाचार कराए गए है,तो उसका अध्ययन कर उसे प्रदेश स्तर से अन्य जिलों में भी लागू किए जायें। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु तकनीकी अमला सतत निगरानी रखे।

आवास पूर्णता में मध्यप्रदेश प्रथम

बैठक में मंत्री पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजनान्तर्गत देश में कुल 4.69 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, जिसमें से सर्वाधिक 1.85 लाख मध्यप्रदेश में स्वीकृत हुए हैं। आवास पूर्णता में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

सुआलकुची का सीएम ने किया भ्रमण

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को अपने असम प्रवास के दौरान गुवाहाटी के समीप स्थित ऐतिहासिक सुआलकुची का भ्रमण किया और रेशम उत्पादन की प्राचीन और पारंपरिक प्रक्रिया को बेहद करीब से देखा और इस कला की बारीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सिल्क विलेज के नाम से विख्यात सुआलकुची में सीएम ने बुनकरों के कौशल को देखा और उनसे संवाद भी किया। उन्होंने बुनकरों के घरों और कार्यशालाओं का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि किस तरह यहाँ की समृद्ध विरासत को सहेजते हुए लगभग हर घर में हाथकरघों (हैंडलूम) के माध्यम से कलाकृतियाँ उकेरी जा रही हैं। उन्हेंने कहा कि पारंपरिक बुनाई तकनीक न केवल कला का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ रीढ़ भी है। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने बस्त्रा उद्यान और आमार सुआलकुची संग्रहालय का भी दौरा किया। संग्रहालय में प्रदर्शित हाथकरघा गतिविधियों और इस शिल्प के क्रमिक विकास की प्रदर्शनी ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने यहाँ तैयार होने वाले पारंपरिक परिधानों जैसे मेखला चादर, साड़ियां, कुर्ते और गमछे की निर्माण पद्धति को भी समझा।

भाजपा सांसद के बयान को पूर्व मंत्री ने बताया असंवेदनशील

इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर बयानबाजी जारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के लेकर विरोध और बयानबाजी खत्म नहीं हो पा रही है। भाजपा सांसद ने इस मामले में जनता की जिम्मेदारी की बात कही, तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने असंवेदनशीलता करार दिया। उन्होंने कहा कि ये मौतें प्रशासनिक विफलता का परिणाम हैं। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का एक बयान गुरुवार को सामने आया, जिसमें उनका कहना है कि सब कुछ सरकार ही क्यों करे, सरकार के भरोसे क्यों रहें, जनता की भी जिम्मेदारी बनती है। सांसद के बयान पर कांग्रेस नेता अरुण यादव ने कहा कि उनका बयान न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि पीड़ित परिवारों के दुःख पर प्रश्नचिह्न है। उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण 18 बेकसूर नागरिकों की असमय मौत हो चुकी है। यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता और सत्ता की घोर असंवेदनशीलता का नतीजा है । ऐसे गंभीर और मानवीय संकट के समय खण्डवा से भाजपा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का सत्ता का यही रवैया आज उजागर हो रहा है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह भाजपा और उनके नेताओं की असली तस्वीर है कि वोट हमें दो, जिम्मेदारी तुम उठाओ। आपका जीना-मरना, पानी-हवा सब जनता खुद देखे । यादव ने कहा कि जब सरकार नागरिकों को सुरक्षित पानी तक नहीं दे सकती, जब मौतों के बाद भी जवाबदेही से बचा जाए,तो ऐसी सत्ता को कुर्सी पर बने रहने का नैतिक अधिकार ही नहीं है। यादव ने कहा कि अब समय है जवाबदेही तय करने का, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने का है।

प्रशासन भगीरथपुरा जैसी घटना होने की प्रतीक्षा में: इधर इंदौर घटना को लेकर भोपाल में कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने नरेला विधानसभा जोन क्रंमाक 17 में दूषित पानी को लेकर बयान दिया है। उनका कहना है कि इस जोन में 1.5 लाख लोग रहते हैं, जिन्हें दूषित जल पीने को मजबूर हैं। नवाब कॉलोनी में लोग 5 सालों से सीवेज मिला दूषित जल पीने को मजबूर हैं। सुनवाई नहीं हो रही नगर निगम लीपापोती में व्यस्त है। शुक्ला ने कहा की जोन 17 में भी प्रशासन भागीरथपुरा जैसी घटना होने की प्रतीक्षा कर रहा है ऐसा प्रतीत होता है।

भाजपा का सबसे स्वच्छ शहर का दावा बेनकाबः उमंग सिंघार

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि दूषित पानी ने भाजपा के उस दावे को बेनकाब कर दिया है, जिसमें उनके द्वारा इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर होने की बात कही जाती रही है। स्वच्छता और विकसित भारत के दावे ज़मीनी हकीकत में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सिंघार ने कहा किभगीरथपुरा से लेकर इंदौर के कई गरीब व मेहनतकश इलाक़ों तक नलों से आ रहा दूषित, बदबूदार और सीवेज मिला पानी इस बात का प्रमाण है कि यह केवल एक इलाक़े की समस्या नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की प्रणालीगत विफलता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में वाटर ऑडिट होना चाहिए। सिंघार ने कहा कि इंदौर का जल संकट कोई अपवाद नहीं, बल्कि भाजपा के शहरी शासन मॉडल की असफलता है। जब तक साफ़ पानी, जवाबदेही, पारदर्शिता और दोषियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक विपक्ष जनता की इस लड़ाई को सड़क से सदन तक पूरी ताकत से उठाता रहेगा।

काम का बोझ कम करने एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं जज

नई दिल्ली, जेएनएन। जज अपने काम का बोझ मैनेज करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय ने अपने पिछले सेशन में संसद को बताया था कि भारतीय अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक्सप्लोर किया जा रहा है, यह कोर्टरूम से लेकर वकीलों के चैंबर तक अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। टेक्नोलॉजी इनेबल्ड रीसॉल्यूशन नाम का एक ट्रांसक्रिप्शन सिस्टम अब संविधान बेंच की सुनवाई के दौरान मौखिक दलीलों को रियल टाइम में टेक्स्ट में बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो तेज सुनवाई को सही ढंग से रिकॉर्ड करने में लंबे समय से चली आ रही रुकावट को दूर करता है। भारत में डेवलप किया गया टेरेस अब देश के बाहर भी विवाद सुलझाने वाली संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर की अदालतें शामिल हैं।

थानों में पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं तो वे आम जनता को कैसे सुरक्षा देंगे

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

पूर्व महापौर प्रभात साहू सहित अन्य को नोटिस जारी

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने जबलपुर के पूर्व महापौर प्रभात साहू व एसपी संपत उपाध्याय को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मामला राजनीतिक दबाव में पीड़ित पुलिसकर्मी के ही विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर लिए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है। कोर्ट ने नेताओं के दबाव में पुलिस अधिकारियों द्वारा एकपक्षीय कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। वाहन चेकिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी से मारपीट और उसकी वर्दी फाड़ने के मामले में उल्टे उसी पुलिसकर्मी के विरुद्ध एफआइआर दर्ज किए जाने को हाई कोर्ट ने इसे गंभीर लापरवाही निरूपित किया। जबलपुर निवासी अधिवक्ता मोहित वर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि जब थानों में पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो वे आम जनता को कैसे सुरक्षा देंगे। यह भी सवाल भी उठाया कि वीडियो वायरल होने और पुलिस कर्मी की शिकायत से आरोपियतों की पहचान स्पष्ट होने के बावजूद नेताओं के नाम एफआइआर में क्यों नहीं जोड़े गए और मामला अज्ञात के विरुद्ध क्यों दर्ज किया गया। हाई कोर्ट ने पूरे मामले को पुलिस विभाग का मनोबल गिराने वाला बताया।

डीआईजी संभालेंगे ई-जीरो एफआईआर की मॉनिटरिंग

हर महीने साइबर मुख्यालय को भेजेंगे एक्शन टेकन रिपोर्ट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में सायबर वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार लोगों के लिए राहत भरी खबर है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने ई-जीरो एफआईआर की प्रोसेस को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए एक नई हाई-टेक व्यवस्था लागू की है। अब 1 लाख से अधिक की सायबर ठगी होने पर नागरिक देश के किसी भी कोने से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे। फिलहाल ये व्यवस्था देश में केवल दिल्ली और मध्यप्रदेश में लागू की गई है। पिछले माह प्रदेश प्रवास पर ग्वालियर आए देश के गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव को पहली ई-जीरो एफआईआर सौंपी थी। इसके बाद देवास पुलिस ने एक कारोबारी से लाखों रुपए की धोखाधड़ी में हुई ई-एफआईआर को महज 24 घंटों में सुलझा लिया था।

रेंज में डीआईजी और भोपाल-इंदौर में एडिशनल कमिश्नर करेंगे निगरानी

प्रदेश में ई-जीरो एफआईआऱ लागू होने के बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इसमें प्रभावी कार्रवाई के लिए नए निर्देश जारी कर दिए हैं। डीजीपी ने सभी रेंज के डीआईजी को स्तर के अधिकारियों को इसकी रेगुलर मॉनिटरिंग की कमान सौंपते हुए निर्देश दिए हैं कि वे हर माह दर्ज होने वाली ई-जीरो एफआईआर पर की गई कार्रवाई की मंथली रिपोर्ट सीधे सायबर मुख्यालय को भेजें। इसके अलावा भोपाल और इंदौर में कमिश्नर प्रणाली लागू होने के कारण यहां एडिशनल कमिश्नर रैंक के एक अधिकारी सौंपी गई है, जो व्यक्तिगत रूप से इन शिकायतों की प्रगति की निगरानी करेंगे। गौरतलब है कि नई व्यवस्था के तहत जीरो एफआईआर को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 के तहत कानूनी मान्यता दी गई है। इसका सीधा अर्थ है कि अपराध चाहे किसी भी क्षेत्र में हुआ हो, पीड़ित ऑनलाइन अपनी एफआईआर दर्ज करा सकता है।

72 घंटे में शिकायतकर्ता को थाने जाना अनिवार्य

ई-जीरो एफआईआर को लेकर जारी निर्देश के अनुसार ई-जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता को 72 घंटे के भीतर संबंधित थाने जाना जरूरी होगा। अगर कंप्लेन करने वाला थाने नहीं जाएगा तो पुलिस उसे नोटिस जारी करेगी। नोटिस मिलने के बाद शिकायतकर्ता के पास थाने पहुंचने के लिए 30 दिन का समय होगा। यदि इस अवधि में वह थाने नहीं जाएगा तो उसकी ई-एफआईआर निरस्त कर दी जाएगी। इसके अलावा प्रदेश में जिलों के एसपी को ऐसी शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई के लिए विशेष अधिकार भी दिए हैं। अब एसपी अपने स्तर पर ये निर्णय ले सकेंगे कि जांच का जिम्मा किस अधिकारी को सौंपा जाए। यदि कोई मामला बड़ा या जटिल होगा तो उसकी जांच के लिए एसपी अपने स्तर पर ही तत्काल एसआईटी का भी गठन कर सकता है।

एमपी में अब इस तरह दर्ज होगी ई-जीरो एफआईआर

ई-ज़ीरो एफआईआर सायबर और वित्तिय फ्रॉड के मामलों में पीड़ितों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के लिए लागू की है। पायलट प्रोजेक्ट दिल्ली में लॉन्च किया था। यह एक डिजिटल प्रणाली है, जिसमें 1 लाख या अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में की गई ऑनलाइन शिकायत ऑटोमेटिक एफआईआर में बदल जाती है। इसके लिए पीडति किसी भी पुलिस स्टेशन या सायबरक्राइम पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कर सकता है। इस एफआईआर की जांच तुरंत संबंधित थानों को भेजी जाती है। यह पारंपरिक ज़ीरो एफआईआर का इलेक्ट्रॉनिक रूप है, जिसमें क्षेत्राधिकार की कोई बाधा नहीं होती। ऐसे में धोखाधड़ी का शिकार हुआ फरियादी प्रदेश के किसी भी कोने से अपनी एफआईआर दर्ज करा सकता है लेकिन उसे 72 घंटे में संबंधित थाने जाकर पुष्टि करनी होती है। व्यवस्था लागू करने का मकसद है कि गोल्डन ऑवर (अपराध होने के पहले 2 घंटे) में सूचना मिलने पर ठगी की रकम को फ्रीज कराकर रिकवरी की संभावना बढ़ जाती है।

11 से 20 जनवरी तक आईसर में जुटेंगे दुनिया के वैज्ञानिक

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) में 11 से 20 जनवरी तक 20वें एशियन विंटर स्कूल का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम स्ट्रिंग्स, पार्टिकल्स और कॉस्मोलॉजी जैसे आधुनिक भौतिकी के महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगा। आईसर इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज-टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च बेंगलुरु के सहयोग से कार्यक्रम की जिम्मेदारी निभाएगा। मूर्ति ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित यह 20वां एशियन विंटर स्कूल न केवल एक ऐतिहासिक वैज्ञानिक आयोजन होगा। आईसर को मौलिक विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय शोध के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में और मजबूत पहचान भी दिलाएगा।

कई देशों से आएंगे विद्यार्थी और शोधकर्ता : एशियन विंटर स्कूल अपनी 20 वर्षों की सफल यात्रा पूरी कर रहा है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया की साझेदारी से आयोजित होने वाला थियोरेटिकल हाई-एनर्जी फिजिक्स का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है। इसमें भारत के साथ-साथ एशिया, यूरोप और उत्तर अमेरिका से 150 से अधिक विद्यार्थी, शोधकर्ता और शिक्षाविद हिस्सेदारी करेंगे। इसमें एडवांस्ड मिनी-कोर्स, आमंत्रित सेमिनार और पोस्टर सेशन आयोजित किए जाएंगे। मैकगिल, स्टैनफोर्ड, कैम्ब्रिज, हार्वर्ड, सीईआरएन, टीआईएफआर और आईआईएससी जैसे विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों से आए वैज्ञानिक व्याख्यान देंगे।

साइंस सेंटर में होगा व्याख्यानः आईसीटीएस बेंगलुरु के प्रो. अशोक सेन 19 जनवरी को आंचलिक विज्ञान केंद्र में एकीकृत सिद्धांत की खोज विषय पर विशेष व्याख्यान होगा। स्कूल के विद्यार्थियों को यह व्याख्यान काफी सरल और प्रेरक होगा।

यमुना में झाग...

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद चारों तरफ बर्फ जमी हैं। वहीं मैदानी राज्यों में शीतलहर और कोहरे की चादर में सर्दी सितम ढा रही है। उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की सर्दी है। भीषण सर्दी के बीच यमुना नदी में ऐसा लग रहा है, जैसे नदी का पानी जम गया हो। हालांकि, यह नदी की सतह पर तैर रहा जहरीला झाग है।

24 घंटे में बनी 29 किमी सड़क बनाए दो गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड

मीट्रिक टन डामर बिछाया गया बेंगलुरु-विजयवाड़ा कॉरिडोर में

विजयवाड़ा, जेएनएन। एनएचएआई ने आंध्रप्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-544जी) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया। यह प्रोजेक्ट भारतमाला फेज-2 के तहत शुरू हुआ था। इसमें ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों तरह की सड़कें बन रही हैं। इससे इस रूट पर सफर करने वालों को भीड़भाड़ वाले शहरों और पुराने हाईवे पर नहीं जाना होगा।

624 किमी लंबा है एक्सप्रेसवे: एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 624 किमी है। इसमें ग्रीनफील्ड हिस्सा कोडिकोंडा से अडंकी/मुप्पावरम तक करीब 342 किमी है। ब्राउनफील्ड में बेंगलुरु-कोडिकोंडा (73 किमी, एनएच-44 पर) और अडंकी-विजयवाड़ा (113 किमी, एनएच-16 पर) शामिल हैं। इसकी लागत 19,320 करोड़ रुपए है। यह सड़क गुंटूर, प्रकाशम, कुर्नूल और कडप्पा जिलों से गुजरेगी। इससे अमरावती से बेंगलुरु की यात्रा 11-12 घंटे से घटकर 6 घंटे हो जाएगी। पैसेंजर और माल ढुलाई तेज होगी।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बुधवार रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले में उनके साथ अबू सूफियान मसूद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 8.40 बजे करवान बाजार के तेजतुरी बाजार इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने स्टार कबाब के पास अचानक फायरिंग शुरू कर दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने से मुसब्बिर और मसूद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मुसब्बिर को बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। तेजगांव डिविजन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त फजलुल करीम ने मुसब्बिर की मौत की पुष्टि की है।

पत्थरबाजी मामला-सपा सांसद से होगी पूछताछ

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी को लेकर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पत्थरबाजी में शामिल 30 लोगों और सोशल मीडिया पर मस्जिद गिराने की अफवाह फैलाने वाले 10 इन्फ्लुएंसर की पहचान की है। हिंसा के मामले में 6 और गिरफ्तारियों के साथ कुल 11 लोग पकड़े गए हैं, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। दरअसल, पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने से जुड़ा है। पुलिस की टीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अतिक्रमण हटाने गई थी।

अब भारतीय नहीं जा सकेंगे बांग्लादेश

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अब बांग्लादेश ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर और सख्ती कर दी है। अब यह पाबंदियां कोलकाता, मुंबई और चेन्नई स्थित बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशनों तक बढ़ा दी गई हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बुधवार रात इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि ये प्रतिबंध गुरुवार से लागू हो गए हैं। नए आदेश के तहत बिजनेस और रोजगार (एम्प्लॉयमेंट) वीजा को छोड़कर बाकी सभी कैटेगरी के वीजा फिलहाल निलंबित कर दिए गए हैं।

पकड़े गए रूसी जहाज में तीन भारतीय

रूसी सांसद ने दी एटमी हमले की धमकी, कहा-खुले समुद्र में किसी का अधिकार नहीं

मॉस्को, जेएनएन। अमेरिका ने बुधवार को जिस रूसी जहाज मैरिनेरा को पकड़ा था, उस पर तीन भारतीय नागरिक भी सवार थे। यह जानकारी रूसी मीडिया ने सूत्रों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरिनेरा जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। इनमें 17 यूक्रेनी, 6 जॉर्जियाई, 3 भारतीय और 2 रूसी नागरिक थे। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज वेनेजुएला से तेल ले जा रहा था और उसने अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। इस जहाज के पकड़े जाने के बाद रूसी सांसद एलेक्सी जुरावल्योव ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन को एटमी हथियारों से हमला करना चाहिए और अमेरिकी कोस्ट गार्ड के जहाजों को डुबा देना चाहिए।

रूस बोला-अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा: रूस ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने इस जहाज को खुले समुद्र में रोका, जहां किसी भी देश का अधिकार नहीं होता। यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का उल्लंघन है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को पहले ही बता दिया गया था कि यह जहाज रूसी है और सिविल काम के लिए इस्तेमाल हो रहा है। रूस ने मांग की है कि जहाज पर मौजूद रूसी नागरिकों के साथ सही व्यवहार किया जाए और उन्हें सुरक्षित घर लौटने दिया जाए।

चीन ने भी अमेरिका का विरोध किया

चीन ने भी अमेरिका की कार्रवाई की आलोचना की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा, वह बिना यूएन की इजाजत के एकतरफा प्रतिबंधों के खिलाफ है। ऑस्ट्रिया की पूर्व विदेश मंत्री और अमेरिका के एक पूर्व सैन्य अधिकारी ने भी कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया। वहीं, अमेरिका की यूरोपीय मिलिट्री कमांड ने कहा कि इस टैंकर को अमेरिकी फेडरल कोर्ट के आदेश पर पकड़ा गया। अमेरिकी कोस्ट गार्ड काफी समय से इस जहाज पर नजर रखे हुए था। अमेरिका का दावा है कि जहाज जानबूझकर उनसे बचता रहा।

अमेरिका के आरोप झूठे, असली मकसद एनर्जी का लालच: डेल्सी

वेनेजुएला की अंतरिम प्रेसिडेंट डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा, नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग, डेमोक्रेसी और ह्यूमन राइट्स के बारे में अमेरिका के आरोप झूठे हैं। बाहरी दबाव के पीछे असली मकसद 'एनर्जी का लालच' था। उन्होंने कहा, आप सभी जानते हैं कि नॉर्थ का एनर्जी का लालच हमारे देश के रिसोर्स चाहता है। रोड्रिगेज ने कहा, दोनों देशों के बीच संबंधों में दरार को मानते हुए कहा, हमारे संबंधों पर ऐसा दाग लगा है जैसा हमारे इतिहास में कभी नहीं लगा।

वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में 100 की मौत

काराकस, जेएनएन। वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। देश के गृह मंत्री डियोसदादो काबेलो ने बुधवार देर रात दावा किया है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के उद्देश्य से किए गए अमेरिकी हमले में 100 लोगों की मौत हुई है। सरकार ने इसे संप्रभुता पर सीधा हमला बताया है। घटना के बाद देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। हालांकि, इससे पहले सरकार ने मृतकों की आधिकारिक संख्या नहीं बताई थी। हालांकि, वेनेजुएला की सेना ने अब तक 23 मारे गए जवानों की सूची ही जारी की है। अधिकारियों का कहना है कि मादुरो की सुरक्षा में तैनात कई लोग 'साजिश के तहत' मारे गए। क्यूबा ने भी पुष्टि की है कि वेनेजुएला में तैनात उसके सैन्य और खुफिया विभाग के कुछ लोग इस हमले में मारे गए हैं, इससे इस कार्रवाई का असर सिर्फ वेनेजुएला तक सीमित नहीं रहा। गृह मंत्री काबेलो के मुताबिक, हमले के दौरान मादुरो की पत्नी सिलिया फ्लोरेस के सिर में चोट लगी।

अमेरिका का बड़ा दावा-हम तय करेंगे फैसले

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने कहा है कि वह वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के फैसलों को तय करेगा और देश के तेल की बिक्री पर अनिश्चित समय तक नियंत्रण रखेगा। अमेरिका का यह बयान मादुरो को हटाए जाने के बाद आया है। हालांकि, वेनेजुएला की अंतरिम नेता डेल्सी रोड्रीगेज ने कहा, देश पर किसी विदेशी ताकत का शासन नहीं है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा, हमारे रिश्तों पर ऐसा दाग लगा है, जैसा हमारे इतिहास में पहले कभी नहीं लगा।

ईरान में 'ब्लैकआउट' फोन-इंटरनेट ठप

तेहरान, जेएनएन। ईरान में जनवरी 2026 की शुरुआत से जारी देशव्यापी प्रदर्शन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचते नजर आ रहे हैं। 12वें दिन में दाखिल हो चुके इन प्रदर्शनों के बीच सरकार ने संचार तंत्र पर ऐसी लगाम कसी है कि कई इलाकों में फोन और इंटरनेट लगभग पूरी तरह ठप हो चुके हैं। तेहरान से लेकर पश्चिमी प्रांतों तक फैला यह 'डिजिटल ब्लैकआउट' सिर्फ तकनीकी कदम नहीं, बल्कि सत्ता की बेचैनी का संकेत माना जा रहा है। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक अब तक 36 लोगों की मौत और 2000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, लेकिन आधिकारिक आंकड़ों की गैरमौजूदगी, इंटरनेट बंदी और मीडिया पर नियंत्रण ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या ईरानी सरकार हालात की गंभीरता और दमन की सच्चाई को दुनिया से छिपाने की कोशिश कर रही है?

2000 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

ईरान में ये प्रदर्शन आखिर क्यों शुरू हुए?

इन प्रदर्शनों की जड़ में आर्थिक संकट है। दिसंबर 2025 के अंत में तेहरान के ग्रैंड बाजार से इसकी शुरुआत हुई, जब व्यापारियों ने रियाल की ऐतिहासिक गिरावट, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ दुकानें बंद कर दीं। देखते ही देखते यह विरोध 100 से ज्यादा शहरों में फैल गया। हालात तब बदले जब आर्थिक नारों की जगह राजनीतिक नारे सुनाई देने लगे सत्ता परिवर्तन, आजादी और तानाशाही के खिलाफ खुली आवाजें। शुरुआत भले ही महंगाई और मुद्रा संकट से हुई हो, लेकिन अब प्रदर्शन पूरी तरह राजनीतिक रंग ले चुके हैं। 'डेथ टू डिक्टेटर' जैसे नारे और निर्वासित प्रिंस रेजा पहलवी के समर्थन में आवाजें यह संकेत देती हैं कि असंतोष अब व्यवस्था के खिलाफ है, न कि सिर्फ नीतियों के।

भारत-म्यांमार बॉर्डर पर तस्करी 15 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

गुवाहाटी, जेएनएन। भारत-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा बलों ने एक बड़ी और अहम कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े प्रयास को नाकाम कर दिया है। ऑपरेशन में करीब 15 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई है। कार्रवाई से न सिर्फ तस्करों को बड़ा झटका लगा है, बल्कि सीमा पार चल रहे ड्रग्स तस्करी नेटवर्क पर भी शिकंजा कस गया है।

सुरक्षा एजेंसियों को काफी समय से खुफिया जानकारी मिल रही थी कि भारत-म्यांमार सीमा के रास्ते भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इनपुट के आधार पर सीमा सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। यह कार्रवाई उत्तर-पूर्वी राज्य की सीमा के पास की गई, जहां तस्कर अक्सर घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों का फायदा उठाते हैं। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और इलाके की घेराबंदी की। जैसे ही तस्करों ने सीमा पार करने की कोशिश की, जवानों ने उन्हें रोक लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से कई पैकेट बरामद हुए, जिनमें उच्च गुणवत्ता की हेरोइन छिपाकर रखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, यह हेरोइन म्यांमार से भारत लाई जा रही थी और इसके बाद इसे देश के बड़े शहरों तक पहुंचाने की योजना थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि इस तस्करी के पीछे एक संगठित अंतरराष्ट्रीय गिरोह काम कर रहा है, जिसके तार कई देशों से जुड़े हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले में कुछ तस्करों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है।

अंबरनाथ: कांग्रेस के 12 सस्पेंड पार्षद भाजपा में

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र में दिसंबर में हुए निकाय चुनाव के दौरान अंबरनाथ नगर परिषद सीट पर बहुमत के लिए कांग्रेस के 12 पार्षदों ने भाजपा-एनसीपी से गठबंधन किया था। जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस ने बुधवार को सभी को सस्पेंड कर दिया था। सभी सस्पेंड पार्षद भाजपा में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने बुधवार देर रात पार्टी कार्यालय में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा- लोगों ने इन पार्षदों को चुना था और उन्होंने नागरिकों से विकास का वादा किया था। वे हमारे साथ इसलिए आए हैं, क्योंकि सरकार गतिशील तरीके से काम कर रही है और लोगों को न्याय और विकास देने में सक्षम है। 20 दिसंबर को हुए स्थानीय चुनावों के बाद भाजपा ने कांग्रेस के साथ अंबरनाथ विकास अघाड़ी बनाया था। इसमें अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी शामिल है। अंबरनाथ नगर परिषद में कुल 60 वार्ड हैं। बहुमत के लिए 31 उम्मीदवार चाहिए।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के बाद भाजपा से किया था गठबंधन

बांग्लादेश को जेएफ-17 फाइटर जेट बेचने की तैयारी में पाकिस्तान

दोनों देशों के एयरफोर्स चीफ ने की बातचीत, पाक सेना ने की पुष्टि

ढाका, जेएनएन। पाकिस्तान बांग्लादेश को जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट बेचने की तैयारी में है। इसको लेकर दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हुई है। पाकिस्तानी सेना ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान एयरफोर्स प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधु, बांग्लादेश वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान के बीच बैठक हुई। इसमें जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री, रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। जेएफ-17 थंडर मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसे पाक ने चीन के साथ मिलकर बनाया है। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन पर हमला करने में सक्षम है।

ट्रेनर विमान भी देगा पाकिस्तान

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 'सुपर मुश्शक' ट्रेनर विमान की फास्ट-ट्रैक डिलीवरी का भरोसा भी दिया है। साथ ही पायलट ट्रेनिंग और लॉन्ग-टर्म सपोर्ट सिस्टम उपलब्ध कराने की बात कही गई है। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा चल रही है। बांग्लादेश की ओर से इस संभावित सौदे पर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हाल के महीनों में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संपर्क बढ़े हैं। उधर, बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार तनाव बना हुआ है, जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार सुधार आया है। मोहम्मद यूनुस अगस्त 2024 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात कर चुके हैं। नवंबर 2024 में, 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी कार्गो जहाज चटगांव बंदरगाह पहुंचा था। इसके अलावा अप्रैल 2025 में ढाका में 15 साल बाद दोनों देशों के विदेश सचिवों ने मुलाकात की थी।

जेएनयू में मोदी-शाह के खिलाफ लगाए नारे, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली पुलिस ने बुधवार रात दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में साबरमती हॉस्टल के बाहर पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लगे विवादित नारे के मामले में एफआईआर दर्ज की। शिकायत जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी (सीएसओ) ने दर्ज कराई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौके पर 30-35 छात्र मौजूद थे। शुरुआत में कार्यक्रम शांतिपूर्ण था, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं मिलने पर भड़काऊ नारे लगाए गए। दो 2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में आरोपी हैं। सीएसओ ने कुछ छात्रों की पहचान भी की है। दरअसल, 6 जनवरी को 35 सेकंड का वीडियो वायरल हुआ। दावा किया गया कि जेएनयू के छात्रों ने 5 जनवरी की रात 'मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' के नारे लगाए थे। जेएनयू प्रबंधन ने भी मामले में एफआईआर की मांग की थी। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया था कि जेएनयू में यह प्रदर्शन उमर खालिद-शरजील के समर्थन में हुआ। यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार है।

जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा छात्रों की पहचान की

जमानत के बाद 4 आरोपी जेल से रिहा

2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद ४ आरोपी गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान बुधवार रात दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हुए। वहीं, मोहम्मद सलीम खान मंडोली जेल से रिहा हुआ। ५वें आरोपी शादाब अहमद को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है, लेकिन उसका जमानती बॉन्ड दाखिल करने अदालत में पेश नहीं हुआ। वहीं, कोर्ट ने उमर खालिद, शरजील इमाम को जमानत से इनकार किया था। एक अन्य आरोपी सलीम मलिक ने समान आरोपों का हवाला देते हुए नई याचिका दायर की है।

अदालत सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन कुत्तों पर सुनवाई, जस्टिस नाथ बोले

इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं कुत्ते

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं, इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने कहा- अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं? इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए।

जस्टिस बोले-तो हमें और बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए

याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है, जबकि आवारा कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि, राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। एबीसी नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे। वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा, अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है, लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है। हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया-अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता। कुत्तों की मॉनिटरिंग के लिए पहले उनकी गिनती जरूरी है, जो आखिरी बार 2009 में हुई थी। सिर्फ दिल्ली में 5,60,000 कुत्ते थे। सेंटर्स की हाउसिंग कैपेसिटी के हिसाब से ही तय संख्या में जानवरों को पकड़ा जाना चाहिए। कैपेसिटी है ही नहीं, तो आप उन्हें कहां रखेंगे? एक वकील (कुत्तों को न हटाने के फेवर में) ने कहा-दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। अगर कुत्तों को अचानक हटा दिया जाएगा तो चूहों की आबादी बढ़ जाएगी। वे बीमारी फैलाने वाले होते हैं। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। इस पर जस्टिस मेहता ने कहा- यह कैसा संबंध हैं? ऐसे तो कुत्ते और बिल्लियां आपस में दुश्मन होते हैं, तो हमें और बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए। हमने हर कुत्ते को सड़क से हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमों के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

शारीरिक बनावट के कारण महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले जल्दी चढ़ती है शराब

नई दिल्ली, जेएनएन। शराब पीना हर किसी की सेहत के लिए हानिकारक होता है, लेकिन इसका असर पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर ज्यादा हो सकता है। इस दावे के पीछे ठोस साइंटिफिक कारण छिपे हैं, जो बताते हैं कि क्यों महिलाओं पर शराब का असर पुरुषों की तुलना में जल्दी होता है। आमतौर पर लोग इसे सहनशक्ति से जोड़कर देखते हैं। यानी माना जाता है कि कुछ लोगों की अल्कोहल टॉलिरेंस ज्यादा होती है, तो कुछ लोगों की कम। लेकिन यहां मामला सहनशक्ति का बिल्कुल नहीं है। दरअसल, साइंस बताती है कि महिलाओं और पुरुषों के बीच नशे के इस अंतर का मुख्य कारण शरीर की बनावट है। कई अध्ययनों में पता चला है कि शारीरिक बनावट के कारण महिलाएं शराब के लिए ज्यादा संवेदनशील होती हैं।

शारीरिक बनावट कैसे डालती है असर?

एंजाइम्स की कम एक्टिविटी- एक स्टडी में पुरुषों और महिलाओं को उनके वजन के अनुपात में शराब की समान मात्रा दी। इस एक्सपेरिमेंट के नतीजों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। शोध में पाया गया कि महिलाओं के शरीर में शराब को शुरुआती चरण में तोड़ने वाला एंजाइम पुरुषों की तुलना में कम एक्टिव होता है। दरअसल, जब शराब शरीर के अंदर जाती है, तो ये एंजाइम उसे मेटाबोलाइज करने या तोड़ने का काम करते हैं। लेकिन महिलाओं में इन एंजाइम्स की एक्टिविटी कम होने के कारण, शराब का एक बड़ा हिस्सा बिना टूटे सीधे ब्लड में पहुंच जाता है। यही कारण है कि महिलाओं के ब्लड में अल्कोहल का स्तर तेजी से बढ़ता है और उन्हें नशा जल्दी महसूस होता है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

-780

84,181

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	287.40	0.93%
SBI Life Insura	2,095.50	0.58%
ICICI Bank	1,442.20	0.51%
Bajaj Finance	978.35	0.33%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Hindalco	934.20	-3.68%
Jio Financial	304.30	-3.28%
ONGC	238.89	-3.20%
Wipro	270.90	-3.18%
Larsen	4,169.90	-3.09%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	90.030
यूरो	105.११
येन	0.57४३
पौंड	12०.98

लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार गिरा निवेशकों के 9 लाख करोड़ रु. हुए खाक

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव आज लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी और अमेरिकी वीजा फीस में बढ़ोतरी ने मार्केट का सेंटीमेंट खराब किया है। कल हुए कारोबार में बीएसई, सेंसेक्स में 555.95 अंकों की गिरावट रही और यह 81159.68 के स्तर तक लुढ़क गया। इसके अलावा निफ्टी-50 में भी 166.05 अंकों की कमजोरी दर्ज की गई और यह 24890.85 के स्तर तक टूट गया। कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से ज्यादातर शेयर लाल निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टेरेंल, टीसीएस और एशियन पेंट्स के शेयरों में देखने को मिली है। दूसरी तरफ बीईएल, एक्सिस बैंक और भारतीय एयरटेल जैसे कुछ शेयर हरे निशान पर बंद होने में कामयाब रहे। एनएसई पर मिड और स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का दबाव दिखा। इसके चलते निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी तक टूट गया। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी 0.59 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टर वाइज परफॉर्मेंस की बात करें तो आज निफ्टी मेटल को छोड़कर अन्य सभी इंडेक्स लाल निशान पर बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा गिरावट रियल्टी, आईटी और ऑटो सेक्टर्स के शेयरों में देखी गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शेयर बाजार में 2,425.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि मंगलवार को उन्होंने 3,551.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

कच्चे तेल की बढ़ी कीमतें- कच्चे तेल की कीमतें एशियाई बाजार में थोड़ी कम हुईं, जबकि पिछले दिन यह 2.5 फीसदी बढ़कर 1 अगस्त के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से आमतौर पर भारत में महंगाई बढ़ती है और कंपनियों के लिए लागत अधिक होती है, जिससे शेयर बाजार पर दबाव पड़ता है। भारत बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है और ऊर्जा लागत में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है।

4 दिन में निवेशकों को 9 लाख का नुकसान
बीएसई सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप आज 25 सितंबर को घटकर 4,57,42,656.05 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पिछले 4 कारोबारी दिनों में 8.90 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसका मतलब है कि निवेशकों को करीब 9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

अमेरिका के वीजा नियम का असर
अमेरिका ने 22 सितंबर से नए एच-1बी वीजा के लिए 88 लाख रुपये की फीस लागू की। इसके चलते आईटी शेयरों में पिछले कुछ दिनों में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिल रही है। इस साल बाजार पर सबसे बड़ा दबाव विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली का रहा है।

क्रिप्टो मार्केट भी क्रैश हुआ 6.30 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुवार का दिन निवेशकों के लिए बड़ी मुसीबत लेकर आया। शेयर मार्केट से लेकर क्रिप्टो मार्केट तक क्रैश हो गए। गुरुवार को लगभग सभी क्रिप्टोकरेंसी में बड़ी गिरावट आई। क्रिप्टोकरेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप 24 घंटे में दो फीसदी से ज्यादा गिरकर 3.09 ट्रिलियन डॉलर रह गया। बिटकॉइन में भी दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। रिपल भी 7 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई। क्रिप्टो निवेशकों के 24 घंटे में करीब 6.30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। क्रिप्टो मार्केट में गिरावट के कारण बिटकॉइन की कीमत फिर से 90 हजार डॉलर से नीचे आ गई है। हाल में इसमें कई दिनों बाद 90 हजार डॉलर का आंकड़ा पार किया था।

मुनाफा वसूली से क्रिप्टो मार्केट में आई गिरावट
क्रिप्टो मार्केट में गिरावट का सबसे बड़ा कारण मुनाफावसूली को माना जा रहा है। वहीं वेनेजुएला इफेक्ट भी क्रिप्टो मार्केट पर पड़ा है। वजीरएक्स के फाउंडर निश्चल शेट्टी ने बताया कि पिछले 24 घंटों में क्रिप्टो बाजार एक ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में चल रही भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भी बाजार की चाल को प्रभावित किया है। इससे सभी तरह की संपत्तियों में जोखिम लेने की इच्छा कम हुई है।

वेनेजुएला पर नियंत्रण के बाद अमेरिका दुनियाभर को बेच सकता है सस्ता तेल

भारतीय कंपनियों की जेब भरने पर रहेगी सरकार की नजर

नई दिल्ली, जेएनएन। वेनेजुएला पर अमेरिका के नियंत्रण के बाद माना जा रहा है कि ट्रंप भारत समेत दुनियाभर को सस्ता तेल बेच सकते हैं। ऐसा होता है तो भारतीय तेल कंपनियों की जेबें भर सकती हैं। लेकिन सरकार इस पर पूरी नजर रख रही है। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल का कहना है कि सरकार आने वाले बजट में इन कंपनियों के बढ़ते मुनाफे को एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर वापस ले सकती है। अभी कच्चे तेल की कीमत करीब 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई है। जेएम फाइनेंशियल का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से तेल मार्केटिंग कंपनियों को फिलहाल मार्केटिंग मार्जिन (मुनाफे का अंतर) अच्छा मिल सकता है। फर्म का कहना है कि सरकार आने वाले बजट में पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा सकती है, जिससे तेल कंपनियों को कम कच्चे तेल की कीमतों से होने वाला फायदा कम हो सकता है।

क्या है निवेशकों कंपनियों को चेतावनी : जेएम फाइनेंशियल निवेशकों को तेल और गैस कंपनियों में सोच-समझकर पैसा लगाने की सलाह दे रही है। इस फर्म ने ऑयल इंडिया और ओएनजीसी जैसी सरकारी कंपनियों पर बाय (खरीदें) की रेटिंग बरकरार रखी है। वहीं, दूसरी ओर सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों के लिए कुछ वित्तीय जोखिमों की चेतावनी दी है।

सरकार को मिलेंगे अरबों रुपये

ब्रोकरेज फर्म ने कहा है कि ओएमसी का ऑटो-फ्यूल पर मिला-जुला ग्रॉस मार्केटिंग मार्जिन लगभग 8.2 रुपये प्रति लीटर है, जबकि ऐतिहासिक रूप से यह 3.5 रुपये प्रति लीटर रहा है। इसका मतलब है कि एक्साइज ड्यूटी में 3 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गुंजाइश है। फर्म ने यह भी बताया है कि एक्साइज ड्यूटी में हर 1 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से केंद्र सरकार को सालाना 165 अरब रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है।

कच्चा तेल क्यों हो सकता है सस्ता? जेएम फाइनेंशियल ने वैश्विक तेल बाजारों में लगातार बनी हुई अधिक आपूर्ति को ब्रेंट क्रूड की कीमतों में नरमी का मुख्य कारण बताया है। फर्म ने कहा है कि इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी का अनुमान है कि साल 2025 में वैश्विक तेल अधिशेष लगभग 2.3 मिलियन बैरल प्रति दिन रहा, जो 2026 में बढ़कर लगभग 3.8 मिलियन बैरल प्रति दिन हो जाएगा। यह वृद्धि ओपेक+ देशों द्वारा उत्पादन बढ़ाने और गैर-ओपेक देशों से आपूर्ति बढ़ने के कारण होगी। अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौते के तहत रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाती है, तो इससे आपूर्ति का दबाव और बढ़ सकता है।

डॉलर की मजबूती ने सोना-चांदी समेत सात धातुओं की तोड़ी कमर

एक ही दिन में कीमतों में आई 14000 रुपए तक की गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। सोना-चांदी के दामों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट देखने को मिली है। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में न सिर्फ गोल्ड और सिल्वर, बल्कि निकल, तांबा, एल्युमिनियम, जिंक और लेड जैसे पांच अन्य मेटल भी बुरी तरह टूट गए। कुछ मेटल्स में तो गिरावट 10 फीसदी तक पहुंच गई। सबसे ज्यादा झटका चांदी को लगा, जो एक ही दिन में 14 हजार रुपए से ज्यादा गिर गई। निवेशकों और कारोबारियों के मन में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि पूरा मेटल मार्केट एक साथ क्रैश कर गया? कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के मुताबिक, इस तेज गिरावट के पीछे एक ही बड़ी वजह है- अमेरिकी डॉलर की मजबूती। कारोबार के दौरान सोने ने 1,37,996 रुपए का हाई और 1,36,443 रुपए का लो लेवल छुआ। इससे पहले के सत्र में सोना 1,38,009 रुपए पर बंद हुआ था। यानी साफ है कि सोने में करीब 0.96 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी की हालत और भी ज्यादा खराब रही। 5 मार्च 2026 एक्सपायरी वाली सिल्वर में 5.65 फीसदी यानी 14,152 रुपए की भारी गिरावट आई और कीमत 2,36,453 रुपए प्रति किलो पर आ गई। दिन के दौरान चांदी 2,51,889 रुपए के हाई से फिसलकर 2,36,044 रुपए के लो तक पहुंची। पिछले सत्र में यह 2,50,605 रुपये पर बंद हुई थी।

जारी रह सकती है गिरावट

अनुज गुप्ता बताते हैं कि डॉलर में आई मजबूती की जड़ अमेरिका के एक बड़े फैसले से जुड़ी है। अमेरिका ने अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से 30 से 40 अरब डॉलर का तेल एक्सपोर्ट करने का ऐलान किया है। इससे डॉलर की डिमांड बढ़ी और वह मजबूत हुआ। जब डॉलर मजबूत होता है, तो मेटल्स निवेश के लिहाज से कमजोर पड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मेटल्स में यह गिरावट अभी एक-दो दिन और रह सकती है। हालांकि, अगले हफ्ते बाजार में कुछ स्थिरता आने या हल्की रिकवरी की उम्मीद भी जताई जा रही है। ऐसे में निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी जा रही है।

बाजार पर नजर

बीते वर्ष में मुंबई हवाई अड्डे पर यात्री बढ़कर 5.55 करोड़ हुए

मुंबई, जेएनएन। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री यातायात 2025 में 1.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 5.55 करोड़ हो गया। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह जानकारी दी। एमआईएएल ने बताया कि इनमें से 3.92 करोड़ घरेलू और 1.63 करोड़ से अधिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों ने यात्रा की। इस हवाई अड्डे पर 2024 में यात्री यातायात 5.48 करोड़ था। एमआईएएल के अनुसार छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) में 2025 में यात्री आवाजाही मजबूत मांग और व्यस्त यात्रा अवधि के कारण बढ़ी। एमआईएएल ने बताया कि जनवरी सबसे व्यस्त महीना रहा। इस दौरान हवाई अड्डे का उपयोग लगभग 50 लाख यात्रियों (प्रस्थान और आगमन दोनों) ने किया। इसके बाद नवंबर का स्थान रहा जिसमें 49 लाख यात्रियों ने हवाई अड्डे का उपयोग किया। इसके अलावा, हवाई अड्डे ने नवंबर में तीन सबसे ज्यादा यात्रियों वाले दिन रिकॉर्ड किए। एमआईएएल ने कहा कि वित्त 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा यात्री आए। एमआईएएल ने कहा कि हवाई अड्डे पर कुल 3,31,011 उड़ानों का संचालन हुआ, जिनमें 92,141 अंतरराष्ट्रीय और 2,38,870 घरेलू उड़ानें शामिल हैं। इसके साथ ही 21 नवंबर को एक नया रिकॉर्ड भी बनाया गया, जब एक ही दिन में 1,036 उड़ानें (आवागमन और प्रस्थान) हुईं, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। एमआईएएल ने बताया कि पिछले साल उसने अपने नेटवर्क में कई नई उड़ानें जोड़ीं। 2025 में नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्य शामिल किए गए, जिनमें अल्माटी, अम्मान, बाली (डेन्पसार), कोपेनहेगन, फुजैरा, क्राबी, मैनचेस्टर और त्बिलिसी शामिल हैं।

युवाओं के लिए लांच हुई स्पोर्ट्स बाइक केटीएम आरसी 160

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया की नंबर 1 प्रीमियम मोटरसाइकिल ब्रांड केटीएम ने भारत में नई आरसी 160 बाइक लॉन्च कर दी है। कंपनी का मकसद युवाओं और नए राइडर्स को सीधे रेसिंग की दुनिया से जोड़ना है। यह बाइक खासतौर पर उन राइडर्स के लिए बनाई गई है जो कम बजट में ट्रैक-फोकस्ड परफॉर्मेंस का मजा लेना चाहते हैं। बाइक की एक्स शोरूम कीमत 1.85 लाख रुपये रखी गई है और यह देशभर के केटीएम डीलरशिपों में उपलब्ध होगी।

आकर्षक और रेसिंग वाला डिजाइन

केटीएम आरसी 160 में एग्रेसिव लुक और रेसिंग डीएनए देखने को मिलता है, जो आरसी सीरीज की पहचान है। इसकी फुल-फेयर्ड बॉडी, शार्प पैनल्स और एयरोडायनामिक डिजाइन। इसे ट्रैक के लिए परफेक्ट बनाता है। आरसी 160 सिर्फ एक एंट्री-लेवल बाइक नहीं है, बल्कि यह युवा राइडर्स के लिए रेसिंग की दुनिया में पहला कदम है। प्रिसीजन हैंडलिंग और बैलेंस्ड चेसिस इसे रोजमर्रा की राइडिंग और ट्रैक दोनों के लिए उपयुक्त है। लॉन्च के मौके पर केटीएम के प्रो-बाइकिंग प्रेसिडेंट मानिक नांगिया ने कहा कि आरसी 160 के जरिए कंपनी फैक्ट्री रेसिंग का जोश और अनुभव ज्यादा लोगों तक पहुंचाना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह बाइक उन युवाओं के सपनों को पूरा करती है जो स्पीड, कंट्रोल और कॉन्फिडेंस के साथ बाइक चलाना चाहते हैं। आरसी 160 में 37एमएम इनवर्टेड फ्रंट फोर्क्स, रियर मोनोशॉक सस्पेंशन, 17-इंच अलॉय व्हील्स और ट्यूबलेस टायर्स जैसे फीचर्स हैं। ब्रेकिंग के लिए आगे 320एमएम और पीछे 230एमएम डिस्क ब्रेक के साथ डुअल-चैनल एबीएस दिया गया है, जिसमें सुपरमोटो मोड भी शामिल है।

परफेक्ट एंट्री-लेवल स्पोर्ट्स बाइक है आरसी 160

बाइक में 13.75 लीटर फ्यूल टैंक, ऑल-एलईडी लाइट्स, एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्प्लिट हैंडलबार, स्लिपर क्लच और इलेक्ट्रॉनिक फ्यूल इंजेक्शन जैसी सुविधाएं मिलेंगी। कुल मिलाकर, केटीएम आरसी 160 स्टाइलिश, टेक्नोलॉजी-लोडेड और रेसिंग इंस्पायर्ड बाइक है, जो युवाओं के लिए परफेक्ट एंट्री-लेवल स्पोर्ट्स बाइक साबित होगी।

एयर इंडिया को मिला पहला ड्रीमलाइनर विमान

नई दिल्ली, जेएनएन। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने निजीकरण के बाद अपना पहला बोइंग 787-9 विमान प्राप्त कर लिया है। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में सरकार से विमानन कंपनी का स्वामित्व हासिल किया था। यह एयर इंडिया के लिए विशेष रूप से विनिर्मित या 'लाइन फिट' पहला ड्रीमलाइनर विमान भी है। सामान्य तौर पर, 'लाइन फिट' का तात्पर्य किसी विशेष विमानन कंपनी के लिए विशेष रूप से विनिर्मित विमान से होता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि एयर इंडिया ने सात जनवरी को सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में 'ड्रीमलाइनर' का स्वामित्व हासिल किया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है। जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद एयर इंडिया द्वारा लिया जाने वाला यह पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है। नए विमान में तीन श्रेणियों इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास होंगी। एयर इंडिया ने आखिरी बार 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर अक्टूबर 2017 में हासिल किया था जब विमानन कंपनी सरकार के स्वामित्व में थी। अधिकारी ने बताया कि यह नवीनतम विमान उसका पहला 'वाइड-बॉडी' विमान है और 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से 52वां विमान है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही 'नैरो-बॉडी' बोइंग 737-8 के 51 विमान की आपूर्ति मिल चुकी है। इसमें दिसंबर के अंत में शामिल किया गया उसका पहला 'लाइन फिट' विमान भी शामिल है।

टाटा समूह ने 220 दिया 220 विमानों का आर्डर
टाटा समूह द्वारा जनवरी 2022 में अधिग्रहण के बाद, एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का ऑर्डर दिया।

बिजली क्षेत्र में 3.02 लाख करोड़ की परियोजनाएं शुरू

नयी दिल्ली, जेएनएन। बहुद्देशीय एवं मल्टी-मॉडल मंच प्रगति के तहत प्रधानमंत्री के स्तर पर निगरानी किए जा रहे 53 परियोजनाओं में से 3.02 लाख करोड़ रुपये की 43 परियोजनाएं 31 दिसंबर, 2025 तक चालू हो चुकी हैं। अधिकारी ने बताया कि 10 निर्माणाधीन परियोजनाओं में 1,10,467 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। सक्रिय राजकाज और समय पर कार्यान्वयन (प्रगति) मंच के तहत वर्ष 2015 से 4.12 लाख करोड़ रुपये की 53 परियोजनाओं की समीक्षा की गई है और इनमें से 3.02 लाख करोड़ रुपये की 43 परियोजनायें चालू हो चुकी हैं। चालू परियोजनाओं में, सरकारी कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया 20 परियोजनाओं के साथ सबसे ऊपर है। उसके बाद एनटीपीसी 14 परियोजनाओं के साथ दूसरे स्थान पर है। एनएचपीसी, एनईईपीसी, टीएचडीसी, स्टरलाइट ने भी दो-दो परियोजनाओं को चालू किया है। उत्तर प्रदेश का एक पारेषण परियोजना भी चालू हो गयी है। दस निर्माणाधीन परियोजनाओं में, पीजीआईसीएल, एनटीपीसी, एनएचपीसी, टीएचडीसी और स्टरलाइट की दो-दो परियोजनाएं हैं। 'प्रगति' के तहत आने वाली परियोजनाओं की निगरानी प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडलीय सचिव जैसे अलग-अलग स्तर पर की जाती है।

पुलिस से गाली-गलौज, भाजपा नेता सहित चार पर केस दर्ज

जागरण, धार। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस से गाली-गलौज करने पर पूर्व पार्षद और भाजपा नेता सन्नी उर्फ विशाल राठौर सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि चेकिंग के दौरान जब एएसआई ने दस्तावेज दिखवाने व चालानी कार्रवाई की बात कही, तो भाजपा नेता ने पुलिसकर्मियों से अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की। विवाद बढ़ने पर थाने से अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने भाजपा नेता सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अयोध्या बायपास पर पेड़ कटाई पर रोक बरकरार इधर मेट्रो के नाम से उजाड़ रहे शहर की हरियाली

एनजीटी में हुई सुनवाई, एनएचएआई को दो दिन में देनी है स्टेटस रिपोर्ट

नगर संवाददाता, भोपाल। अयोध्या बायपास पर दस लेन रोड बनाया जा रहा है। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए सड़क के दोनों ओर पेड़ों की कटाई होना है, इसमें से 60 फीसदी से अधिक पेड़ काट दिए गए हैं। शेष 40 फीसदी पेड़ बचे हुए हैं। यह मामला फिलहाल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में विचाराधीन है। गुरुवार को एनजीटी में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान एनजीटी ने पेड़ों की कटाई पर लगी रोक को बरकरार रखा है। इसके अलावा एनजीटी ने आदेश दिया है कि नेशनल हाइवे अर्थारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) दो दिन में पूरे मामले की स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। गौरतलब है कि एनएचएआई द्वारा 836 करोड़ रुपए की लागत से 10 लेन सड़क बनाई जा रही है। इसकी लंबाई करीब 16 किलो मीटर है। यह सड़क रत्नागिरी चौराहे से एयरपोर्ट के पास आशाराम तिराहा तक बनाई जाना है। सड़क के दोनों ओर हजारों पड़े खड़े हुए हैं, जो वर्षों पुराने हैं। सड़क चौड़ीकरण के कारण इन पेड़ों को काटा जा रहा है। इनमें से अधिकांश पेड़ काट दिए गए हैं, जबकि कुछ पेड़ अभी बचे हुए हैं। स्थानीय लोग इन पेड़ों को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं।

रोक से पहले ही बीएमसी ने चलाई आरी
सड़क निर्माण का जिम्मा एनएचएआई के पास है, लेकिन यहां पेड़ों को काटने का काम नगर निगम भोपाल द्वारा किया गया है। कुछ दिन पहले एनएचएआई के कहने पर बीएमसी ने अपना अमला भेज कर अंधाधुंध तरीके से पेड़ों की कटाई शुरू कर दी थी। जब लोगों ने इन पेड़ों की कटाई को देखा तो वह इसके विरोध में उतर आए।

अब दिल्ली में होगी मामले की सुनवाई

याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना ने बताया कि गुरुवार को हुई सुनवाई में सभी पक्षों को सुनने के बाद एनजीटी ने इस मामले को प्रिंसिपल बेंच को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इसके साथी शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की युगल पीठ ने टिप्पणी की है कि आर्थिक विकास और राजमार्गों के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई को नियंत्रित करने के लिए पूरे देश में एक समान नीति की आवश्यकता है। बेंच अध्यक्ष ने नई दिल्ली से अनुरोध किया गया है कि वे एक बड़ी बेंच का गठन करें जो सतत विकास, प्रदूषक भुगतान और एहतियाती सिद्धांत के आधार पर इस राष्ट्रीय नीति का प्रारूप तय करेगी।

भोपाल के फेफड़े काटे जा रहे

याचिकाकर्ता के वकील हरप्रीत सिंह गुप्ता और सृजन जैन ने तर्क दिया कि यह पेड़ भोपाल के लोगों के लिए फेफड़ों का काम करते हैं और इन्हें बचाना अनिवार्य है। सुनवाई के दौरान मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के उस निर्देश को भी दोहराया गया, जिसके तहत राज्य में पेड़ों की कटाई या छंटाई के लिए एनजीटी द्वारा गठित समिति की पूर्व अनुमति अनिवार्य है।

मेट्रो के लिए गोविंदपुरा में काटे पेड़

भोपाल में एक तरफ जहां पेड़ों की कटाई को लेकर हंगामा मचा हुआ है। वहीं मेट्रो के नाम पर अब पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है। गुरुवार को गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के मेन गेट के सामने दर्जनों पेड़ों को काट दिया गया। जब पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता उमाशंकर तिवारी ने इस मामले में पेड़ काटने वालों से पूछताछ की और उन्हें बताया कि पेड़ों की कटाई पर रोक लगी है तो पेड़ काटने वालों ने कहा कि मेट्रो कार्य के लिए रोक नहीं लगी है। कर्मचारियों ने गोविंदपुरा क्षेत्र में आईटीआई से लेकर पिपलानी तक पेड़ों को चिन्हित कर लिया है और सैंकड़ों पेड़ अब यहां भी काटे जाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हॉर्स पॉवर तक कृषि पंप कनेक्शन मात्र 5 रूपये में

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए सिंचाई कार्य के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत संयोजन के लिए आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है। यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहाँ विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। यह योजना मध्य क्षेत्र एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में भी जारी है। कंपनी द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित कर ली जाएगी।

यह निर्णय मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी विनियम-2022 के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है। कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है। कंपनी प्रबंधन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे किसानों को समय पर लाभ मिल सके।

अपनी सूझबूझ से रेल हादसा टालने वाले कर्मचारी सम्मानित

भोपाल। ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 15 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबन्धक पंकज त्यागी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं संरक्षा नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों द्वारा विभिन्न स्टेशनों एवं सेक्शनों पर रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल, धुआं निकलते वैगन, ओएचई ट्रिप, क्रैक एवं अन्य असामान्य परिस्थितियों को समय रहते पहचान कर संबंधित को सूचित किया गया तथा ट्रेनों को सुरक्षित रूप से रोका गया, जिससे रेल यातायात सुरक्षित रहा। इस अवसर पर डीआरएम पंकज त्यागी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा

ग्राम पंचायत बांसा में सात साल से सामुदायिक शौचालय पर लटका ताला

लाखों की लागत से बना भवन रखरखाव के अभाव में बन रहा खंडहर

गोविंदगढ़ ब्यूरो। एक तरफ जहाँ केंद्र और राज्य सरकारें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत गाँवों को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। ताजा मामला रीवा जिले के जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत बांसा से सामने आया है, जहाँ लाखों रुपये की लागत से बना एक सामुदायिक स्वच्छता परिसर पिछले 6 सालों से सिर्फ एक शोपीस बनकर खड़ा है। संवाददाता को ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर पर एक बड़ा सा ताला लटका है जो न सिर्फ ग्रामीणों को सुविधा से वंचित कर रहा है, बल्कि सरकारी धन के घोर दुरुपयोग की एक जीती-जागती मिसाल भी पेश कर रहा है।

7 साल से बंद, जनता बेहाल

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, लगभग छह साल पहले गाँव के सार्वजनिक स्थल पर इस सामुदायिक शौचालय का निर्माण बड़े जोर-शोर से कराया गया था। इसका उद्देश्य स्पष्ट था - गाँव के वे परिवार जिनके पास निजी शौचालय नहीं हैं, या फिर खेतों में काम करने वाले मजदूर, राहगीर और विशेषकर महिलाएँ इसका उपयोग कर सकेंगी, जिससे गाँव में स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा। निर्माण कार्य पूरा हुआ, भवन बनकर तैयार हो गया, लेकिन ग्रामीणों की उम्मीदों पर तब पानी फिर गया जब इस पर एक ताला लटका दिया गया। यह ताला आज 6 साल बीत जाने के बाद भी नहीं खुला है। यह भव्य इमारत आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है और ग्रामीणों के किसी काम नहीं आ रही है।

ताला बंद होने से ग्रामीणों में आक्रोश

इस स्थिति को लेकर ग्राम पंचायत बांसा के निवासियों में भारी आक्रोश है। गाँव के लोग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक संवाददाता से एक बुजुर्ग ग्रामीण ने कहा, यह सफेद हाथी हमारे सामने खड़ा है। 7 साल हो गए, इसे देखते-देखते हमारी आँखें थक गईं। हमें आज भी मजबूरन खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। जब इसे खोलना ही नहीं था, तो हमारे टैक्स के लाखों रुपये इस इमारत पर खर्च की क्या जरूरत थी? एक अन्य ग्रामीण महिला ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा, शौचालय सामने है, पर हम उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? यह महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा का भी सवाल है। यह सरकारी पैसे की सीधी बर्बादी है और इसकी जांच होनी चाहिए।

लापरवाही का स्मारक बनता भवन

रखरखाव और उपयोग के अभाव में, 7 साल से बंद यह भवन अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होने लगा है। दीवारों पर जाले लग गए हैं, और अंदेशा है कि जल्द ही इसके दरवाजे-खिड़कियाँ भी जर्जर होकर टूट जाएँगे। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है, जब संभव है कि कागजों पर इस शौचालय को संचालित दिखाकर ग्राम पंचायत को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया गया हो और संबंधित अधिकारियों ने अपनी पीठ भी थपथपा ली हो।

लोगों ने प्रशासन से पूछे यह सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह ताला क्यों लटका है? क्या इसके संचालन के लिए किसी स्व-सहायता समूह या स्वच्छताग्राही को जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई? क्या इसमें पानी की टंकी, मोटर या बिजली कनेक्शन जैसे जरूरी इंतजाम ही नहीं किए गए? या फिर पंचायत और जनपद के अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी के कारण यह जनता को समर्पित ही नहीं हो पाया? कारण जो भी हो, सवाल यह है कि निर्माण एजेंसी द्वारा हैंडओवर किए जाने के बाद 7 साल तक इसे चालू क्यों नहीं कराया गया? इस पूरे मामले में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव से लेकर जनपद पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जिला प्रशासन तक की भूमिका सवालों के घेरे में है। बहरहाल, बांसा का यह बंद पड़ा शौचालय रीवा जिले में स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

भूमि पर अवैध कब्जे के विरोध में किसानों ने सौंपा ज्ञापन

अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

सिरमौर। सिरमौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत यूथ कांग्रेस के महासचिव अनूप सिंह पड़री के नेतृत्व में किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर अनूप सिंह पड़री ने बताया कि ग्राम पंचायत पड़री के लगभग 50 हरिजन-आदिवासी किसानों की भूमि पर क्षेत्र के कुछ सरहंग लोगों एवं वन विभाग के अधिकारियों द्वारा अवैधानिक रूप से कब्जा कर लिया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि उक्त भूमि का संपूर्ण रिकॉर्ड ग्राम पड़री के हरिजन-आदिवासी किसानों के नाम दर्ज है। चूंकि यह भूमि वन विभाग की सीमा से लगी हुई है, इसी का अनुचित लाभ वन विभाग के अधिकारी उठा रहे हैं। किसानों ने कई बार तहसीलदार सिरमौर के समक्ष सीमांकन हेतु आवेदन प्रस्तुत किए, किंतु आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। अनूप सिंह पड़री ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिवस के भीतर सीमांकन कराकर सभी किसानों को उनकी स्वामित्व की भूमि वापस नहीं दिलाई जाती है तो सिरमौर मुख्यालय में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से कांग्रेस नेता सिद्धनाथ पाण्डेय, अनूप सिंह पड़री (महासचिव, यूथ कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र सिरमौर), प्रवीण सोनी (जिला उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग), नीरज सोनी (ब्लॉक अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस सिरमौर), ऋतिक मिश्रा, अभिषेक सिंह, छोटेलाल साकेत, सुदामा साकेत, राहुल साकेत, सुरेश कोल, जयलाल साकेत, लालन साकेत, गणेश साकेत, रामनाथ, रामलौटन साकेत, बाबूलाल साकेत सहित किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इंदौर में अस्वच्छ जल से मौतों पर चाकघाट में बवाल

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर जताया विरोध

त्योंथर ब्यूरो। इंदौर में अस्वच्छ जल पीने से दर्जनों आम नागरिकों के मौत एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घंटा जैसे गैर जिम्मेदार बयान से प्रदेशभर में राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का गुस्सा लगातार उबाल पर है। संवाददाता को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बताया कि बुधवार को चाकघाट में कांग्रेस नेता कमांडो अरुण गौतम के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया है। करीब 2 किलोमीटर तक पुतले की शव यात्रा भी निकाली गयी। यह यात्रा चाकघाट बॉर्डर से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए बघेड़ी चौराहा पहुंची जहां मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया है। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की।

कमांडो के जन्म दिवस पर क्षेत्रवासियों ने दी शुभकामनाएं

त्योंथर क्षेत्र में समाजसेवा का कार्य कर रहे कांग्रेस पार्टी के नेता कमांडो अरुण गौतम को उनके जन्मदिवस पर क्षेत्रभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और उनके समर्थकों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कमांडो अरुण गौतम कमांडो सेना नामक संगठन के प्रमुख भी हैं, जो विशेष रूप से सामाजिक न्याय, युवाओं के अधिकार, रोजगार और जनहित के मुद्दों पर केंद्रित है। समर्थकों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि अरुण गौतम निडर नेतृत्व, स्पष्ट विचारधारा और ज़मीनी स्तर पर सक्रिय कार्यशैली के लिए पहचाने जाते हैं। शिक्षा, युवाओं से जुड़े मुद्दे, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय विकास को लेकर वे लगातार आवाज उठाते रहे हैं। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि कमांडो अरुण गौतम आगे भी इसी तरह जनता की आवाज बनकर त्योंथर क्षेत्र सहित पूरे रीवा जिले में सामाजिक न्याय और विकास के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

हनुमना परियोजना अधिकारी का स्वेच्छाचारिता से क्षेत्र की आंगनवाड़ियों का नहीं हो रहा संचालन

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के महिला बाल विकास हनुमना परियोजना अधिकारी सविता श्याम परस्ते पर भ्रष्टाचार के लगातार आरोप लगते रहे हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि परियोजना अधिकारी द्वारा आंगनवाड़ियों का कभी भी भ्रमण नहीं किया जाता और न ही आंगनवाड़ी कभी संचालित होती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जमीनी हकीकत में इसमें बच्चे ही नहीं पाए जाते हैं फिर भी कागजों पर संचालित हो रही हैं क्योंकि

आंगनवाड़ी के कार्यकर्ता एवं सहायिका को परियोजना अधिकारी द्वारा छूट प्राप्त है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि जब भी हमारे द्वारा किसी भी तरह का विरोध किया जाता है तो कार्यकर्ता एवं सहायिका यह बोलती हैं जिसको जो करना है वह कर लो। परियोजना अधिकारी हमारे साथ हैं। ग्रामीणों सहित सामाजिक कार्यकर्ता साजन पंडित आदि का कहना है कि यदि परियोजना अधिकारी का रवैया ऐसा ही रहा तो मासूमों को मिलने वाला निवाला यूं ही अधिकारियों द्वारा निगल लिया जाएगा। ग्रामीणों ने कलेक्टर सहित उच्च अधिकारियों से परियोजना अधिकारी की स्वेच्छाचारिता की जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

दुअरानाथ वन में प्रकृति भ्रमण से पर्यावरण संरक्षण करने दिया संदेश

बिरसा मुंडा शा.महाविद्यालय द्वारा कार्यक्रम हुआ आयोजित

जवा ब्यूरो। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां जिला रीवा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत दुअरानाथ वन परिक्षेत्र डभौरा में प्रकृति भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इको क्लब प्रभारी डॉ. बी. पी. सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता एवं वन पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरुकता विकसित करना था। प्रकृति भ्रमण के दौरान छात्राओं को वन क्षेत्र में पाई जाने वाली विभिन्न वृक्ष प्रजातियों, वनस्पतियों तथा जैव विविधता की जानकारी दी गई। डॉ. बी. पी. सिंह द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संतुलन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रकृति के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से समझा। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पौधरोपण एवं सतत विकास जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। महाविद्यालय प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए इको क्लब प्रभारी डॉ. बी. पी. सिंह एवं सभी सहभागी छात्राओं की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कलेक्टर मऊगंज ने धान खरीदी केन्द्र पन्नी का किया निरीक्षण

मऊगंज। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने धान उपार्जन केंद्र पन्नी का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी केन्द्र में निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए धान का उपार्जन करें। किसानों से गुणवत्ता पूर्ण धान खरीदें। उपार्जित धान का तत्काल परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराएं। किसानों को अधिकतम तीन दिवस में भुगतान सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित खरीदी केन्द्र प्रभारी को बारदाने की उपलब्धता, धान की निश्चित मात्रा में तौल, हम्माल की उपलब्धता, किसानों की दी जा रही सुविधाओं तथा धान के भण्डारण के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पंजीकृत किसानों से 20 जनवरी तक धान का उपार्जन किया जाएगा। किसान अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल स्लॉट बुक करके धान का उपार्जन कराएं। स्लॉट बुक करने की सुविधा 13 जनवरी तक दी गई है। निरीक्षण के समय संबंधित अधिकारी तथा किसान उपस्थित रहे।

शा. मा. विद्यालय चौर के प्रधानाध्यापक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

पीड़ित महिला ने जिला शिक्षा अधिकारी रीवा से की कार्रवाई की मांग

जवा ब्यूरो। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जवा अंतर्गत संचालित शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौर में पदस्थ प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर वर्मा के ऊपर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाते हुए विटोल देवी वर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक रीवा के यहां लिखित शिकायत पत्र सौंपकर उच्च स्तरीय जांच कराकर कार्यवाही की मांग की गई थी लेकिन 4 माह बीत जाने के बाद भी अधिकारियों के द्वारा प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर वर्मा के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की गई, शिकायतकर्ता ने संवाददाता को बताया कि वर्ष 2010-11 में फर्जी तरीके से अतिथि शिक्षक के नाम पर शासकीय भुगतान निकाल लिया गया है जिसकी संपूर्ण राशि की वसूली की आदेश दिया गया दो वेतन वृद्धि रोक दिया गया लेकिन फर्जीवाड़ा करने वाले इस प्रधानाध्यापक के खिलाफ जिला शिक्षा अधिकारी रीवा तथा जिला समन्वक रीवा के द्वारा धोखाधड़ी का प्रकरण पंजीबद्ध नहीं दर्ज कराया गया। छात्रों को बैठने के लिए दो लाख पांच हजार रुपया टेबल कुर्सी के लिए आया था जिसे नहीं खरीदा, पूरी राशि फर्जी बिल वाउचर बनाकर निकाल करके गबन कर लिया गया । 25 वर्षों में जितनी कंटीन्जेंसीज राशि आई उसे भी फर्जी तरीके से निकाल गया है। विटल देवी ने शिकायत में लिखा है कि पंखा, बर्तन गिलास, खेलकूद की सामग्री टेबल कुर्सी आदि सभी सामान अपने घर उठा ले गये। साथ ही कहा कि प्रधानाध्यापक कभी शिक्षण कार्य भी नहीं करते, इधर-उधर लड़ाई झगड़ा करते रहते हैं । पीड़िता ने जिला प्रशासन का ध्यानाकृष्ट कराकर कार्यवाही की मांग की है।

उपचार तथा स्टाफ की उपस्थिति के संबंध में ली जानकारी

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सिविल अस्पताल मऊगंज का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और निर्माणाधीन दो सौ बिस्तर वाले अस्पताल भवन के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल भवन का कार्य तेजी से कराएं ताकि क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही आवश्यक एवं उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और गुणवत्ता मानकों का विशेष रूप से पालन कराएं। अस्पताल में स्वच्छता आवश्यक है। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखें जिससे संक्रमण की संभावना न रहे। परिसर में नियमित सफाई, और कचरा प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने ओपीडी, आपातकालीन कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण काउंटर, लैब एवं अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता तथा स्टाफ की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने चिकित्सकों को मरीजों के उपचार में संवेदनशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। दवाओं और जांच सुविधाओं की उपलब्धता और आवश्यक उपकरणों के सुचारू संचालन पर ध्यान रखें। कलेक्टर ने कहा कि कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र मरीजों तक पूरी पारदर्शिता और तत्परता से पहुंचाएं। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं गंभीर रोगियों की विशेष देखभाल सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर पवन गोरैया, बीएमओ डॉ. प्रद्युम्न शुक्ला सहित अन्य चिकित्सक और एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर मऊगंज ने 10 दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

मऊगंज। अपर कलेक्टर मऊगंज पीके पाण्डेय ने अमानक खाद्यान्न विक्रय करने वाले 10 दुकानदारों पर जुर्माने के आदेश दिए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दुकानों तथा होटलों में खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। नमूनों के अमानक पाए जाने पर जुर्माने की कर्यवाही की गई है। जुर्माने की राशि सात दिन की समय सीमा में जमा न करने पर वसूली की कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार पंकज गुप्ता संचालक पंकज ढावा हनुमना पर 10 हजार रुपए, राजकिशोर पटेल संचालक राजू होटल नईगढ़ी पर 20 हजार रुपए, बृजेश यादव संचालक यादव डेयरी बस स्टैण्ड मऊगंज पर 11 हजार रुपए तथा राजेश कुमार गुप्ता संचालक राजेश किराना स्टोर खटखरी पर 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है।

बसामन मामा की जन्मस्थली कुम्हरा आज भी उपेक्षा की शिकार

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर उठे गंभीर सवाल

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र की आत्मा कहे जाने वाले ब्रह्म देव बसामन मामा की जन्मस्थली आज अपने ही अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। ग्रामवासियों ने संवाददाता को बताया कि ग्राम पंचायत खारा अंतर्गत कुम्हरा गांव, जहां तपोपुरुष बसामन मामा का जन्म हुआ, वह स्थान आज भी जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए गुहार लगा रहा है। यह वही ऐतिहासिक और दिव्य स्थल है जिससे सेमरिया विधानसभा की पहचान और आस्था जुड़ी हुई है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि वर्षों से प्रस्तावों और घोषणाओं के बावजूद यह स्थान आज भी उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। स्थानीय लोगों में आज भी बसामन मामा के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था है। ग्रामीण गर्व के साथ कहते हैं कि यह बसामन मामा की जन्मभूमि है, जहां दर्शन मात्र से आत्मिक शांति मिलती है। इसके बावजूद इस धार्मिक स्थल की वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंतजानक हैं, जहां अनोखा और दिव्य सौंदर्यीकरण होना चाहिए था वहां आज बेरंग और उपेक्षित स्वरूप नजर आता है।

उबड़-खाबड़ जमीन कर रही श्रद्धालुओं का स्वागत

ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि जहां भव्य चबूतरे का निर्माण होना चाहिए था वहां उबड़-खाबड़ जमीन श्रद्धालुओं का स्वागत कर रही है और जहां मूर्तियों के लिए भव्य कुटी होनी चाहिए थी वहां मूर्तियां आज भी खुले आसमान के नीचे रखी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन बसामन मामा के नाम से सम्पूर्ण सेमरिया विधानसभा का अस्तित्व और आधार जुड़ा है, उन्हीं की जन्मस्थली को आज तक भव्य रूप क्यों नहीं मिल पाया। क्या इस पवित्र स्थल पर भी राजनीति हावी है क्या आस्था के नाम पर सिर्फ भाषण और बसामन मामा की जय ही जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनकर रह गयी है। जनप्रतिनिधि तो स्वयं भक्ति, ज्ञान और आत्मशक्ति की बात करते हैं लेकिन बसामन मामा की जन्मस्थली के जीर्णोद्धार हेतु प्रस्ताव पारित कर धरातल पर कार्य प्रारंभ क्यों नहीं हो पाया यह प्रश्न आज पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रस्ताव पारित होने के बाद भी नहीं हुआ अमल

ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि ग्राम पंचायत खारा के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है यदि पूर्व एवं वर्तमान सरपंच द्वारा सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव पारित किया गया था, तो आज तक कार्य प्रारंभ क्यों नहीं हुआ, क्या इस पवित्र प्रस्ताव के नाम पर निजी हितों का पोषण किया जा रहा है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का मानना है कि एक प्रसिद्ध और ऐतिहासिक धार्मिक स्थल का आज तक मूर्त रूप न ले पाना सीधे तौर पर जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। क्षेत्र की जनता यह जानना चाहती है कि क्या बसामन मामा की जन्मभूमि को उसका वास्तविक गौरव और सम्मान मिलेगा या फिर यह दिव्य स्थल यूं ही उपेक्षा का दंश झेलता रहेगा। ग्राम वासियों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे राजनीति से ऊपर उठकर इस पवित्र धरोहर के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए क्योंकि यह केवल एक गांव या पंचायत का नहीं बल्कि पूरे सेमरिया की आस्था और पहचान का सवाल है।

न्यूज कार्नर

कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री ने की गौवंश सुरक्षा की मांग

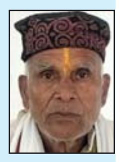

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री पं. सुखसागर प्रसाद शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से गौवंश सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड में किसान खेतों में किसानी करता है, इसके बावजूद भी उसकी फसल सुरक्षित नहीं हो पाती। हाल यह है कि रात दिन किसानों को खेत की तकवाही करनी पड़ती है। खुद को गौ भक्त बताने वाली भाजपा सरकार में गौ माता की दुर्दशा देखने को मिल रही है। गौ माता सड़कों में घूमती नजर आती हैं और दुर्घटना का शिकार होती हैं। वहीं किसानों की फसल गौवंशों के द्वारा चौपट की जा रही है। गौवंशों की वजह से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। रात दिन कड़ी मेहनत करने के बावजूद भी किसानों की फसल सुरक्षित नहीं हो पाती, देखते ही देखते चंद मिनट में आवारा पशु फसलों को चौपट कर रहे हैं। गौवंश की समस्या से हो रहे नुकसान पर कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है। जारी विज्ञप्ति के माध्यम से श्री शुक्ल ने कहा कि हमारे क्षेत्र में गौवंश की समस्या इतनी ज्यादा है कि किसान खेतों में रात भर तकवाही करता है। इसके बाद भी उसकी फसल नष्ट हो जाती है। अन्नदाता किसान दोहरी मार से जूझ रहा है एक तो प्रकृति की मार, दूसरा गौवंश की मार किसान जीए तो जिए कैसे। उन्होंने आगे कहा कि इस ओर शासन प्रशासन का कोई भी अधिकारी कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहा है। श्री शुक्ला ने शासन प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से किसानों के हित को देखते हुए गौवंश सुरक्षा की मांग की है।

प्रभु श्री राम की झांकी का किया दिव्य दर्शन

ग्राम उमरिया में चल रहा है रामलीला मंचन

गुढ़। भगवान श्री राम की रामलीला का आयोजन विधानसभा क्षेत्र गुढ़ के ग्राम उमरिया में विगत कई वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के युवा नेता अर्पित कुशवाहा द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र मिश्रा ने प्रभु श्री राम की झांकी का दिव्य दर्शन और आरती पश्चात रामलीला मंचन को श्रद्धाभाव के साथ देखा। रामलीला देखने ग्रामीण अंचल के लोग इस ठिठुरन भरी ठंड में व्यापक मात्रा में छोटे-छोटे बच्चों के साथ उपस्थित रहते हैं, प्रभु श्री राम के प्रति अंचल के लोगों का उत्साह और प्रेमातुर भाव देखते ही बनता है। रामलीला आयोजन में सरपंच अंगद बसोर और स्थानीय लोगों का सहयोग है।

किसानों ने मवेशियों को गौशाला भेजने सौंपा आवेदन

आंचलिक डेस्क। ग्राम मोलहा, पताई, अतरैला सहित समीपस्थ क्षेत्रों के किसान चंद्रमणि पाण्डेय, बद्री सिंह, चन्द्रमणि प्रसाद तिवारी, देवेन्द्र तिवारी, महेन्द्र प्रसाद मिश्र, पुरषोत्तम पाण्डेय, रामनरेश पाण्डेय, राजकुमार, सुनील सिंह, राकेश तिवारी, संजय सिंह, वीरेन्द्र तिवारी, हृदयेश सिंह आदि ने आवारा मवेशियों से परेशान होकर उन्हें गौशाला में भेजे जाने एसडीएम सिरमौर व गौशाला संचालक हिनौती राजेश पाण्डेय को आवेदन सौंपा। गौशाला संचालक ने ग्रामीणों को बताया कि उनके यहां पहले से ही गौवंश नियत संख्या से अधिक मौजूद हैं। ग्रामवासियों ने कहा कि आवारा गौवंशों का जल्द ही निराकरण किया जाए, अन्यथा किसानों को आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

त्योंथर विधान सभा क्षेत्र में धान खरीदी से किसान संतुष्ट

त्योंथर ब्यूरो। त्योंथर विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा इन दिनों सेवा सहकारी समिति अमाव, सेवा सहकारी समिति कोठिला, सेवा सहकारी समिति सोहरवा, सेवा सहकारी समिति अंतरैला 11, सेवा सहकारी समिति मनिका, सेवा सहकारी समिति परसिया और सेवा सहकारी समिति त्यौंथर में किसानों की धान की खरीदी समितियों के धान खरीदी केंद्र प्रभारियों द्वारा की जा रही है। संवाददाता को किसानों ने बताया कि क्षेत्र में धान की खरीदी शासन के मानदंडों के आधार पर की जा रही है, कुछ अपवादों को छोड़कर स्थितियां सामान्य हैं।

डब्ल्यूपीएल आज से: मुंबई-आरसीबी के बीच ओपनिंग मैच आज शाम 7.30 बजे से नवी मुंबई में, प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर

मुंबई तीसरे खिताब का प्रमुख दावेदार, आरसीबी-दिल्ली भी दौड़ में

जेएनएन, नवी मुंबई

अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। फाइनल मैच 5 फरवरी को वडोदरा में खेला जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा।

गुजरात जाएंट्स : कप्तान एशले गार्डनर

गुजरात जाएंट्स की टीम पिछले साल प्लेऑफ में पहुंचने में कामयाब रही और इस साल वह इससे भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। लेकिन एशले गार्डनर की अगुआई वाली टीम को विदेशी खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा, क्योंकि उसके पास कोई भी शीर्ष भारतीय बल्लेबाज नहीं है। रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु और राजेश्वरी गायकवाड़ के रूप में उसके पास सबसे बड़ी भारतीय स्टार हैं, वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यस्तिका भाटिया चोट के बाद अच्छी वापसी करने के लिए बेताब होगी। विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में उसके पास बेथ मूनी हैं, जबकि दिग्गज न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन पिछले साल डब्ल्यूपीएल से बाहर रहने के बाद इस साल वापसी कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ रेणुका और काश्वी गौतम के साथ नई गेंद साझा कर सकती हैं, जबकि स्पिन गेंदबाजी के विकल्पों में जॉर्जिया वेयरहम, गायकवाड़ और तनुजा कंवर शामिल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स: कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स

मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। दिल्ली के पास विश्व कप विजेता और शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, स्नेह राणा और श्री चरणी हैं। इसके अलावा उसके पास घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली निक्की प्रसाद, मिन्नू मणि और दाएं हाथ की गेंदबाज नंदनी शर्मा भी हैं। दिल्ली की टीम में कई प्रभावशाली विदेशी खिलाड़ी हैं, जिनमें वनडे विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ट भी शामिल हैं। मारिजेन कैप और अलाना किंग उसकी गेंदबाजी का भार संभालेंगी, लेकिन एनाबेल सदरलैंड के हटने से टीम का आक्रमण कुछ हद तक कमजोर हो गया है।

मुंबई इंडियंस : कप्तान हरमनप्रीत कौर

कागजों पर देखा जाए तो मुंबई की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं।

आरसीबी: कप्तान स्मृति मंधाना

आरसीबी के पास मंधाना के अलावा एलिस पेरी जैसी मंझी हुई खिलाड़ी है। इन दोनों पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का जिम्मा होगा। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल, ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस और दक्षिण अफ्रीका की जुझारू ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगी। आरसीबी के पास रिचा घोष के रूप में अदद विकेटकीपर और फिनिशर है। भारत की अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्रकार और इंग्लैंड की लॉरेन बेल आरसीबी की प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उसके पास इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ, भारत की राधा यादव और श्रेयांका पाटिल जैसी अच्छी स्पिन गेंदबाज भी हैं।

यूपी वॉरियर्स: कप्तान मेग लैनिंग

यूपी वॉरियर्स ने मेग लैनिंग के रूप में कप्तानी का सही विकल्प चुना है, लेकिन उत्तर प्रदेश की शिप्रा गिरी के अलावा उसके पास कोई विशेषज्ञ विकेटकीपर नहीं है। उसके बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर फीबी लिचफील्ड, प्रतिका रावल और किरण नवगिरे हैं। प्रतिका का खेलना हालांकि उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। हरलीन देओल और लैनिंग मध्य क्रम को संभाल सकती हैं, लेकिन वॉरियर्स की टीम को एक फिनिशर की भी तलाश करनी होगी। ऐसे में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, क्लो ट्रायोन, डिएंड्रा डॉटिन और शिखा पांडे को दोहरी भूमिका निभानी पड़ सकती है। भारत की क्रांति गौड़ और इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन उसकी गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ होंगी।

- **डबल हेडर:** ओपनिंग सीजन के बाद पहली बार डब्ल्यूपीएल में डबल-हेडर होंगे। ऐसे दो डबल-हेडर रखे गए हैं, जो नवी मुंबई में शनिवार को 10 जनवरी और 17 जनवरी को खेले जाएंगे। डबल-हेडर वाले दिनों में पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा, जबकि सभी शाम के मैच 7.30 बजे शुरू होंगे।
- **चर्चा में :** दिल्ली ने हरियाणा की अनकैप्ड बल्लेबाज दीया यादव को साइन किया है। 16 साल की दीया ने अपना खेल शफाली वर्मा को देखकर गढ़ा है।

खेल एक नजर

बांग्लादेश ने कहा-हम श्रीलंका में खेलना चाहते हैं टी-20 विश्व कप

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने गुरुवार को आईसीसी को दूसरा पत्र लिखकर टी-20 विश्व कप के लिए भारत आने को लेकर सुरक्षा चिंताएं जताई और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई। विश्व कप सात फरवरी से शुरू हो रहा है और बांग्लादेश को कोलकाता में तीन तथा मुंबई में एक मैच खेलना है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर रखने के फैसले के बाद बांग्लादेश ने विश्व कप खेलने भारत आने से इनकार कर दिया। बीसीबी सूत्र ने बताया कि खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरूल से मशविरे के बाद आईसीसी को फिर पत्र लिखा है। आईसीसी जानना चाहती थी कि सुरक्षा को लेकर उसकी क्या चिंताएं हैं और बीसीबी ने इससे अवगत कराया है। आईसीसी ने अभी तक इस पर चुप्पी साध रखी है और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से पूछा है कि सुरक्षा को लेकर उसकी क्या आशंकाएं हैं। समझा जाता है कि बीसीबी खुद इस मसले पर बंटा हुआ है। बोर्ड का एक गुट नजरूल के कट्टर रवैये का पक्षधर है तो दूसरा गुट बातचीत का विकल्प खुला रखना चाहता है।

होप के शतक व एनगिडी की हैट्रिक से कैपिटल्स ने डीएसजी को हराया

डरबन, जेएनएन। शाई होप ने एसए20 का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया, जिसके बाद लुंगी एनगिडी ने लीग की पहली हैट्रिक हासिल की, जिससे प्रिटोरिया कैपिटल्स ने डरबन सुपर जायंट्स (डीएसजी) को एक बड़े स्कोर वाले मैच में 15 रन से हराया। होप ने 69 गेंदों पर नाबाद 118 रन बनाए, जिसमें नौ छक्के और इतने की चौके शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत कैपिटल्स ने चार विकेट पर 201 रन का स्कोर बनाया। जवाब में डीएसजी 19.4 ओवर में 186 रन बनाकर आउट हो गई। जोस बटलर ने नाबाद 97 रन बनाए। कैपिटल्स के लिए एनगिडी ने 39 रन देकर तीन और गिडयोन पीटर्स ने 35 रन देकर तीन विकेट लिए। डीएसजी को अंतिम ओवर में 18 रन की जरूरत थी, लेकिन रोस्टन चेज ने उसे लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। मफाका और नूर अहमद के रनआउट होने के कारण बटलर शतक पूरा नहीं कर पाए।

विक्रम राठौड़ बने टी-20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच

कोलंबो, जेएनएन। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को सात फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए गुरुवार को श्रीलंका का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया। भारत और श्रीलंका मिलकर इस विश्व कप की मेजबानी कर रहे हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा कि श्रीलंका क्रिकेट को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को श्रीलंका राष्ट्रीय टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। इसके अनुसार उन्हें सलाहकार आधार पर नियुक्त किया गया है और उनका मुख्य ध्यान पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 की तैयारी पर होगा। राठौड़ 18 जनवरी से जिम्मेदारी संभालेंगे और 10 मार्च तक टीम के साथ रहेंगे। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राठौड़ ने भारत के लिए छह टेस्ट और सात वनडे मैच खेले हैं।

सरफराज की 15 गेंद में फिफ्टी, लिस्ट-ए में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय

विजय हजारे ट्रॉफी: पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई को एक रन से हराया

जयपुर, जेएनएन। सरफराज खान ने लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक लगाया, लेकिन गुरनूर बरार और मयंक मार्कंडेय के चार-चार विकेटों की मदद से पंजाब ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई को आखिरी गेंद पर एक रन से हरा दिया। ग्रुप-सी से नॉकआउट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके पंजाब और मुंबई के बीच बेहद रोमांचक मैच हुआ। सरफराज ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले और बड़ौदा के अतीत सेठ के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ा। काले ने 1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था, जबकि सेठ ने 2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ यह कारनामा किया था। जीत के लिए 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के सरफराज ने 15 गेंद में अर्धशतक जमाया। मुंबई ने 15 ओवरों के भीतर दो विकेट पर 139 रन बना लिए थे। सरफराज ने 20 गेंद में सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा को तीन छक्के और तीन चौके लगाए। उनके आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने 45 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। सूर्यकुमार यादव 15 और शिवम दुबे 12 रन ही बना सके। मुंबई को सिर्फ 16 रन की जरूरत थी और 27 ओवर तथा पांच विकेट बाकी थे, लेकिन राहुल चाहर ने 23वें ओवर में अय्यर को आउट कर दिया। इसके बाद मैच की तस्वीर पलट गई। मुंबई को चार विकेट बाकी रहते जीत के लिए पांच रन चाहिए थे, लेकिन बाकी सारे विकेट तीन रन के भीतर गंवा दिए।

हार्दिक-जितेश की तूफानी पारी

बड़ौदा ने चंडीगढ़ को 149 रन से हराया, लेकिन नेट रनरेट के आधार पर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूक गया। बड़ौदा ने 49.1 ओवर में 391 रन बनाए। प्रियांशु मोलिया ने 113 रन का योगदान दिया, जबकि हार्दिक पंड्या ने 31 गेंद में नौ छक्कों समेत 75 रन बनाए। जितेश शर्मा ने 33 गेंद में 73 और विष्णु सोलंकी ने 49 गेंद में 54 रन बनाए। जवाब में चंडीगढ की टीम 242 रन पर आउट हो गई और शिवम भांबरी का 95 गेंद में बनाया शतक भी काम नहीं आया।

- झारखंड को त्रिपुरा के हाथों 197 रन की करारी हार झेलनी पड़ी, जिससे उसकी अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। त्रिपुरा ने 50 ओवर में 320 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में झारखंड की टीम 31.1 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई।

शिवांग के पांच विकेट, मध्यप्रदेश क्वार्टरफाइनल में

अहमदाबाद में बाएं हाथ के स्पिनर शिवांग कुमार ने पांच विकेट झटककर करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे मध्य प्रदेश ने स्टार खिलाड़ियों से सुसज्जित कर्नाटक को सात विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत से मध्य प्रदेश ने सात मैच में 20 अंक हासिल कर ग्रुप चरण खत्म किया और कर्नाटक (24 अंक) के बाद विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी। अपना तीसरा लिस्ट-ए मैच खेल रहे 26 साल के शिवांग ने कर्नाटक की छह मैच से चली आ रही जीत की लय तोड़ दी और मजबूत बल्लेबाजी क्रम के बावजूद टीम 47.4 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश ने बिना किसी परेशानी के 23.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज यश दुबे (40) और हिमांशु मंत्री (34) ने 78 रन की साझेदारी कर मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद कप्तान वेंकटेश अय्यर की नाबाद 65 रन की पारी ने टीम को आसान जीत दिलाई। मध्य प्रदेश ने 160 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट पांच विकेट से जीता, एशेज 4-1 से अपने नाम की

पांचवें टेस्ट में कंगारुओं ने 160 रन का लक्ष्य हासिल किया

प्लेयर ऑफ द मैच: हेड 163 व 29 रन प्लेयर ऑफ द सीरीज: स्टार्क 156 रन व 32 विकेट

सिडनी, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद गुरुवार को पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम की। पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गई। इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला। लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचाया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह 39 साल के उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ख्वाजा की आखिरी पारी सात गेंदों तक चली और उन्होंने सिर्फ छह रन बनाए। उन्होंने मैदान पर बने 'थैंक यू उजी' के साइन के सामने घुटने टेककर जमीन को चूमा और 88 टेस्ट मैचों के बाद आखिरी बार पवेलियन लौट गए। इसके बाद लाबुशेन 40 गेंदों पर 37 रन बनाकर रन आउट हो गए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन था। इससे पहले इंग्लैंड में पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 302 रन से आगे बढ़ाई और 40 रन जोड़कर अपने बाकी बचे दोनों विकेट गंवाए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अय्यर को हरी झंडी, वर्मा टी-20 मैचों से बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम टीम का हिस्सा बनने की मंजूरी मिल गई है। श्रेयस को 15 सदस्यीय दल में शामिल तो किया गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर तय था।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित करने के बाद शुक्रवार को वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वड़ोदरा में में होने वाले पहले वनडे से केवल दो दिन पहले वह टीम के साथ जुड़ेंगे। भारत के उपकप्तान श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कतान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, रिषभ पंत, नीतीश रेड्डी, अर्शदीप, यशस्वी जयसवाल।

बाद वह पहली बार भारतीय टीम में वापस आ रहे हैं। सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार गुरुवार की सुबह तिलक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और शुक्रवार को वह हैदराबाद वापस जाएंगे। उनकी हालत स्थिर है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद वह फिजिकल और स्किल ट्रेनिंग वापस शुरू करेंगे। ट्रेनिंग पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आखिरी दो टी-20 में उनके खेलने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

सिंधू और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, जेएनएन। भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की, लेकिन पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले

मलेशिया ओपन बैडमिंटन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। इस तरह से उन्होंने मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 कर दिया है। सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह तथा इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। हालांकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए। शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा।

सिटी स्पोर्ट्स

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए समरदीप का चयन

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के युवा खिलाड़ी समरदीप सिंह का चयन 12वीं एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में किया गया है। यह चैंपियनशिप छह से आठ फरवरी तक चीन के तियानजिन में होगी। एशियाई खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता शॉट-पुट खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर की अगुआई करेंगे।

सौम्यदिप, मौमिता और पारमी बने स्टेट चैंपियन

भोपाल, खेप्र। भोपाल के खिलाड़ियों ने 68वीं टेबल टेनिस स्टेट चैंपियनशिप में चार स्वर्ण और पांच रजत और सहित कुल 9 पदक जीते। इंदौर में खेली गई इस चैंपियनशिप में भोपाल पुरुष टीम ने इंदौर को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष एकल में सौम्यदिप ने शिवम् को 4-3 से और विमेंस एकल में मोमिता ने पारमी को 4-1 से हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 गर्ल्स में पारमी ने अद्विका को 3-2 से हराकर स्वर्ण जीता। अंडर-13 में भोपाल गर्ल्स टीम ने सिल्वर, अंडर-11 में खुशी बघेल ने रजत, पारमी ने रजत, अंडर-15 में हर्षित बघेल ने रजत, पुरुष एकल में शिवम् सोलंकी ने रजत जीता।

ड्रैगन बोट: मप्र ने तीसरे दिन जीते 4 पदक, आठ स्वर्ण के साथ शीर्ष पर

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 14वीं राष्ट्रीय सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरे दिन गुरुवार को दो स्वर्ण और दो कांस्य सहित कुल चार पदक जीते। मप्र आठ स्वर्ण, दो रजत व एक कांस्य सहित दस पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। छोटे तालाब पर मप्र की पुरुष टीम ने डी-10 और डी-20, 500 मी. में रजत पदक जीता। डी-10 जूनियर पुरुष 500 मी. में मप्र ने स्वर्ण, हरियाणा ने रजत व पंजाब ने कांस्य पदक जीता। डी-20 पुरुष वर्ग की 500 मीटर रेस में मप्र ने स्वर्ण पदक, कर्नाटक ने रजत तथा हरियाणा ने कांस्य पदक जीता।

शिवांश के दोहरे प्रदर्शन से फीनिक्स सात रन से जीता

भोपाल, खेप्र। शिवांश दीक्षित (32 रन व तीन विकेट) के दोहरे प्रदर्शन की मदद से भोपाल फीनिक्स ने आएनटीयू को 7 रन से हराकर 31वें आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत दर्ज की है। ओल्ड कैंपियन मैदान पर फीनिक्स ने निर्धारित 18 ओवर में 9 विकेट पर 147 रन बनाए। कप्तान दीपेश प्रसाद ने 34 रन बनाए। आरएनटीयू के मानिक संजय ने तीन, जबकि सतीश अहिरवार, जीतू बागरे और दीपांशु ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में आरएनटीयू टीम 16 ओवर में 140 रनों पर आउट हो गई। उसकी ओर से माणिक संजय ने 42 रनों की पारी खेली। आयुष ठाकुर ने 37 रन बनाए। प्रतीक निगम 15 रनों का योगदान दे पाए। नरेश रेड्डी ने 17 रन देकर चार विकेट लिए।

आज का मुकाबला: दैनिक जागरण बनाम नवदुनिया: मैच सुबह 9 बजे से

पहली बार 4के वॉटर प्रोजेक्शन के साथ होगा खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ

भोपाल, खेप्र। स्वामी विवेकानंद जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर 12 जनवरी को खेलो एमपी यूथ गेम्स का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। शहर के बड़े तालाब पर शाम छह बजे से होने वाले इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थिति रहेंगे। यह देश में पहला मौका है, जब लॉन्चिंग इवेंट के दौरान दर्शकों को 4के वॉटर प्रोजेक्शन देखने को मिलेगा। यह जानकारी गुरुवार को खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी। खेल मंत्री ने बड़े तालाब स्थित वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी पहुंचकर खेलो एमपी यूथ गेम्स की लॉन्चिंग तैयारियों का निरीक्षण किया। समारोह में लोगो, मैस्कॉट, एंथम एवं जर्सी का लोकार्पण किया जाएगा। गेम्स की चयन प्रक्रिया ब्लॉक स्तर से प्रारंभ की जाएगी। इसके अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 12 से 16, जिला स्तरीय 16 से 20, संभाग स्तरीय 21 से 25 तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 28 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी।

दैनिक जागरण
रीवा, 09 जनवरी , 2026
रीवा शहर
www.dainikjagranmpcg.com

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा और सीधी

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 जनवरी को रीवा और सीधी आएंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.30 बजे भोपाल से हवाई जहाज से प्रस्थान कर दोपहर 1.20 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से दोपहर 1.30 बजे प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे हेलीपैड बहरी पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री बहरी में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर 714 निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे।

दिव्यांगों के कल्याण के लिए पर्पल फेयर आज

रीवा। दिव्यांगों के कल्याण के लिए 9 जनवरी को शासकीय उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक एक में पर्पल फेयर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तहत संचालित समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र छतरपुर द्वारा किया जा रहा है।

पेट सफा Laxative Green Tea
Sirf Ek कप चाय, कब्ज़ को Tata Bye-Bye
पेट सफा... तो हर रोग दफा
fssai FSSAI NO.: 10924999000065
Good for Digestion | Helps Relieve Constipation
अगर आपका पेट भी सुबह पूरी तरह से साफ नहीं होता तो इससे छुटकारा अब बिल्कुल आसान है, रात को सोते समय 'पेट सफा' Laxative Green Tea का सिर्फ एक कप पीना है, और सुबह आपका पेट होगा, एक झटके में बिल्कुल साफ और Fresh.
Contact For Dealership 85588 07777 • dealership@divisa.in
Buy Now : amazon | Flipkart | blinkit | 1mg | bigbasket | snapdeal | JioMart

जिला जज के मेल में आया मैसेज

... कोई और रास्ता नहीं बम से उड़ा देंगे न्यायालय

डीजे की सूचना पर हरकत में आई पुलिस, चप्पे-चप्पे को खंगाला, नहीं मिली कोई संदिग्ध सामग्री

जागरण, रीवा

बुधवार की सुबह जिला न्यायालय में उस समय हड़कंप मच गया जब डीजे ने एसपी को मैसेज किया कि उनके मेल में न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज आया है। उक्त मेल दक्षिण भारत के तेलंगाना से आना बताया जा रहा है। सूचना के बाद आनन-फानन में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को अलर्ट किया। भारी संख्या में पुलिस बल, बम स्क्वॉड व डॉग स्क्वॉड की टीम न्यायालय भवन में पहुंची। पूरे न्यायालय भवन व परिसर के चप्पे-चप्पे में सघन जांच की गई। हालांकि कोई भी संदिग्ध सामग्री जांच में नहीं मिली है। पुलिस अब उक्त मेल भेजने वाले आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। रीवा कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी जिला न्यायाधीश के ऑफिशियल ईमेल अकाउंट पर भेजा गया है, इसके साथ ही पड़ोसी जिले मऊगंज के हनुमना में भी इसी तरह की धमकी मिली थी। जिले के मुख्य न्यायाधीश को ईमेल के जरिए मिली धमकी के बाद जिले का प्रशासनिक और पुलिस अमला पूरी तरह से सकते में आ गया। सुबह 9 बजे उक्त मैसेज आया। सूचना के बाद न्यायालय परिसर पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया और कोर्ट के सभी रूम और चैंबर को खाली कराकर अधिवक्ताओं को न्यायालय भवन से दूर रखा गया। मौके पर पहुंचे बम निरोधक दस्ते के द्वारा पूरे कोर्ट परिसर के चप्पे चप्पे की सर्चिंग की गयी। बता दें कि धमकी देने वाले ने दोपहर 2.35 बजे तक का समय दिया था, जिसके चलते पूरे कोर्ट परिसर में हड़कंप की स्थिति निर्मित रही। हालांकि सर्चिंग में किसी भी प्रकार का विस्फोटक सामान नहीं मिला है, लेकिन एहतियात के तौर पर बम निरोधक दस्ते की टीम के साथ-साथ भारी पुलिस बल यहां तैनात रहा।

इस तरह सामने आया मामला : जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के ऑफिशियल ईमेल अकाउंट में एक धमकी भरा मैसेज आया। इस मैसेज में लिखा गया कि तमिलनाडु के कांस्टेबलों को निवेधा पेथुराज और अन्य डीएमके की रखैलों के कपड़े और गंदे बर्तन साफ करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। कई लोगों को इस वजह से अपमान महसूस हुआ है, इसलिए पूर्व एलटीटीई सदस्यों ने आजाद कश्मीर पाक आईएसआई एजेंटों के साथ मिलकर इस प्रथा के खिलाफ आवाज उठाने और तामिलनाडु में कांस्टेबलों के लिए 1979 के नैनार दास पुलिस यूनियन की सिफारिशों को लागू करवाने के लिए आज आपकी कोर्ट को निशाना बनाया है। आगे लिखा है कि हमारी मांगों को सुनाने का हमारे पास कोई और रास्ता नहीं है। इसके अलावा धमकी भरे मैसेज में ब्लास्ट करने का पूरा तरीका भी बताया गया है। यह धमकी भरा मैसेज सिर्फ रीवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी भेजा गया।

> मेल के माध्यम से न्यायाधीश को बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी, जिसकी सूचना के बाद पूरे न्यायालय परिसर की तलाशी ली गई। फिलहाल कोई भी संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। संदेश भेजने वालों की पहचान के लिए ई-मेल सर्वर की जांच की जा रही है। न्यायालय की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तैयारी में है।
>
> **शैलेंद्र सिंह चौहान, एसपी रीवा**

सुरक्षा घेरे में रहा कोर्ट परिसर अफरा-तफरी का रहा माहौल

धमकी भरा ईमेल सामने आन के बाद पुलिस बम स्क्वॉड के साथ कोर्ट परिसर पहुंची। कोर्ट परिसर को चारों तरफ से घेर लिया गया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। वकीलों के चैम्बर खाली कराए गए। कोर्ट परिसर में मौजूद कर्मचारियों, वकीलों और अन्य लोगों को बाहर किया गया। इस बीच बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। कोर्ट भवन के हर हिस्से की बारीकी से जांच की गई। इसके बाद बम स्क्वॉड और पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया। कोर्ट भवन के हर हिस्से की बारीकी से जांच की गई। चैम्बर, रिकॉर्ड रूम, कोर्ट रूम, गलियारे, पार्किंग एरिया और आसपास की खुली जगहों को खंगाला गया। बम निरोधक दस्ते ने उपकरणों की मदद से संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। बम स्क्वॉड टीम ने न्यायालय भवन, पार्किंग एरिया, रिकॉर्ड रूम और आसपास के परिसरों की गहन जांच की। प्रारंभिक जांच में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई।

फिलहाल जिला न्यायाधीश की सूचना पर जिले का पुलिस व प्रशासनिक महकमा सक्रिय हुआ और कोर्ट परिसर में एहतियात के तौर पर पुलिस बल के साथ-साथ बम निरोधक दस्ते को तैनात किया गया। वहीं न्यायालय के सभी कामों को बंद कर अधिवक्ताओं को कोर्ट भवन से बाहर कर दिया गया था।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे तक (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

डेयरी संचालक और उसके भाई से मारपीट

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की घटना

जागरण, रीवा। दूध का हिसाब और बकाया पैसा मांगना पर डेयरी संचालक और उसके भाई से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सिर पर हमला किया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मछरिहा गेट के पास की बताई गई है। पीड़ित विजय यादव ने बताया कि वह गोकुल डेयरी के नाम से दूध का व्यवसाय करता हैं, उन्होंने आरोप लगाया है कि ग्राहक राजा द्विवेदी पर दूध उधार का बकाया था। पीड़ित ने बताया कि उसने फोन से पैसा मांगा था, जिसके बाद विवाद हो गया। दोपहर करीब 12.30 बजे इसी बात को लेकर राजा द्विवेदी अपने साथियों और भतीजे शिवम द्विवेदी के साथ डेयरी पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे उसके सिर और शरीर पर चोट पहुंची है। संचालक का कहना है कि उसने सिर्फ अपने दूध के पैसे मांगे थे, इसी बात पर ये उसके और उसके भाई के साथ मारपीट की गई। पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया मे वायरल है, शिकायत के बाद सिटी कोतवाली पुलिस प्रकरण पंजीबद्ध कर पूरे मामले की जांच में लगी हुई है।

जहर का सेवन कर युवक ने किया सुसाइड का प्रयास

रीवा। एक युवक द्वारा जहर निगलकर सुसाइड के प्रयास का मामला सामने आया है। बताया गया अपने परिचितों के साथ जा रहे युवक को अचानक से एक फोन कॉल आया, इसी बीच वह रास्ते में वह गाड़ी से उतरकर बात करने लगा और फोन पर बात करते-करते ही उसने जहर निगल लिया। युवक की हालत बिगड़ने पर उसके परिचितों ने युवक को गंभीर हालत में संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक ने खुद कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पीड़ित अभिषेक द्विवेदी के मुताबिक उसका प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों को 10 लाख रुपए दिए गए थे, जिसे अब वह वापस नहीं लौटा रहे थे। पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकियां दी जा रहीं हैं। इसी बात पर कुछ दिन पूर्व उसके ऊपर जानलेवा हमले की भी कोशिश की गई थी, जिसके शिकायत उसके द्वारा सिविल लाइन थाने में भी की थी। जिससे तंग आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

PGI लखनऊ के एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की OPD रीवा में
11 जनवरी, रविवार
प्रत्येक माह में पूर्व निर्धारित दिनांक को समय - सुबह 10 से शाम 04:00 बजे तक
डायबिटीज, थायराइड एवं हार्मोन्स रोग विशेषज्ञ
डॉ. अजय शुक्ला
MBBS, M.D., D.M. (Endocriology & Metabolism) SGPGI लखनऊ
विभागाध्यक्ष मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल लखनऊ
कृपया रजिस्ट्रेशन पूर्व में करायें, 50 मरीज तक इसके बाद अगली बार का समय दिया जायेगा।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433, 9981287311

ऑटो चालक की अर्धनग्न अवस्था में मिली लाश

समान थाना के पास की घटना, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

जागरण, रीवा। शहर के समान थाने के पास गुरुवार की सुबह ऑटो में ऑटो चालक की अर्धनग्न हालत में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों बताया कि मृतक के शरीर से कपड़े उतरे मिले साथ ही उसकी जेब में रखा मोबाइल और ऑटो की बैट्री गायब है। सिर और पीठ सहित शरीर के हिस्सों में चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पुलिस से कार्रवाई कर न्याय की मांग की है। मृतक की पहचान दिलीप सोनिया उर्फ सोनू निवासी शारदा पुरम के रूप में हुई है, जो रीवा शहर में ऑटो चलाने का काम करता था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने युवक की मौत को लेकर हत्या की आशंका जाहिर की है। परिजनों का कहना है कि दिलीप की मौत सामान्य नहीं लग रही और इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। समान पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच की जा रही है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे। पूरे मामले की जांच समान पुलिस द्वारा की जा रही है।

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

10 जनवरी 2026 को लीवर की विशेष जांच फाइब्रोस्केन निःशुल्क की जाएगी
विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा: एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, फाइब्रोस्केन, ERCP
पेट, लीवर, पित्त, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

मेट्रो हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, रीवा
अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध विभाग: हड्डी रोग (आर्थोपेडिक्स), प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, कैंसर रोग एवं कीमोथैरेपी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक, पॉलीट्रामा, पल्मोनरी मेडिसिन
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा
अपॉइंटमेंट के लिए सम्पर्क करें: 07662-314775,7771000668

Minerva
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा विशेष सूचना
दिनांक: 10, 11 जनवरी 2026
कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ: IUI, IVF, ICSI, फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET), एग फ्रीजिंग, एंब्रियो फ्रीजिंग, स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

Divisa
मज़बूत इरादों के साथ सेहत का पहला कदम
डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लिपर
पसीना रोधी | फिसलन रोधी | नरम और आरामदायक | रोज़ाना इस्तेमाल
BUY NOW
A Step towards pain-free life with Acupressure
एक्यूप्रेशर स्लिपर के फायदे:
ब्लड सर्कुलेशन में सहायक
सारा दिन पहनने के लिए आरामदायक
प्रीमियम क्वालिटी, जो दे चलने का सुखद अनुभव
PVC या प्लास्टिक फुटवियर की तुलना में बेहतर
डा.ऑर्थो All day wear Acupressure Slippers
Contact For Dealership 85588 07777 • dealership@divisa.in

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com